
कविकुलगुरु - कालिदास - संस्कृत - विश्वविद्यालयः

M-२७२५

शिर्षक	ग्रंथकार	विषय	विस्तार (पुर्ण/अपूर्ण)	टिकाकार	आकार	पृष्ठे	लिपी	सामग्री	Lines per page	Letters per line	Condition & age (शके/विक्रम सवंत)	Additional Particulars / Remark
सप्तमातृक	सदाशिव	धर्मशास्त्र	पूर्ण		3/6	182	संस्कृत	कागद	11	३५		

॥ सप्तमाष्टकप्रारंभोयं ॥

प॰स॰९ ॥श्रीगणेशायनमः॥ ॥हरिः ॐ३म्॥ ॥प्र। नः। इंदो इति। महे। तने। ऊर्मिं। न।
बिभ्रत्। अर्षसि। अभि। देवान्। अयास्यः। मती। जुष्टः। धिया। हितः। सोमः। हिन्वे। पराऽ
॥१॥ वति। विप्रस्य। धारया। कविः। अयं। देवेषु। जागृविः। सुतः। एति। पवित्रे। आ। सोमः। या
ति। विऽचर्षणिः। सः। नः। पवस्व। वाजऽयुः। चक्राणः। चारुं। अध्वरं। बर्हिष्मान्। आ।
विवासति। सः। नः। भगाय। वायवे। विप्रऽवीरः। सदाऽवृधः। सोमः। देवेषु। आ। यमत्।
सः। नः। अद्य। वसुत्तये। क्रतुऽवित्। गातुवित्ऽतमः। वाजं। जेषि। श्रवः। बृहत्॥१॥ ॥
सः। पवस्व। मदाय। कं। नृऽचक्षाः। देवऽवीतये। इंदो इति। इंद्राय। पीतये। सः। नः। अर्ष।
अभि। दूत्यं। त्वं। इंद्राय। तोशसे। देवान्। सखिऽभ्यः। आ। वरं। उत। त्वां। अरुणं। वयं। राम
गोभिः। ऐं ग्मः। मदाय। कं। वि। नः। राये। दुरः। वृधि। अति। ऊं इति। पवित्रं। अक्रमीत् ॥१॥
। वाजी। धुरं। न। यामनि। इंदुः। देवेषु। पत्यते। सं। ईं। मिति। सखायः। अस्वरन्। वने। क्री

ऽतं। अति ऽअविं। इंदुं। नावाः। अनूषत। तया। पवस्व। धारया। यया। पीतः। विऽचक्ष
से। इंद्रोऽइति। स्तोत्रे। सुऽवीर्यं॥ २ ॥ ॥ अस्रग्रन्। देवऽवीतये। अत्यासः। कृत्व्याःऽइव।
क्षरंतः। पर्वतऽवृधः। परिऽकृतासः। इंद्रवः। योषाऽइव। पित्र्यऽवती। वायुं। सोमाः। अ
सृक्षत। एते। सोमासः। इंदवः। प्रयस्वंतः। चमूइति। सुताः। इंद्रं। वर्धति। कर्मऽभिः।
आ। धावत। सुऽहस्त्यः। शुक्रा। गृभ्णीत। मंथिना। गोभिः। श्रीणीत। मत्सरं। सः। पव
स्व। धनंऽजय। प्रऽयंता। राधसः। महः। अस्मभ्यं। सोम। गातुऽवित्। एतं। मृजंति। म
र्ज्यं। पवमानं। दश। क्षिपः। इंद्राय। मत्सरं। मदं॥ ३ ॥ ॥ अया। सोमः। सुऽकृत्यया।
महः। चित्। अभि। अवर्धत। मंदानः। उत्। वृषऽयते। कृतानि। इत्। अस्य। कर्त्वा। चेत
ते। दस्युऽतर्हणा। कृणा। च। धृष्णुः। वयते। आत्। सोमः। इंद्रियः। रसः। वज्रः। सहस्र
साः। भुवत्। उक्थं। यत्। अस्य। जायते। स्वयं। कविः। विऽधर्तरि। विप्राय। रत्नं। इच्छति।

प॰स॰ ९

॥२॥

यदि। मर्मृज्यते। धियः। सिसासतुः। रयीणां। वाजेषु। अर्वतांऽइव। भरेषु। जिग्युषां। असि॥ ४ ॥ ॥ तं। त्वा। नृम्णानि। बिभ्रतं। सधऽस्थेषु। महः। दिवः। चारुं। सुऽकृत्यया। ईमहे। संवृक्तऽधृष्णुं। उक्थ्यं। महाऽमहिव्रतं। मदं। शतं। पुरः। रुरुक्षणिं। अतः। त्वा। रयिं। अभि। राजानं। सुक्रतोइतिसुऽक्रतो। दिवः। सुऽपर्णः। अव्यथिः। भरत्। विश्वस्मै। इत्। स्वः। दृशे। साधारणं। रजःऽतुरं। गोपां। ऋतस्य। विः। भरत्। अध। हि। त्वा। नः। इंद्रियं। ज्यायः। महिऽत्वं। आनशे। अभिष्टिऽकृत्। विऽचर्षणिः॥ ५ ॥ ॥ पवस्व। वृष्टिं। आ। सु। नः। अपां। ऊर्मिं। दिवः। परि। अयक्ष्माः। बृहतीः। इषः। तया। पवस्व। धारया। यया। गावः। इह। आऽगमन्। जन्यासः। उप। नः। गृहं। घृतं। पवस्व। धारया। यज्ञेषु। देवऽवीतमः। अस्मभ्यं। वृष्टिं। आ। पव। सः। नः। ऊर्जे। वि। अव्ययं। पवित्रं। धाव। धारया। देवासः। शृणवन्। हि। कं। पवमानः। असिष्यदत्। रक्षांसि। अपऽजंघनत्।

राम

॥२॥

प्रत्नऽवत्। रोचयन्। रुचः॥ ६ ॥ ॥उत। ते। शुष्मासः। ईरते। सिंधोः। ऊर्मेःऽइव। स्वनः।
वाणस्य। चोदय। पविं। प्रऽसवे। ते। उत्। ईरते। तिस्रः। वाचः। मखस्युवः। यत्। अव्ये। एषि
। सानवि। अव्यः। वारे। परि। प्रियं। हरिं। हिन्वंति। अद्रिऽभिः। पवमानं। मधुऽश्चुतं। ०। सः।
। पवस्व। मदिन्ऽतम। गोभिः। अंजानः। अक्तुऽभिः। इंद्रो इति। इंद्राय। पीतये॥ ७ ॥ ॥अ
ध्वर्यो इति। अद्रिऽभिः। सुतं। सोमं। पवित्रे। आ। सृज। पुनीहि। इंद्राय। पातवे। दिवः। पीयू
षं। उत्ऽतमं। सोमं। इंद्राय। वज्रिणे। सुनोत। मधुमत्ऽतमं। तव। त्ये। इंदो इति। अंधसः। दे
वाः। मधोः। वि। अश्नते। पवमानस्य। मरुतः। त्वं। हि। सोम। वर्धयन्। सुतः। मदाय। भू
र्णये। वृषन्। स्तोतारं। ऊतये। अभि। अर्ष। विऽचक्षण। पवित्रं। धारया। सुतः। अभि। वा
जं। उत। श्रवः॥ ८ ॥ ॥परि। द्युक्षः। सनत्ऽरयिः। भरत्। वाजं। नः। अंधसा। सुवानः। अ
र्ष। पवित्रे। आ। तव। प्रत्नेभिः। अध्वऽभिः। अव्यः। वारं। परि। प्रियः। सहस्रऽधारः। यात्।

प.स.९ ॥३॥

तना।चरुः।न।यः।तं।ईंखय।इंदोइति।न।दानं।ईंखय।वधैः।वधस्नोइतिवधऽस्नो।
ईंखय।नि।शुष्मं।इंदोइति।एषां।पुरुऽहूत।जनानां।यः।अस्मान्।आऽदिदेशति।शतं।
नः।इंदोइति।ऊतिऽभिः।सहस्रं।वा।शुचीनां।पवस्व।मंहयत्ऽरयिः॥ ८॥ ॥उत।ते।शु
ष्मासः।अंशुः।रक्षः।भिंदंतः।अद्रिऽवः।नुदस्व।याः।परिऽस्पृधः।अया।निऽजघ्निः।ओ
जसा।रथऽसंगे।धने।हिते।स्तवै।अबिभ्युषा।हृदा।अस्य।व्रतानि।न।आऽधृषे।पवमा
नस्य।दुःऽध्या।रुज।यः।त्वा।पृतन्यति।तं।हिन्वंति।मदऽच्युतं।हरिं।नदीषु।वाजिनं।
इंदुं।इंद्राय।मत्सरं॥ १०॥ ॥अस्य।प्रत्नां।अनु।द्युतं।शुक्रं।दुदुह्रे।अह्रयः।पयः।सह
स्रऽसां।ऋषिं।अयं।सूर्यःऽइव।उपऽदृक्।अयं।सरांसि।धावति।सप्त।प्रऽवतः।आ।दि
वं।अयं।विश्वानि।तिष्ठति।पुनानः।भुवना।उपरि।सोमः।देवः।न।सूर्यः।परि।नः।देवऽ
वीतये।वाजान्।अर्षसि।गोऽमतः।पुनानः।इंदोइति।इंद्रऽयुः॥ ११॥ ॥यवंऽयवं।नः।

राम ॥३॥

अंधसा। पुरुहूंऽपुरुहूं। परि। स्रव। सोम। विश्वा। च। सौभगा। इंदोऽइति। यथा। तव। स्तवः।
यथा। ते। जातं। अंधसः। नि। बर्हिषि। प्रिये। सदः। उत। नः। गोऽवित्। अश्वऽवित्।
पवस्व। सोम। अंधसा। मक्षुऽतमेभिः। अहऽभिः। यः। जिनाति। न। जीयते। हंति। शत्रुं।
अभिऽइत्य। सः। पवस्व। सहस्रऽजित्॥१२॥ ॥परि। सोमः। ऋतं। बृहत्। आशुः।
पवित्रे। अर्षति। विऽघ्नन्। रक्षांसि। देवऽयुः। यत्। सोमः। वाजं। अर्षति। शतं। धाराः।
अपऽस्युवः। इंद्रस्य। सख्यं। आऽविशन्। अभि। त्वा। योषणः। दश। जारं। न। कन्या।
अनूषत। मृज्यसे। सोम। सातये। त्वं। इंद्राय। विष्णवे। स्वादुः। इंदोऽइति। परि। स्रव।
नॄन्। स्तोतॄन्। पाहि। अंहसः॥१३॥ ॥प्र। ते। धाराः। असश्चतः। दिवः। न। यंति। वृ
ष्टयः। अच्छ। वाजं। सहस्रिणं। अभि। प्रियाणि। काव्या। विश्वा। वक्षाणः। अर्षति।
हरिः। तुंजानः। आयुधा। सः। मर्मृजानः। आयुऽभिः। इभः। राजाऽइव। सुऽव्रतः। श्ये

प॰स॰

॥४॥

नः। न। वसु। सीदति। सः। नः। विश्वा। दिवः। वसु। उतोइति। पृथिव्याः। अधि। पुनानः।
इंदोइति। आ। भर॥१४॥ ॥तरत्। सः। मंदी। धावति। धारा। सुतस्य। अंधसः।०। उस्रा।
वेद। वसूनां। मर्त्तस्य। देवी। अवसः।०। ध्वस्रयोः। पुरुऽसंत्योः। आ। सहस्राणि। दद्महे।
।०। आ। ययोः। त्रिंशतं। तना। सहस्राणि। च। दद्महे।०॥१५॥ ॥पवस्व। गोऽजित्।
अश्वऽजित्। विश्वऽजित्। सोम। रण्यऽजित्। प्रजाऽवत्। रत्नं। आ। भर। पवस्व। अत्ऽ
भ्यः। अदाभ्यः। पवस्व। ओषधीभ्यः। पवस्व। धिषणाभ्यः। त्वं। सोम। पवमानः। विश्वा
नि। दुःऽइता। तर। कविः। सीद। नि। बर्हिषि। पवमान। स्वः। विदः। जायमानः। अभवः।
महान्। इंदोइति। विश्वान्। अभि। इत्। असि॥१६॥ ॥प्र। गायत्रेण। गायत। पवमा
नं। विऽचर्षणिं। इंदुं। सहस्रऽचक्षसं। तं। त्वा। सहस्रऽचक्षसं। अथोइति। सहस्रऽभ
र्णसं। अति। वारं। अपाविषुः। अति। वारान्। पवमानः। असिस्यदत्। कलशान्। अ

राम॰

॥४॥

भि।धावति।इंद्रस्य।हार्दि।आऽविशन्।इंद्रस्य।सोम।राधसे।शं।पवस्व।विऽचर्षणे।प्र
जाऽवत्।रेतः।आ।भर॥ १७ ॥ ॥अया।वीती।परि।स्रव।यः।ते।इंदो इति।मदेषु।आ।अ
वऽअहन्।नवतीः।नव।पुरः।सद्यः।इत्थाऽधिये।दिवः।ऽदासाय।शंबरं।अध।त्यं।तु
र्वशं।यदुं।परि।नः।अश्वं।अश्वऽवित्।गोऽमत्।इंदो इति।हिरण्यऽवत्।क्षर।सहस्रि
णीः।इषः।पवमानस्य।ते।वयं।पवित्रं।अभिऽउंदतः।सखिऽत्वं।आ।वृणीमहे।ये।ते।प
वित्रं।ऊर्मयः।अभिऽक्षरंति।धारया।तेभिः।नः।सोम।मृळय॥ १८ ॥ ॥सः।नः।पुनानः।
आ।भर।रयिं।वीरऽवतीं।इषं।ईशानः।सोम।विश्वतः।एतं।ऊं इति।त्यं।दश।क्षिपः।मृ
जंति।सिंधुऽमातरं।सं।आदित्येभिः।अख्यत।सं।इंद्रेण।उत।वायुना।सुतः।एति।पवि
त्रे।आ।सं।सूर्यस्य।रश्मिऽभिः।सः।नः।भगाय।वायवे।पूष्णे।पवस्व।मधुऽमान्।चारुः।
मित्रे।वरुणे।च।उच्चा।ते।जातं।अंधसः।दिवि।सत्।भूमिः।आ।ददे।उग्रं।शर्म।महि।श्रवः।

प॰ स॰ २
॥५॥

॥१९॥ ॥एना। विश्वानि। अर्यः। आ। द्युम्नानि। मानुषाणां। सिसासंतः। वनामहे। सः। नः।
इंद्राय। यज्यवे। वरुणाय। मरुत्ऽभ्यः। वरिवःऽवित्। परि। स्रव। उपो इति। सु। जातं। अप्ऽ
तुरं। गोभिः। भंगं। परिऽकृतं। इंदुं। देवाः। अयासिषुः। तं। इत्। वर्धंतु। नः। गिरः। वत्सं। संशि
श्वरीःऽइव। यः। इंद्रस्य। हृदंऽसनिः। अर्ष। नः। सोम। शं। गवे। धुक्षस्व। पिप्युषीं। इषं। वर्ध।
समुद्रं। उक्थ्यं॥२०॥ ॥पवमानः। अजीजनत्। दिवः। चित्रं। न। तन्यतुं। ज्योतिः। वैश्वान
रं। बृहत्। पवमानस्य। ते। रसः। मदः। राजन्। अदुच्छुनः। वि। वारं। अव्यं। अर्षति। पवमान।
रसः। तव। दक्षः। वि। राजति। द्युऽमान्। ज्योतिः। विश्वं। स्वः। दृशे। यः। ते। मदः। वरेण्यः। ते
न। पवस्व। अंधसा। देवऽअवीः। अघशंसऽहा। जघ्निः। वृत्रं। अमित्रियं। सस्निः। वाजं।
दिवेऽदिवे। गोऽसाः। ऊं इति। अश्वऽसाः। असि॥२१॥ ॥संऽमिश्लः। अरुषः। भव। सुऽ
उपस्थाभिः। न। धेनुऽभिः। सीदन्। श्येनः। न। योनिं। आ। सः। पवस्व। यः। आविथ। इंद्रं। वृत्रा

राम
॥ ५॥

य।हंतवे।वव्रिऽवांसं।महीः।अपः।सुऽवीरासः।वयं।धना।जयेम।सोम।मीढ्वः।पुनानः।वर्धीनः।।गिरः।त्वाऽऊतासः।तव।अवसा।स्याम।वन्वंतः।आऽमुरः।सोम।व्रतेषु।जागृहि।अपऽघ्नन्।पवते।मृधः।अप।सोमः।अराव्णः।गच्छन्।इंद्रस्य।निःऽकृतं॥२२॥

॥महः।नः।रायः।आ।भर।पवमान।जहि।मृधः।रास्व।इंदोइति।वीरऽवत्।यशः।ना।त्वा।शतं।वन।क्रतः।राधः।दित्संतं।आ।मिनन्।यत्।पुनानः।मखस्यसे।पवस्व।इंदोइति।वृषा।सुतः।कृधि।नः।यशसः।जने।विश्वाः।अप।द्विषः।जहि।अस्य।ते।सख्ये।वयं।तव।इंदोइति।द्युम्नि।उतऽतमे।ससह्याम।पृतन्यतः।या।ते।भीमानि।आयुधा।तिग्मानि।संति।धूर्वणे।रक्ष।समस्य।नः।निदः॥२३॥ ॥एते।असृग्रं।इंदवः।तिरः।पवित्रं।आशवः।विश्वानि।अभि।सौभगा।विऽघ्नंतः।दुःऽइता।पुरु।सुऽगा।तोकाय।वाजिनः।तना।कृण्वंतः।अर्वते।कृण्वंतः।वरिवः।गवे।अभि।

प・स・ ॥ ६ ॥

अर्षति। सुस्तुतिं। इळ्हं। अस्मभ्यं। सं॰यतं। असावि। अंशुः। मदाय। अप्॰सु। दक्षः। गिरि॰स्थाः। श्येनः। न। योनिं। आ। असदत्। शुभ्रं। अंधः। देव॰वीतं। अप्॰सु। धूतः। नृ॰भिः। सुतः। स्वदंति। गावः। पयः॰भिः। ॥२४॥ ॥आ। तं। ईं। अश्वं। न। हेतारः। अशूशुभन्। अमृताय। मध्वः। रसं। सध॰मादे। याः। ते। धाराः। मधु॰श्चुतः। असृग्रं। इंद्रो इति। ऊतये। ताभिः। पवित्रं। आ। असदः। सः। अर्ष। इंद्राय। पीतये। तिरः। रोमाणि। अव्यया। सीदन्। योना। वनेषु। आ। त्वं। इंद्रो इति। परि। स्रव। स्वादिष्ठः। अंगिरः॰भ्यः। वरिवः॰वित्। घृतं। पयः। अयं। वि॰चर्षणिः। हितः। पवमानः। सः। चेतति। हिन्वानः। आप्यं। बृहत्॥ ॥२५॥ ॥एषः। वृषा। वृष॰व्रतः। पवमानः। अशस्ति॰हा। करत्। वसूनि। दाशुषे। आ। पवस्व। सहस्रिणं। रयिं। गो॰मंतं। अश्विनं। पुरु॰चंद्रं। पुरु॰स्पृहं। एषः। स्यः। परि। सिच्यते। मर्मृज्यमानः। आयु॰भिः। उरु॰गायः। कवि॰क्रतुः। सहस्र॰ऊतिः। शत॰मघः॥

राम ॥ ६ ॥

विऽमानः। रजसः। कविः। इंद्राय। पवते। मदः। गिरा। जातः। इह। स्तुतः। इंदुः। इंद्राय।
धीयते। विः। योना। वसतौऽइव॥ २६॥ ॥पवमानः। सुतः। नृऽभिः। सोमः। वाजंऽइव।
असरत्। चमूषु। शक्मना। आऽसदं। तं। त्रिऽपृष्ठे। त्रिऽवंधुरे। रथे। युंजंति। यातवे। ऋ
षीणां। सप्त। धीतिऽभिः। तं। सोतारः। धनऽस्पृतं। आशुं। वाजाय। यातवे। हरिं। हिनोत
। वाजिनं। आऽविशन्। कलशं। सुतः। विश्वाः। अर्षन्। अभि। श्रियः। शूरः। न। गोषु। ति
ष्ठति। आ। ते। इंदो। इति। मदाय। कं। पयः। दुहंति। आयवः। देवाः। देवेभ्यः। मधु॥ २७॥
॥ ॥आ। नः। सोमं। पवित्रे। आ। सृजत। मधुमत्ऽतमं। देवेभ्यः। देवश्रुत्ऽतमं। एते। सो
माः। असृक्षत। गृणानाः। श्रवसे। महे। मदिन्ऽतमस्य। धारया। अभि। गव्यानि। वी
तये। नृम्णा। पुनानः। अर्षसि। सनत्ऽवाजः। परि। स्रव। उत। नः। गोऽमतीः। इषः। वि
श्वाः। अर्ष। परिऽस्तुभः। गृणानः। जमत्ऽअग्निना। पवस्व। वाचः। अग्रियः। सोम। चि

प॰स॰९
॥७॥

त्राभिः। ऊतिऽभिः। अभि। विश्वानि। काव्या॥ २९ ॥ ॥त्वं। समुद्रियाः। अपः। अग्रि
यः। वाचः। ईरयन्। पवस्व। विश्वंऽएजय। तुभ्य। इमा। भुवना। कवे। महिम्ने। सोम। त
स्थिरे। तुभ्यं। अर्षंति। सिंधवः। प्र। ते। दिवः। न। वृष्टयः। धाराः। यंति। असश्चतः। अभि
शुक्रां। उपऽस्तिरं। इंद्राय। इंदुं। पुनीतन। उग्रं। दक्षाय। साधनं। ईशानं। वीतिऽराधसं। प
वमानः। ऋतः। कविः। सोमः। पवित्रं। आ। असदत्। दधत्। स्तोत्रे। सुऽवीर्यं॥ २२ ॥ ॥आ।
पवस्व। सहस्रिणं। रयिं। सोम। सुऽवीर्यं। अस्मे इति। श्रवांसि। धारय। इषं। ऊर्जं। च। वि
न्वसे। इंद्राय। मत्सरिन्ऽतमः। चमूषु। आ। नि। सीदसि। सुतः। इंद्राय। विष्णवे। सोमः
। कलशे। अक्षरत्। मधुऽमान्। अस्तु। वायवे। एते। असृग्रं। आशवः। अति। ह्वरांसि। ब
भ्रवः। सोमाः। ऋतस्य। धारया। इंद्रं। वर्धंतः। अप्ऽतुरः। कृण्वंतः। विश्वं। आर्यं। अ
पऽघ्नंतः। अराव्णः॥ ३० ॥ ॥सुताः। अनु। स्वं। आ। रजः। अभि। अर्षंति। बभ्रवः। इंद्रं।

राम
॥७॥

गछंतः। इंदवः। अया। पवस्व। धारया। यया। सूर्यं। अरोचयः। हिन्वानः। मानुषीः। अपः।
अयुक्त। सूरः। एतशं। पवमानः। मनौ। अधि। अंतरिक्षेण। यातवे। उत। त्याः। हरितः। दश।
सूरः। अयुक्त। यातवे। इंदुः। इंद्रः। इति। ब्रुवन्। परि। इतः। वायवे। सुतं। गिरः। इंद्राय। म
त्सरं। अव्यः। वारेषु। सिंचत॥ ३१ ॥ ॥ पवमान। विदाः। रयिं। अस्मभ्यं। सोम। दुस्तरं। यः।
दुःऽनशः। वनुष्यता। अभि। अर्ष। सहस्रिणं। रयिं। गोऽमंतं। अश्विनं। अभि। वाजं। उत। श्र
वः। सोमः। देवः। न। सूर्यः। अद्रिऽभिः। पवते। सुतः। दधानः। कलशे। रसं। एते। धामानि।
आर्या। शुक्राः। ऋतस्य। धारया। वाजं। गोऽमंतं। अक्षरन्। सुताः। इंद्राय। वज्रिणे। सो
मासः। दधिऽआशिरः। पवित्रं। अति। अक्षरन्॥ ३२ ॥ ॥ प्र। सोम। मधुमत्ऽतमः। राये।
अर्ष। पवित्रे। आ। मदः। यः। देवऽवीतमः। तं। ईं इति। मृजंति। आयवः। हरिं। नदीषु। वा
जिनं। इंदुं। इंद्राय। मत्सरं। आ। पवस्व। हिरण्यऽवत्। अश्वऽवत्। सोम। वीरऽवत्। वाजं।

प॰ स॰ ~ गोऽमंतं। आ। भर। परि। वाजे। न। वाजऽयुं। अव्यः। वारेषु। सिंचत। इंद्राय। मधुमत्ऽतमं

॥ ८ ॥ कविं। मृजंति। मर्त्यं। धीभिः। विप्राः। अवस्यवः। वृषा। कनिक्रत्। अर्षति ॥ ३३ ॥ ॥ वृष

णं। धीभिः। अप्ऽतुरं। सोमं। ऋतस्य। धारया। मती। विप्राः। सं। अस्वरन्। पवस्व। देव। आ

युषक्। इंद्रं। गच्छतु। ते। मदः। वायुं। आ। रोह। धर्मणा। पवमान। नि। तोशसे। रयिं। सोम। श्र

वाय्यं। प्रियः। समुद्रं। आ। विश। अपऽघ्नन्। पवसे। मृधः। क्रतुऽवित्। सोम। मत्सरः। नु

दस्व। अदेवऽयुं। जनं। पवमानाः। असृक्षत। सोमाः। शुक्रासः। इंदवः। अभि। विश्वा

नि। काव्या ॥ ३४ ॥ ॥ पवमानासः। आशवः। शुभ्राः। असृग्रं। इंदवः। घ्नंतः। विश्वाः।

अप। द्विषः। पवमानाः। दिवः। परि। अंतरिक्षात्। असृक्षत। पृथिव्याः। अधि। सानवि।

पुनानः। सोम। धारया। इंदो इति। विश्वाः। अप। स्रिधः। जहि। रक्षांसि। सुक्रतो इति सुऽक्र

तो। अपऽघ्नन्। सोम। रक्षसः। अभि। अर्ष। कनिक्रदत्। द्युऽमंतं। शुष्मं। उत्ऽतमं। अस्मे

राम

॥ ८ ॥

इति। वसूनि। धारय। सोम। दिव्यानि। पार्थिवा। इंदोइति। विश्वानि। वार्या॥ ३५॥ ॥वृ
षा। सोम। द्युऽमान्। असि। वृषा। देव। वृषऽव्रतः। वृषा। धर्माणि। दधिषे। वृष्णः। ते। वृ
ष्ण्यं। शवः। वृषा। वनं। वृषा। मदः। सत्यं। वृषन्। वृषा। इत्। असि। अश्वः। न। चक्रदः।
वृषा। सं। गाः। इंदोइति। सं। अर्वतः। वि। नः। राये। दुरः। वृधि। असृक्षत। प्र। वाजिनः। ग
व्या। सोमासः। अश्वऽया। शुक्रासः। वीरऽया। आशवः। शुंभमानाः। ऋतयुऽभिः। मृज्य
मानाः। गभस्त्योः। पवंते। वारे। अव्यये॥ ३६॥ ॥ते। विश्वा। दाशुषे। वसु। सोमाः। दिव्या
नि। पार्थिवा। पवंतां। आ। अंतरिक्ष्या॥ पवमानस्य। विश्वऽवित्। प्र। ते। सर्गाः। असृक्षत
। सूर्यस्यऽइव। न। रश्मयः। केतुं। कृण्वन्। दिवः। परि। विश्वा। रूपा। अभि। अर्षसि। समुद्रः
। सोम। पिन्वसे। हिन्वानः। वाचं। इष्यसि। पवमान। विऽधर्मणि। अक्रान्। देवः। न। सूर्यः
। इंदुः। पविष्ट। चेतनः। प्रियः। कवीनां। मती॥ सृजत्। अश्वं। रथीःऽइव॥ ३७॥ ॥ऊर्मिः। यः।

प॰ स॰ ९
॥५॥

ते।पवित्रे।आ।देवऽअवीः।परिऽअक्षरत।सीदन्।ऋतस्य।योनिं।आ।सः।नः।अर्ष।पवित्रे।आ।मदः।यः।देवऽवीतमः।इंदोइति।इंद्राय।पीतये।वृषे।पवस्व।धारया।मृज्यमानः।मनीषिऽभिः।इंदोइति।रुचा।अभि।गाः।इहि।पुनानः।वरिवः।कृधि।ऊर्जं।जनाय।गिर्वणः।हरे।सृजानः।आऽशिरं।पुनानः।देवऽवीतये।इंद्रस्य।याहि।निःऽकृतं।द्युतानः।वाजिऽभिः।यतः॥२८॥ ॥प्र।हिन्वानासः।इंदवः।अच्छ।समुद्रं।आशवः।धिया।जूताः।असृक्षत।मर्मृजानासः।आयवः।वृथा।समुद्रं।इंदवः।अग्मन्।ऋतस्य।योनिं।आ।परि।नः।याहि।अस्मऽयुः।विश्वा।वसूनि।ओजसा।पाहि।नः।शर्म।वीरऽवत।मिमाति।वह्निः।एतशः।पदं।युजानः।ऋक्वऽभिः।प्र।यत।समुद्रे।आऽहितः।आ।यत।योनिं।हिरण्ययं।आशुः।ऋतस्य।सीदति।जहाति।अप्रऽचेतसः॥२९॥ ॥अभि।वेनाः।अनूषत।इयक्षंति।प्रऽचेतसः।मज्जंति।अविऽचेतसः।

राम
॥५॥

दृद्राय। इंद्रोइति। मरुत्वते। पवस्व। मधुमत्ऽतमः। ऋतस्य। योनिं। आऽसदं। तं। त्वा। वि
प्राः। वचः ऽविदः। परि। कृण्वंति। वेधसः। सं। त्वा। मृजंति। आयवः। रसं। ते। मित्रः। अ
र्यमा। पिबंति। वरुणः। कवे। पवमानस्य। मरुतः। त्वं। सोम। विपःऽचितं। पुनानः। वाचं
। इष्यसि। इंद्रोइति। सहस्र ऽभर्णसं॥ ४१॥ ॥उतोइति। सहस्र ऽभर्णसं। वाचं। सोम।
मखस्युवं। पुनानः। इंद्रोइति। आ। भर। पुनानः। इंद्रोइति। एषां। पुरुऽहूत। जनानां। प्रि
यः। समुद्रं। आ। विश। इविद्युतत्या। रुचा। परिऽस्तोभंत्या। कृपा। सोमाः। शुक्राः। गोऽ
आशिरः। हिन्वानः। हेतृऽभिः। यतः। अद्रिः। वाजं। वाजी। अक्रमीत्। सीदंतः। वनुषः। य
था। ऋधक्। सोम। स्वस्तये। संऽजग्मानः। दिवः। कविः। पवस्व। सूर्यः। दृशे॥ ४२॥ ॥
॥ ॥इतिसप्तमाष्टके प्रथमोऽध्यायः॥ ॥ॐ॥ ॥हिन्वं
ति। सूरं। उस्रयः। स्वसारः। जामयः। पतिं। महां। इंदुं। महीयुवः। पवमान। रुचाऽरुचा।

प॰स॰२
॥१०॥

देवः। देवेभ्यः। परि। विश्वा। वसूनि। आ। विश। आ। पवमान। सुऽस्तुतिं। वृष्टिं। देवेभ्यः। दुवः। इषे। पवस्व। संऽयतं। वृषा। हि। असि। भानुना। द्युऽमंतं। त्वा। हवामहे। पवमान। सुऽआध्यः। आ। पवस्व। सुऽवीर्यं। मंदमानः। सुऽआयुध। इंदो इति। सु। इंदो इति। आ। गहि ॥१॥ ॥यत्। अत्ऽभिः। परिऽसिच्यसे। मृज्यमानः। गभस्त्योः। द्रुणा। सधऽस्थं। अश्नुषे। प्र। सोमाय। व्यश्वऽवत्। पवमानाय। गायत। महे। सहस्रऽचक्षसे। यस्य। वर्णं। मधुऽश्चुतं। हरिं। हिन्वंति। अद्रिऽभिः। इंदुं। इंद्राय। पीतये। तस्य। ते। वाजिनः। वयं। विश्वा। धनानि। जिग्युषः। सखिऽत्वं। आ। वृणीमहे। वृषा। पवस्व। धारया। मरुत्वते। च। मत्सरः। विश्वा। दधानः। ओजसा ॥२॥ ॥तं। त्वा। धर्त्तारं। ओण्योः। पवमान। स्वःऽदृशं। हिन्वे। वाजेषु। वाजिनं। अया। चित्तः। विपा। अनया। हरिः। पवस्व। धारया। युजं। वाजेषु। चोदय। आ। नः। इंदो इति। महीं। इषं। पवस्व। विश्वऽदर्शतः। अस्मभ्यं। सो

राम
॥१०॥

म। गातु॒ऽवित्। आ। कलशाः। अनूषत। इंद्रो इति। धाराभिः। ओजसा। आ। इंद्रस्य। पीतये।
विश। यस्य। ते। मद्यं। रसं। तीव्रं। दुहंति। अद्रि॑ऽभिः। सः। पवस्व। अभिमाति॒ऽहा॥ ३॥ ॥
राजा। मेधाभिः। ईयते। पवमानः। मनौ। अधि। अंतरिक्षेण। यातवे। आ। नः। इंदो इति। श
त॒ऽग्विनं। गवां। पोषं। सु॒ऽअश्व्यं। वह। भगत्तिं। ऊतये। आ। नः। सोम। सहः। जुवः। रूपं।
न। वर्चसे। भर। सुस्वानः। देव॒ऽवीतये। अर्ष। सोम। द्युमत्॒ऽतमः। अभि। द्रोणानि। रोरुवत्
। सीदन्। श्येनः। न। योनिं। आ। अप्साः। इंद्राय। वायवे। वरुणाय। मरुत्॒ऽभ्यः। सोमः। अ
र्षति। विष्णवे॥ ४॥ ॥ इषं। तोकाय। नः। दधत्। अस्मभ्यं। सोम। विश्वतः। आ। पवस्व। स
हस्रिणं। ये। वा। अदः। शर्यणा॒ऽवति। ये। आर्जिकेषु। कृत्व॒ऽसु। ये। मध्ये। पस्त्यानां। ये।
वा। जनेषु। पंच॒ऽसु। ते। नः। वृष्टिं। दिवः। परि। पवंतां। आ। सु॒ऽवीर्यं। सुवानाः। देवासः। इं
दवः। पवते। हर्यतः। हरिः। गृणानः। जमत्॒ऽअग्निना। हिन्वानः। गोः। अधि। त्वचि॥ ५॥

१.स.२
॥१२॥

प्र।शुक्रासः।वयः।जुवः।हिन्वानासः।न।सप्तयः।श्रीणानाः।अप्ऽसु।मृंजत।तं।त्वा।सु
तेषु।आऽभुवः।हिन्विरे।देवऽतातये।सः।पवस्व।अनया।रुचा।आ।ते।दक्षं।मयःऽभुवं।व
ह्निं।अद्य।वृणीमहे।पांतं।आ।पुरुऽस्पृहं।आ।मंद्रं।आ।वरेण्यं।आ।विप्रं।आ।मनीषिणं।
।०।आ।रयिं।आ।सुऽचेतुनं।आ।सुक्रतोइतिसुऽक्रतो।तनूषु।आ।०॥ ६ ॥ ॥पवस्व।वि
श्वऽचर्षणे।अभि।विश्वानि।काव्या।सखा।सखिऽभ्यः।ईड्यः।ताभ्यां।विश्वस्य।राजसि
।येइति।पवमान।धामनीइति।प्रतीचीइति।सोम।तस्थतुः।परि।धामानि।यानि।ते।त्वं।
सोम।असि।विश्वतः।पवमान।ऋतुऽभिः।कवे।पवस्व।जनयन्।इषः।अभि।विश्वा
नि।वार्या।सखा।सखिऽभ्यः।ऊतये।तव।शुक्रासः।अर्चयः।दिवः।पृष्ठे।वि।तन्वते। राम
पवित्रं।सोम।धामऽभिः॥ ७ ॥ ॥तव।इमे।सप्त।सिंधवः।प्रऽशिषं।सोम।सिस्रते।तुभ्यं ॥१२॥
।धावंति।धेनवः।प्र।सोम।याहि।धारया।सुतः।इंद्राय।मत्सरः।दधानः।अक्षिति।श्र

वः। सं। ऊं इति। त्वा। धीभिः। अस्वरन्। हिन्वतीः। सप्त। जामयः। विप्रं। आजा। विवस्वतः।
मृजंति। त्वा। सं। अग्रुवः। अव्ये। जीरौ। अधि। ष्वनि। रेभः। यत्। अज्यसे। वने। पवमानस्य।
ते। कवे। वाजिन्। सर्गाः। असृक्षत। अर्वतः। न। श्रवस्यवः॥ ८ ॥ ॥अच्छ। कोशं। मधुऽश्चु
तं। असृग्रं। वारे। अव्यये। अवावशंत। धीतयः। अच्छ। समुद्रं। इंदवः। अस्तं। गावः। न। धेन
वः। अग्मन्। ऋतस्य। योनिं। आ। प्र। नः। इंदो इति। महे। रणे। आपः। अर्षंति। सिंधवः। य
त्। गोभिः। वासयिष्यसि। अस्य। ते। सख्ये। वयं। इयक्षंतः। त्वाऽऊतयः। इंदो इति। सखि
त्वं। उश्मसि। आ। पवस्व। गोऽइष्टये। महे। सोम। नृऽचक्षसे। आ। इंद्रस्य। जठरे। विश॥
॥ ९ ॥ ॥महान्। असि। सोम। ज्येष्ठः। उग्राणां। इंदो इति। ओजिष्ठः। युध्वा। सन्। शश्व
त्। जिगेथ। यः। उग्रेभ्यः। चित्। ओजीयान्। शूरेभ्यः। चित्। शूरऽतरः। भूरिऽदाभ्यः।
चित्। मंहीयान्। त्वं। सोम। सूरः। आ। इषः। तोकस्य। साता। तनूनां। वृणीमहे। सख्याय।

प॰स॰२

॥१२॥

वृणीमहे।पुत्र्याय।अग्ने।आयूंषि।पवसे।आ।सुव।ऊर्जं।इषं।च।नः।आरे।बाधस्व।दुच्छुनां।अग्निः।ऋषिः।पवमानः।पांचऽजन्यः।पुरःऽहितः।तं।ईमहे।महाऽगयं॥॥१०॥ ॥अग्ने।पवस्व।सुऽअपाः।अस्मेइति।वर्चः।सुऽवीर्यं।दधत्।रयिं।मयि।पोषं।पवमानः।अति।स्रिधः।अभि।अर्षति।सुऽस्तुतिं।सूरः।न।विश्वऽदर्शतिः।सः।मर्मृजानः।आयुऽभिः।प्रयस्वान्।प्रयसे।हितः।इंदुः।अत्यः।विऽचक्षणः।पवमानः।ऋतं।बृहत्।शुक्रं।ज्योतिः।अजीजनत्।कृष्णा।तमांसि।जंघनत्।पवमानस्य।जघ्नतः।हरेः।चंद्राः।असृक्षत।जीराः।अजिरऽशोचिषः॥११॥ ॥पवमानः।रथिऽतमः।शुभ्रेभिः।शुभ्रशःऽतमः।हरिऽचंद्रः।मरुत्ऽगणः।पवमानः।वि।अश्नवत्।रश्मिऽभिः।वाजऽसातमः।दधत्।स्तोत्रे।सुऽवीर्यं।प्र।सुवानः।इंदुः।अक्षाः।इति।पवित्रं।अति।अति।अव्ययं।पुनानः।इंदुः।इंद्रं।आ।एषः।सोमः।अधि।त्वचि।गवां।क्रीळति।अद्रिऽभिः।

॥१२॥

इंद्रं। मदाय। जोड़ुवत्। यस्य। ते। द्युम्नऽवत्। पयः। पवमान। आऽभृतं। दिवः। तेन।
नः। मृळ। जीवसे॥१२॥ ॥ त्वं। सोम। असि। धारयुः। मंद्रः। ओजिष्ठः। अध्वरे। पवस्व।
मंहयत्ऽरयिः। त्वं। सुतः। नृऽमादनः। दधन्वान्। मत्सरिन्ऽतमः। इंद्राय। सूरिः।
अंधसा। त्वं। सुस्वानः। अद्रिऽभिः। अभि। अर्ष। कनिक्रदत्। द्युऽमंतं। शुष्मं। उत्ऽतमं।
इंदुः। हिन्वानः। अर्षति। तिरः। वाराणि। अव्यया। हरिः। वाजं। अचिक्रदत्। इंदोऽइ
ति। वि। अव्ये। अर्षसि। वि। श्रवांसि। वि। सोभगा। वि। वाजान्। सोम। गोऽमतः॥१३॥
॥ ॥ आ। नः। इंदोऽइति। शतऽग्विनं। रयिं। गोऽमंतं। अश्विनं। भर। सोम। सहस्त्रिणं।
। पवमानासः। इंदवः। तिरः। पवित्रं। आशवः। इंद्रं। यामेभिः। आशत। ककुहः। सोम्यः
। रसः। इंदुः। इंद्राय। पूर्व्यः। आयुः। पवते। आयवे। हिन्वंति। सूरं। उस्रयः। पवमानं।
मधुऽश्चुतं। अभि। गिरा। सं। अस्वरन्। अविता। नः। अजऽअश्वः। पूषा। यामनिऽया

प॰स॰२

॥१३॥

मनि। आ। भक्षत। कन्यासु। नः॥ १४॥ ॥ अयं। सोमः। कपर्दिने। घृतं। न। पवते। म
धु। ०। अयं। ते। आघृणे। सुतः। घृतं। न। पवते। शुचि। ०। वाचः। जंतुः। कवीनां। पवस्व
। सोम। धारया। देवेषु। रत्नऽधाः। असि। आ। कलशेषु। धावति। श्येनः। वर्म। वि।
गाहते। अभि। द्रोणा। कनिक्रदत्। परि। प्र। सोम। ते। रसः। असर्जि। कलशे। सुतः। श्ये
नः। न। तक्तः। अर्षति॥ १५॥ ॥ पवस्व। सोम। मंदयन्। इंद्राय। मधुमत्ऽतमः। अस्र
ग्रन्। देवऽवीतये। वाजऽयंतः। रथाःऽइव। ते। सुतासः। मदिन्ऽतमाः। शुक्राः। वायुं। अ
सृक्षत। ग्राव्णा। तुन्नः। अभिऽस्तुतः। पवित्रं। सोम। गच्छसि। दधत्। स्तोत्रे। सुऽवीर्यं।
एषः। तुन्नः। अभिऽस्तुतः। पवित्रं। अति। गाहते। रक्षःऽहा। वारं। अव्ययं॥ १६॥ ॥
यत्। अंति। यत्। च। दूरके। भयं। विंदति। मां। इह। पवमान। वि। तत्। जहि। पवमानः।
सः। अद्य। नः। पवित्रेण। विऽचर्षणिः। यः। पोता। सः। पुनातु। नः। यत्। ते। पवित्रं। अ

राम

॥१३॥

र्चिषि। अग्ने। वि ऽ ततं। अंतः। आ। ब्रह्म। तेन। पुनीहि। नः। यत्। ते। पवित्रं। अर्चिः ऽ व
त्। अग्ने। तेन। पुनीहि। नः। ब्रह्म ऽ सवैः। पुनीहि। नः। उभाभ्यां। देव। सवितः। इति। पवित्रे
ण। सवेन। च। मां। पुनीहि। विश्वतः॥ १७॥ ॥ त्रिऽभिः। त्वं। देव। सवितः। वर्षिष्ठैः। सोम
। धाम ऽ भिः। अग्ने। दक्षैः। पुनीहि। नः। पुनंतु। मां। देव ऽ जनाः। पुनंतु। वसवः। धिया। वि
श्वे। देवाः। पुनीत। मा। जात ऽ वेदः। पुनीहि। मा। प्र। प्यायस्व। प्र। स्यंदस्व। सोम। विश्वे
भिः। अंशु ऽ भिः। देवेभ्यः। उत् ऽ तमं। हविः। उप। प्रियं। पनिप्नतं। युवानं। आहुति ऽ वृधं।
अगन्म। बिभ्रतः। नमः। अलाय्यस्य। परशुः। ननाश। तं। आ। पवस्व। देव। सोम। आखुं
। चित्। एव। देव। सोम। यः। पावमानीः। अधि ऽ एति। ऋषि ऽ भिः। सं ऽ भृतं। रसं। सर्वं। सः।
। पूतं। अश्नाति। स्वदितं। मातरिश्वना। पावमानीः। यः। अधि ऽ एति। ऋषि ऽ भिः। सं ऽ
भृतं। रसं। तस्मै। सरस्वती। दुहे। क्षीरं। सर्पिः। मधु। उदकं॥ १८॥ ॥ प्र। देवं। अछ। म

प·स··२ ॥१४॥

धुऽमंतः। इंदवः। असिस्यदंत। गावः। आ। न। धेनवः। बर्हिऽसदः। वचनाऽवंतः। ऊधऽभिः। परिऽस्रुतं। उस्त्रियाः। निःऽनिजं। धिरे। सः। रोरुवत्। अभि। पूर्वाः। अचिक्रदत्। उपऽआरुहः। श्रथयन्। स्वादते। हरिः। तिरः। पवित्रं। परिऽयन्। उरु। ज्रयः। नि। शर्याणि। दधते। देवः। आ। वरं। वि। यः। ममे। यम्या। संयतीइतिसंऽयती। मदः। साकंऽवृधा। पयसा। पिन्वत्। अक्षिता। महीइति। अपारेइति। रजसीइति। विऽवेविदत्। अभिऽव्रजन्। अक्षितं। पाजः। आ। ददे। सः। मातरा। विऽचरन्। वाजयन्। अपः। प्र। मेधिरः। स्वधया। पिन्वते। पदं। अंशुः। यवेन। पिपिशे। यतः। नृऽभिः। सं। जामिऽभिः। नसते। रक्षते। शिरः। सं। दक्षेण। मनसा। जायते। कविः। ऋतस्य। गर्भः। निऽहितः। यमा। परः। यूना। ह। संता। प्रथमं। वि। जज्ञतुः। गुहा। हितं। जनिम। नेमं। उत्ऽयतं। १२॥ ॥मंद्रस्य। रूपं। विविदुः। मनीषिणः। श्येनः। यत्। अंधः। अभरत्। पराऽवतः। तं। मर्जयंत। सुऽवृधं। नदीषु।

राम ॥२४॥

आ। उशंतं। अंशुं। परिऽयंतं। ऋग्मियं। त्वां। मृजंति। दश। योषणः। सुतं। सोम। ऋषिऽभिः

। मतिऽभिः। धीतिऽभिः। हितं। अव्यः। वारेभिः। उत। देवहूतिऽभिः। नृऽभिः। यतः। वाजं।

आ। दर्षि। सातये। परिऽप्रयंतं। वय्यं। सुऽसंसदं। सोमं। मनीषाः। अभि। अनूषत। स्तुभः।

यः। धारया। मधुऽमान्। ऊर्मिणा। दिवः। इयर्ति। वाचं। रयिषाट्। अमर्त्यः। अयं। दिवः।

इयर्ति। विश्वं। आ। रजः। सोमः। पुनानः। कलशेषु। सीदति। अत्ऽभिः। गोभिः। मृज्यते

। अद्रिऽभिः। सुतः। पुनानः। इंदुः। वरिवः। विदत्। प्रियं। एव। नः। सोम। परिऽसिच्यमानः

। वयः। दधत्। चित्रऽतमं। पवस्व। अद्वेषेइति। द्यावापृथिवीइति। हुवेम। देवाः। धत्त।

रयिं। अस्मेइति। सुऽवीरं॥ २०॥ ॥ दृषुः। न। धन्वन्। प्रति। धीयते। मतिः। वत्सः। न।

मातुः। उप। सर्जि। ऊधनि। उरुऽधाराऽइव। दुहे। अग्रे। आऽयती। अस्य। व्रतेषु। अ

पि। सोमः। इष्यते। उपोइति। मतिः। एन्यते। सिच्यते। मधु। मंद्रऽअजनी। चोदते। अंतः।

प॰ स॰ २ ॥१५॥

आसनि। पवमानः। सं ऽ तनिः। प्रघ्नतांऽइव। मधुऽमान्। द्रप्सः। परि। वारं। अर्षति। अव्ये।
वधूऽयुः। पवते। परि। त्वचि। श्रथ्नीते। नप्तीः। अदितेः। ऋतं। यते। हरिः। अक्रान्। यजतः
।संऽयतः। मदः। नृम्णा। शिशानः। महिषः। न। शोभते। उक्षा। मिमाति। प्रति। यंति। धेन
वः। देवस्य। देवीः। उप। यंति। निःऽकृतं। अति। अक्रमीत्। अर्जुनं। वारं। अव्ययं। अत्कं
।न। निक्तं। परि। सोमः। अव्यत। अमृक्तेन। रुशता। वाससा। हरिः। अमर्त्यः। निःऽनिजा
नः। परि। व्यत। दिवः। पृष्ठं। बर्हणा। निःऽनिजे। कृत। उपऽस्तरणं। चम्वोः। नभस्मयं
॥२१॥ ॥सूर्यस्यऽइव। रश्मयः। द्रवयित्नवः। मत्सरासः। प्रऽसुपः। साकं। ईरते। तंतुं। ततं।
परि। सर्गासः। आशवः। न। इंद्रात्। ऋते। पवते। धाम। किं। चन। सिंधोःऽइव। प्रवणे। राम
निम्ने। आशवः। वृषऽच्युताः। मदासः। गातुं। आशत। शं। नः। निऽवेशे। द्विऽपदे। चतुःऽ १५॥
पदे। अस्मेइति। वाजाः। सोम। तिष्ठंतु। कृष्टयः। आ। नः। पवस्व। वसुऽमत्। हिरण्यऽ

वत।अश्वऽवत।गोऽमत।यवऽमत।सुऽवीर्यं।यूयं।हि।सोम।पितरः।मम।स्थन।दिवः।
मूर्धानः।प्रऽस्थिताः।वयःऽकृतः।एते।सोमाः।पवमानासः।इंद्रं।रथाःऽइव।प्र।ययुः।
सातिं।अछ।सुताः।पवित्रं।अति।यंति।अव्यं।हित्वी।वव्रिं।हरितः।वृष्टिं।अछ।इंदोइति
।इंद्राय।बृहते।पवस्व।सुऽमृळीकः।अनवद्यः।रिशादाः।भर।चंद्राणि।गृणते।वसू
नि।०॥ २२॥ ॥त्रिः।अस्मै।सप्त।धेनवः।दुदुह्रे।सत्यां।आऽशिरं।पूर्व्ये।विऽओमनि।
चत्वारि।अन्या।भुवनानि।निःऽनिजे।चारूणि।चक्रे।यत।ऋतैः।अवर्धत।सः।भि
क्षमाणः।अमृतस्य।चारुणः।उभेइति।द्यावा।काव्येन।वि।शश्रथे।तेजिष्ठाः।अ
पः।मंहना।परि।व्यत।यदि।देवस्य।श्रवसा।सदः।विदुः।ते।अस्य।संतु।केतवः।अ
मृत्यवः।अदाभ्यासः।जनुषीइति।उभेइति।अनु।येभिः।नृम्णा।च।देव्या।च।पु
नते।आत।इत।राजानं।मननाः।अगृभ्णत।सः।मृज्यमानः।दशऽभिः।सुकर्मऽ

प॰स॰२

॥१घ॥

भिः। प्र। मध्यमासु। मातृषु। प्रऽमे। सचा। व्रतानि। पानः। अमृतस्य। चारुणः। उभेइ
ति। नृऽचक्षाः। अनु। पश्यते। विशौ। सः। मर्मृजानः। इंद्रियाय। धायसे। आ। उभेइति।
अंतरितिं। रोदसीइति। हर्षते। हितः। वृषा। शुष्मेण। बाधते। वि। दुःऽमतीः। आऽदेदि
शानः। शर्यहाऽइव। शुरुधः॥ २३॥ ॥ सः। मातरा। न। ददृशानः। उस्रियः। नानदत्।
एति। मरुतांऽइव। स्वनः। जानन्। ऋतं। प्रथमं। यत्। स्वःऽनरं। प्रऽशस्तये। कं। अवृणी
त। सुऽक्रतुः। रुवति। भीमः। वृषभः। तविष्यया। शृंगेइति। शिशानः। हरिणीइति। विऽ
चक्षणः। आ। योनिं। सोमः। सुऽकृतं। नि। सीदति। गव्ययी। त्वक्। भवति। निःऽनिक्।
अव्ययी। शुचिः। पुनानः। तन्वं। अरेपसं। अव्ये। हरिः। नि। अधावि। स्नानवि। जुष्टः।
मित्राय। वरुणाय। वायवे। त्रिऽधातु। मधु। क्रियते। सुकर्मऽभिः। पवस्व। सोम। देवऽ
वीतये। वृषा। इंद्रस्य। हार्दि। सोमऽधानं। आ। विश। पुरा। नः। बाधात्। दुःऽइता। अ

राम

॥१घ॥

ति। पारय। क्षेत्रऽवित्। हि। दिशः। आह। विऽपृच्छते। हितः। न। सप्तिः। अभि। वाजं।
अर्ष। इंद्रस्य। इंद्रोइति। जठरं। आ। पवस्व। नावा। न। सिंधुं। अति। पर्षि। विद्वान्। शूरः।
न। युध्यन्। अव। नः। निदः। स्पः। इतिस्पः॥ २४ ॥ ॥ आ। दक्षिणा। सृज्यते। शुष्मी। आऽ
सदं। वेति। द्रुहः। रक्षसः। पाति। जागृविः। हरिः। ओपशं। कृणुते। नभः। पयः। उपऽस्ति
रे। चम्वोः। ब्रह्म। निःऽनिजे। प्र। कृष्टिहाऽइव। शूषः। एति। रोरुवत्। असुर्यं। वर्णं। नि
रिणीते। अस्य। तं। जहाति। वव्रिं। पितुः। एति। निःऽकृतं। उपऽप्रुतं। कृणुते। निःऽनिजं।
तना। अद्रिऽभिः। सुतः। पवते। गभस्त्योः। वृषऽयते। नभसा। वेपते। मती। सः। मोदते। नस
ते। साधते। गिरा। नेनिक्ते। अप्ऽसु। यजते। परीमणि। परि। द्युक्षं। सहसः। पर्वतऽवृधं।
मध्वः। सिंचंति। हर्म्यस्य। सक्षणिं। आ। यस्मिन्। गावः। सुहुतऽअदः। ऊधनि। मूर्धन्।
श्रीणंति। अग्रियं। वरीमऽभिः। सं। ईं। इति। रथं। न। भुरिजोः। अहेषत। दश। स्वसारः।

अदितिः। उपऽस्थे। आ। अजिगात्। उपऽत्रयति। गोः। अपीच्यं। पदं। यत्। अस्य। मतुथाः। अजीजनन्॥ २५॥ ॥ श्येनः। न। योनिं। सदनं। धिया। कृतं। हिरण्ययं। आऽसदं। देवः। आ। ईषति। आ। ईं। मिमंति। रश्मनाति। बर्हिषि। प्रियं। प्रियं। गिरा। अश्वः। न। देवान्। अपि। एति। यज्ञियः। परा। विऽअक्तः। अरुषः। दिवः। कविः। वृषा। त्रिऽपृष्ठः। अनविष्ट। गाः। अभि। सहस्रऽनीतिः। यतिः। पराऽयतिः। रेभः। न। पूर्वीः। उषसः। वि। राजति। त्वेषं। रूपं। कृणुते। वर्णः। अस्य। सः। यत्र। अशयत्। संऽकृता। सेधति। स्रिधः। अप्साः। याति। स्वधया। दैव्यं। जनं। सं। सुऽस्तुती। नसति। सं। गोऽअग्रया। उक्षाऽइव। यूथा। परिऽयन्। अरावीत्। अधि। त्विषीः। अधित। सूर्यस्य। दिव्यः। सुऽपर्णः। अव। चक्षत। क्षां। सोमः। परि। क्रतुना। पश्यते। जाः॥ २६॥ ॥ हरिं। मृजंति। अरुषः। न। युज्यते। सं। धेनुऽभिः। कलशे। सोमः। अज्यते। उत्। वाचं। ईरयति। हिन्वते। मती। पुरुऽस्तुतस्य। कति। चित्। परि।

प्रियः। साकं। वदंति। बहवः। मनीषिणः। इंद्रस्य। सोमं। जठरे। यत्। आऽदुहुः। यदि।
मृजंति। सुऽगभस्तयः। नरः। सऽनीळाभिः। दशऽभिः। काम्यं। मधु। अरममाणः। अ
ति। एति। गाः। अभि। सूर्यस्य। प्रियां। दुहितुः। तिरः। रवं। अनु। अस्मै। जोषं। अभरत्।
विनंऽगृसः। सं। कुयीभिः। स्वसृऽभिः। क्षेति। जामिऽभिः। नृऽधूतः। अद्रिऽसुतः। बर्हि
षि। प्रियः। पतिः। गवां। प्रऽदिवः। इंदुः। ऋत्वियः। पुरंधिऽवान्। मनुषः। यज्ञऽसाधनः।
शुचिः। धिया। पवते। सोमः। इंद्र। ते। नृबाहुऽभ्यां। चोदितः। धारया। सुतः। अनुऽस्वधं।
पवते। सोमः। इंद्र। ते। आ। अप्राः। क्रतून्। सं। अजैः। अध्वरे। मतीः। वेः। न। द्रुऽसत्।
चम्वोः। आ। असदत्। हरिः॥ २७ ॥ ॥ अंशुं। दुहंति। स्तनयंतं। अक्षितं। कविं। क
वयः। अपसः। मनीषिणः। सं। ईं। इति। गावः। मतयः। यंति। संऽयतः। ऋतस्य। यो
ना। सदने। पुनःऽभुवः। नाभा। पृथिव्याः। धरुणः। महः। दिवः। अपां। ऊर्मौ। सिंधुषु।

प॰ स॰ २ ॥१८॥

अंतः। अक्षितः। इंद्रस्य। वज्रः। वृषभः। विभुऽवसुः। सोमः। हृदे। पवते। चारु। मत्सरः।
सः। तु। पवस्व। परि। पार्थिवं। रजः। स्तोत्रे। शिक्षन्। आऽधून्वते। च। सुक्रतो इति सुऽक्रतो
। मा। नः। निः। भाक्। वसुनः। सदनऽस्पृशः। रयिं। पिशंगं। बहुलं। वसीमहि। आ। तु। नः।
इंद्रो इति। शतऽदातु। अश्व्यं। सहस्रऽदातु। पशुऽमत्। हिरण्यऽवत्। उप। मास्व। बृहतीः
। रेवतीः। इषः। अधि। स्तोत्रस्य। पवमान। नः। गहि। ॥ २८ ॥ ॥ स्रक्वे। द्रप्सस्य। धमतः। सं।
अस्वरन्। ऋतस्य। योना। सं। अरंत। नाभयः। त्रीन्। सः। मूर्ध्नः। असुरः। चक्रे। आऽ
रभे। सत्यस्य। नावः। सुऽकृतं। अपीपरन्। सम्यक्। सम्यंचः। महिषाः। अहेषत। सिं
धोः। ऊर्मौ। अधि। वेनाः। अवीविपन्। मधोः। धाराभिः। जनयंतः। अर्कं। इत्। प्रियां।
इंद्रस्य। तन्वं। अवीवृधन्। पवित्रऽवंतः। परि। वाचं। आसते। पिता। एषां। प्रत्नः। अभि
। रक्षति। व्रतं। महः। समुद्रं। वरुणः। तिरः। दधे। धीराः। इत्। शेकुः। धरुणेषु। आऽरभं।

एम ॥१९॥

सहस्रऽधारे। अवाति। सं। अस्वरन्। दिवः। नाके। मधुऽजिह्वाः। असश्चतः। अस्य। स्प

शः। न। नि। मिषंति। भूर्णयः। पदेऽपदे। पाशिनः। संति। सेतवः। पितुः। मातुः। अधि। आ।

ये। संऽअस्वरन्। ऋचा। शोचंतः। संऽदहंतः। अव्रतान्। इंद्रऽद्विष्टां। अप। धमंति। माय

या। त्वचं। असिक्नीं। भूमनः। दिवः। परि॥ २२॥ ॥प्रत्नात्। मानात्। अधि। आ। श्लोकऽयंत्रासः।

रभसस्य। मंतवः। अप। अनक्षासः। बधिराः। अहासत। ऋतस्य। पंथां। न। तरंति। दुःऽकृ

तः। सहस्रऽधारे। विऽतते। पवित्रे। आ। वाचं। पुनंति। कवयः। मनीषिणः। रुद्रासः। ए

षां। इषिरासः। अद्रुहः। स्पशः। सुऽअंचः। सुऽदृशः। नृऽचक्षसः। ऋतस्य। गोपाः। न। द

भाय। सुऽक्रतुः। त्री। सः। पवित्रा। हृदि। अंतः। आ। दधे। विद्वान्। सः। विश्वा। भुवना।

अभि। पश्यति। अव। अजुष्टान्। विध्यति। कर्ते। अव्रतान्। ऋतस्य। तंतुः। विऽततः। प

वित्रे। आ। जिह्वायाः। अग्रे। वरुणस्य। मायया। धीराः। चित्। तत्। संऽइनक्षंतः। आशत।

अध्यायेसम स्वरन्

प-स-२
॥१२५॥

अत्र। कर्त्तं। अव। पद्याति। अप्रऽभुः॥ ३० ॥ ॥शिशुः। न। जातः। अव। चक्रदत्। वने।
स्वः। यत्। वाजी। अरुषः। सिसासति। दिवः। रेतसा। सचते। पयःऽवृधा। तं। ईमहे। सुऽ
मती। शर्म। सऽप्रथः॥ दिवः। यः। स्कंभः। धरुणः। सुऽआततः। आऽपूर्णः। अंशुः। परिऽ
एति। विश्वतः। सः। इमेइति। महीइति। रोदसीइति। यक्षत्। आऽवृतो। समीचीनेइति
संऽईचीने। दाधार। सं। इषः। कविः। महि। प्सरः। सुऽकृतं। सोम्यं। मधु। उर्वी। गव्यूतिः। अ
दितेः। ऋतं। यते॥ इरा। यः। वृष्टेः। इतः। उस्रियः। वृषा। अपां। नेता। यः। इतःऽऊतिः। ऋ
ग्मियः। आत्मन्ऽवत्। नभः। दुह्यते। घृतं। पयः। ऋतस्य। नाभिः। अमृतं। वि। जायते॥ संऽ
ईचीनाः। सुऽदानवः। प्रीणंति। तं। नरः। हितं। अव। मेहंति। पेरवः॥ अरावीत्। अंशुः। स
चमानः। ऊर्मिणा। देवऽअव्यं। मनुषे। पिन्वति। त्वचं। दधाति। गर्भं। अदितेः। उपऽस्थे
। आ। येन। तोकं। च। तनयं। च। धामहे॥ ३१ ॥ ॥सहस्रऽधारे। अव। ताः। असश्चतः। तृ

राम
॥१२॥

तीये। संतु। रजांसि। प्रजाऽवतीः। चतस्रः। नाभः। निऽहिताः। अवः। दिवः। हविः। भरंति।
अमृतं। घृतऽश्चुतः। श्वेतं। रूपं। कृणुते। यत्। सिसासति। सोमः। मीढ्वान्। असुरः। वेद। भू
मनः। धिया। शमी। सचते। सः। ईं। अभि। प्रऽवत्। दिवः। कवंधं। अव। दर्षत्। उद्रिणं। ०। का
क्ष्मन्। आ। वाजी। अक्रमीत्। ससऽवान्। आ। हिन्विरे। मनसा। देवऽयंतः। कक्षीवते। श
तऽहिमाय। गोनां। अत्ऽभिः। सोम। पपृचानस्य। ते। रसः। अव्यः। वारं। वि। पवमान। धा
वति। सः। मृज्यमानः। कविऽभिः। मदिन्ऽतम। स्वदस्व। इंद्राय। पवमान। पीतये॥ ३२॥
॥ ॥ अभि। प्रियाणि। पवते। चनःऽहितः। नामानि। यह्वः। अधि। येषु। वर्धते। आ। सू
र्यस्य। बृहतः। बृहन्। अधि। रथं। विष्वंचं। अरुहत्। विऽचक्षणः। ऋतस्य। जिह्वा। प
वते। मधु। प्रियं। वक्ता। पतिः। धियः। अस्याः। अदाभ्यः। दधाति। पुत्रः। पित्रोः।
अपीच्यं। नाम। तृतीयं। अधि। रोचने। दिवः। अव। द्युतानः। कलशान्। अचिक्रदत्।

अभीमृनस्यैदोहना अनूषुता

व॰स॰२ ॥२०॥

नृऽभिः। येमानः। कोशे। आ। हिरण्यये। ० । अधि। त्रिऽपृष्ठः। उषसः। वि। राजति। अद्रिऽभिः। सुतः। मतिऽभिः। चनःऽहितः। प्रऽरोचयन्। रोदसीइति। मातरा। शुचिः। रोमाणि। अव्या। समया। वि। धावति। मधोः। धारा। पिन्वमाना। दिवेऽदिवे। परि। सोम। प्र। धन्व। स्वस्तये। नृऽभिः। पुनानः। अभि। वासय। आऽशिरीये। ते। मदाः। आहनसः। विऽहायसः। तेभिः। इंद्रं। चोदय। दातवे। मघं ॥ २२ ॥ ॥इतिसप्तमाष्टके द्वितीयोऽध्यायः॥

॥ॐ॥ ॥धर्त्ता। दिवः। पवते। कृत्व्यः। रसः। दक्षः। देवानां। अनुऽमाद्यः। नृऽभिः। हरिः। सृजानः। अत्यः। न। सत्वऽभिः। वृथा। पाजांसि। कृणुते। नदीषु। आ। शूरः। न। धत्ते। आयुधा। गभस्त्योः। स्वः। सनिता। इति स्वः। सिसासन्। रथिरः। गोऽइष्टिषु। इंद्रस्य। शुष्मं। ईरयन्। अपस्युऽभिः। इंदुः। हिन्वानः। अज्यते। मनीषिऽभिः। इंद्रं। सोम। पवमानः। ऊर्मिणा। तविष्यमाणः। जठरेषु। आ। विश। प्र। नः। पिन्व। विऽद्युत्। अभ्राऽइव। रोदसी

राम

स्य २०॥

द्रुति। धिया। न। वाजान्। उप। मासि। शश्वतः। विश्वस्य। राजा। पवते। स्वःऽदृशः। ऋतस्य।
धीतिं। ऋषिषाट्। अवीवशत्। यः। सूर्यस्य। असिरेण। मृज्यते। पिता। मतीनां। असमष्टऽकाव्यः।
वृषाऽइव। यूथा। परि। कोशं। अर्षसि। अपां। उपऽस्थे। वृषभः। कनिक्रदत्। सः। इंद्राय। पव
से। मत्सरिन्ऽतमः। यथा। जेषाम। संऽइथे। त्वाऽऊतयः॥ १॥ ॥एषः। प्र। कोशे। मधुऽमान्।
अचिक्रदत्। इंद्रस्य। वज्रः। वपुषः। वपुःऽतरः। अभि। ईं। ऋतस्य। सुऽदुघाः। घृतऽश्चुतः। वा
श्राः। अर्षंति। पयसाऽइव। धेनवः। सः। पूर्व्यः। पवते। यं। दिवः। परि। श्येनः। मथायत्। इषितः।
तिरः। रजः। सः। मध्वः। आ। युवते। वेविजानः। इत्। कृशानोः। अस्तुः। मनसा। अह। बिभ्यु
षा। ते। नः। पूर्वासः। उपरासः। इंदवः। महे। वाजाय। धन्वंतु। गोऽमते। ईक्षेण्यासः। अह्यः
न। चारवः। ब्रह्मऽब्रह्म। ये। जुजुषुः। हविःऽहविः। अयं। नः। विद्वान्। वनवत्। वनुष्यतः। इं
दुः। सत्राचा। मनसा। पुरुऽस्तुतः। इनस्य। यः। सदने। गर्भं। आऽदधे। गवां। उरुब्जं। अभि।

प॰स॰३ ॥२१॥

अर्षति। व्रजं। चक्रिः। दिवः। पवते। कृत्व्यः। रसः। महान्। अदब्धः। वरुणः। हुरुक्। यते। असावि। मित्रः। वृजनेषु। यज्ञियः। अत्यः। न। यूथे। वृषऽयुः। कनिक्रदत्॥ २॥ ॥प्र। राजा। वाचं। जनयन्। असिस्यदत्। अपः। वसानः। अभि। गाः। इयक्षति। गृभ्णाति। रिप्रं। अविः। अस्य। तान्वा। शुद्धः। देवानां। उप। याति। निःऽकृतं। इंद्राय। सोम। परि। सिच्यसे। नृऽभिः। नृऽचक्षाः। ऊर्मिः। कविः। अज्यसे। वने। पूर्वीः। हि। ते। स्रुतयः। संति। यातवे। सहस्रं। अश्वाः। हरयः। चमूऽसदः। समुद्रियाः। अप्सरसः। मनीषिणं। आसीनाः। अंतः। अभि। सोमं। अक्षरन्। ताः। ईं। हिन्वंति। हर्म्यस्य। सक्षणिं। याचंते। सुम्नं। पवमानं। अक्षितं। गोऽजित्। नः। सोमः। रथऽजित्। हिरण्यऽजित्। स्वःऽजित्। अप्ऽजित्। पवते। सहस्रऽजित्। यं। देवासः। चक्रिरे। पीतये। मदं। स्वादिष्ठं। द्रप्सं। अरुणं। मयःऽभुवं। एतानि। सोम। पवमानः। अस्मऽयुः। सत्यानि। कृण्वन्। द्रविणानि। अर्षसि। जहि। शत्रुं। अंतिके। दूर

राम ॥२१॥

के। च। यः। उर्वशि। गव्यूतिं। अभयं। च। नः। कृधि॥ २॥ ॥अचोदसः। नः। धन्वंतु। इंदवः। प्र।
सुवानासः। बृहत्ऽदिवेषु। हरयः॥ वि। च। नशन्। नः। इषः। अरातयः। अर्यः। नशंत। सनि
षंत। नः। धियः॥ प्र। नः। धन्वंतु। इंदवः। मदऽच्युतः। धना। वा। येभिः। अर्वतः। जुनीमसि॥ ति
रः। मर्त्तस्य। कस्य। चित्। परिऽह्वृतिं। वयं। धनानि। विश्वधा। भरेमहि॥ उत। स्वस्याः। अरा
त्याः। अरिः। हि। सः। उत। अन्यस्याः। अरात्याः। वृकः। हि। सः॥ धन्वन्। न। तृष्णा। सं। अ
रीत। तान्। अभि। सोम। जहि॥ पवमान। दुःऽआध्यः॥ दिवि। ते। नाभा। परमः। यः। आऽद
दे। पृथिव्याः। ते। रुरुहुः। सानवि। क्षिपः॥ अद्रयः। त्वा। बप्सति। गोः। अधि। त्वचि। अप्ऽसु।
त्वा। हस्तैः। दुदुहुः। मनीषिणः॥ एव। ते। इंदो इति। सुऽभ्वं। सुऽपेशसं। रसं। तुंजंति।
प्रथमाः। अभिऽश्रियः॥ निदंऽनिदं। पवमान। नि। तारिषः। आविः। ते। शुष्मः। भवतु। प्रियः।
मदः॥ ५॥ ॥सोमस्य। धाराः। पवते। नृऽचक्षसः। ऋतेन। देवान्। हवते। दिवः। परि। बृ

९-स-२
।२२।

हस्पते॑ः। रथ॒येन॑। वि। दि॒द्युते॑। स॒मु॒द्रास॑ः। न। सव॑नानि। वि॒व्य॒चुः॑। यं। त्वा॒। वा॒जि॒न्। अ॒घ्न्याः॑
। अ॒भि। अ॒नू॒ष॒त। अयः॑ऽहतं। योनिं॑। आ। रो॒ह॒सि॒। द्यु॒ऽमान्। म॒घोनां॑। आयुः॑। प्र॒ऽति॒रन्। म॒
हि। श्रवः॑। इंद्रा॑य। सो॒म॒। प॒व॒से॒। वृषा॑। मदः॑। आ। इंद्र॑स्य। कु॒क्षा। प॒व॒ते॒। म॒दि॒न्ऽत॑मः। ऊ॒
र्जं। वसा॑नः। श्रव॑से। सु॒ऽमं॒ग॒लः। प्र॒त्य॒ङ्। सः। विश्वा॑। भुव॑ना। अ॒भि। प॒प्र॒थे॒। क्री॒ळन्। हरिः॑
। अत्यः॑। स्यं॒द॒ते॒। वृषा॑। तं। त्वा॒। दे॒वेभ्यः॑। म॒धु॒म॒त्ऽत॑मं। नरः॑। स॒ह॒स्र॒ऽधा॒रं। दु॒ह॒ते॒। दश॑। क्षि॒
पः॑। नृऽभिः॑। सोम॑। प्र॒ऽच्यु॒तः॑। ग्राव॑ऽभिः। सु॒तः। विश्वा॑न्। दे॒वान्। आ। प॒व॒स्व॒। स॒ह॒स्र॒ऽ
जि॒त्। तं। त्वा॒। ह॒स्तिनः॑। मधु॑ऽमंतं। अद्रि॑ऽभिः। दु॒हंति॑। अ॒प्ऽसु। वृ॒ष॒भं। दश॑। क्षिपः॑। इंद्रं॑।
सोम॑। मा॒दय॑न्। दैव्यं॑। जनं॑। सिंधोः॑ऽइव। ऊ॒र्मिः। पव॑मानः। अ॒र्ष॒सि॒॥ ५ ॥ ॥ प्र। सोम॑स्य।
पव॑मानस्य। ऊ॒र्मयः॑। इंद्र॑स्य। यं॒ति॒। ज॒ठरं॑। सु॒ऽपेश॑सः। द॒ध्ना। यत्। ईं॒। उत्ऽनी॑ताः। य॒श॒
सा। गवां॑। दा॒नाय॑। शूर॑। उ॒त्ऽअमं॑दिषुः। सु॒ताः। अच्छ॑। हि॒। सोमः॑। क॒लशा॑न्। असि॑

राम
।२२।

स्वद्दस्पदत्।अत्यः।न।वोळ्हा।रघुऽवर्त्तनिः।वृषा।अथ।देवानां।उभयस्य।जन्मनः
।विद्वान्।अश्नोति।अमृतः।इतः।च।यत्।आ।नः।सोम।पवमानः।किर।वसु।इंदो
इति।भव।मघऽवा।राधसः।महः।शिक्ष।वयःऽधः।वसवे।सु।चेतुना।मा।नः।ग
यं।आरे।अस्मत्।परा।सिचः।आ।नः।पूषा।पवमानः।सुऽरातयः।मित्रः।गच्छंतु।
वरुणः।सऽजोषसः।बृहस्पतिः।मरुतः।वायुः।अश्विना।त्वष्टा।सविता।सुऽय
मा।सरस्वती।उभेइति।द्यावापृथिवीइति।विश्वमिन्वेइतिविश्वंऽइन्वे।अर्य
मा।देवः।अदितिः।विऽधाता।भगः।नृऽशंसः।उरु।अंतरिक्षं।विश्वे।देवाः।पवमा
नं।जुषंत॥६॥ ॥असावि।सोमः।अरुषः।वृषा।हरिः।राजाऽइव।दस्मः।अ
भि।गाः।अचिक्रदत्।पुनानः।वारं।परि।एति।अव्ययं।श्येनः।न।योनिं।घृतऽ
वंतं।आऽसदं।कविः।वेधस्या।परि।एषि।माहिनं।अत्यः।न।मृष्टः।अभि।वाजं

।अर्षसि।अपऽसेधन्।दुःऽइता।सोम।मृळय।घृतं।वसानः।परि।यासि।निःऽनि
जं।पर्जन्यः।पिता।महिषस्य।पर्णिनः।नाभा।पृथिव्याः।गिरिषु।क्षयं।दधे।स्वसा
रः।आपः।अभि।गाः।उत।असरन्।सं।ग्रावऽभिः।नसते।वीते।अध्वरे।जायाऽ
इव।पत्यौ।अधि।शेव।मंहसे।पज्रायाः।गर्भ।शृणुहि।ब्रवीमि।ते।अंतः।वाणी
षु।प्र।चर।सु।जीवसे।अनिंद्यः।वृजने।सोम।जागृहि।यथा।पूर्वेभ्यः।शतऽसाः।
अमृध्रः।सहस्रऽसाः।परिऽअयाः।वाजं।इंदोइति।एव।पवस्व।सुविताय।नव्यसे
।तव।व्रतं।अनु।आपः।स्रवंते॥ ७ ॥ ॥पवित्रं।ते।विऽततं।ब्रह्मणः।पते।प्रऽभुः
।गात्राणि।परि।एषि।विश्वतः।अतप्तऽतनूः।न।तत्।आमः।अश्नुते।शृतासः।
इत्।वहंतः।तत्।सं।आशत।तपोः।पवित्रं।विऽततं।दिवः।पदे।शोचंतः।अस्य।तंत
वः।वि।अस्थिरन्।अवंति।अस्य।पवितारं।आशवः।दिवः।पृष्ठं।अधि।तिष्ठंति।चे

तमसा। अस्रूरुचत्। उषसः। पृश्निः। अग्रियः। उक्षा। बिभर्ति। भुवनानि। वाजऽयुः। मायाऽविनः। ममिरे। अस्य। मायया। नृऽचक्षसः। पितरः। गर्भं। आ। दधुः। गंधर्वः। इत्था। पदं। अस्य। रक्षति। पाति। देवानां। जनिमानि। अद्भुतः। गृभ्णाति। रिपुं। निऽधया। निधाऽपतिः। सुकृत्ऽतमाः। मधुनः। भक्षं। आशत। हविः। हविष्मः। महि। सद्म। दैव्यं। नभः। वसानः। परि। यासि। अध्वरं। राजा। पवित्रऽरथः। वाजं। आ। अरुहः। सहस्रऽभृष्टिः। जयसि। श्रवः। बृहत्॥ ८ ॥ ॥ पवस्व। देवऽमादनः। विऽचर्षणिः। अप्साः। इंद्राय। वरुणाय। वायवे। कृधि। नः। अद्य। वरिवः। स्वस्तिऽमत्। उरुऽक्षितौ। गृणीहि। दैव्यं। जनं। आ। यः। तस्थौ। भुवनानि। अमर्त्यः। विश्वानि। सोमः। परि। तानि। अर्षति। कृण्वन्। संऽचृतं। विऽचृतं। अभिष्टये। इंदुः। सिसक्ति। उषसं। न। सूर्यः। आ। यः। गोभिः। सृज्यते। ओषधीषु। आ। देवानां। सुम्ने। इषयन्। उपऽ

प.स.३

।२४।।

वसुः।आ।वि॒ऽद्युता।पवते।धारया।सुतः।इंद्रं।सोमः।मादयन्।दैव्यं।जनं।एषः।
स्यः।सोमः।पवते।सहस्रऽजित।हिन्वानः।वाचं।इषिरां।उषःऽबुधं।इंदुः।समुद्रं।
उत्।इयर्त्ति।वायुऽभिः।आ।इंद्रस्य।हार्दि।कलशेषु।सीदति।अभि।त्यं।गावः।
पयसा।पयःऽवृधं।सोमं।श्रीणंति।मतिऽभिः।स्वःऽविदं।धनंऽजयः।पवते।कृत्व्यः
।रसः।विप्रः।कविः।काव्येन।स्वःऽचनाः।। २ ।। ।।इंद्राय।सोम।सुऽसुतः।परि।
स्रव।अप।अमीवा।भवतु।रक्षसा।सह।मा।ते।रसस्य।मत्सत।द्वयाविनः।द्र
विणस्वंतः।इह।संतु।इंदवः।अस्मान्।सऽमर्ये।पवमान।चोदय।दक्षः।देवानां।
असि।हि।प्रियः।मदः।जहि।शत्रून्।अभि।आ।भंदनाऽयतः।पिब।इंद्र।सो
मं।अव।नः।मृधः।जहि।अदब्धः।इंदो।इति।पवसे।मदिन्ऽतमः।आत्मा।इं
द्रस्य।भवसि।धासिः।उत्ऽतमः।अभि।स्वरंति।बहवः।मनीषिणः।राजानं।

राम

।।२४।।

अस्य। भुवनस्य। निंसते। सहस्रऽनीथः। शतऽधारः। अद्भुतः। इंद्राय। इंदुः। पव
ते। काम्यं। मधु। जयन्। क्षेत्रं। अभि। अर्ष। जयन्। अपः। उरु। नः। गातुं। कृणु। सो
म। मीढ्वः। कनिक्रदत्। कलशे। गोभिः। अज्यसे। वि। अव्ययं। समया। वारं। अ
र्षसि। मर्मृज्यमानः। अत्यः। न। सानसिः। इंद्रस्य। सोम। जठरे। सं। अक्षरः। स्वा
दुः। पवस्व। दिव्याय। जन्मने। स्वादुः। इंद्राय। सुहवीतुऽनाम्ने। स्वादुः। मित्राय।
वरुणाय। वायवे। बृहस्पतये। मधुऽमान्। अदाभ्यः॥ १०॥ ॥ अत्यं। मृजंति। क
लशे। दश। क्षिपः। प्र। विप्राणां। मतयः। वाचः। ईरते। पवमानाः। अभि। अर्षंति।
सुऽस्तुतिं। आ। इंद्रं। विशंति। मदिरासः। इंदवः। पवमानः। अभि। अर्ष। सुऽवीर्यं।
उर्वीं। गव्यूतिं। महि। शर्म। सऽप्रथः। माकिः। नः। अस्य। परिऽसूतिः। ईशत। इंदो इ
ति। जयेम। त्वया। धनंऽधनं। अधि। द्यां। अस्थात्। वृषभः। विऽचक्षणः। अरूरुचत्।

प॰ स॰ २
॥२५॥

वि। दिवः। रोचना। कविः। राजा। पवित्रं। अति। एति। रोरुवत्। दिवः। पीयूषं। दुहते
।नृऽचक्षसः। दिवः। नाके। मधुऽजिह्वाः। असश्चतः। वेनाः। दुहंति। उक्षणं। गिरिऽ
स्थां। अप्ऽसु। द्रप्सं। ववृधानं। समुद्रे। आ। सिंधोः। ऊर्मा। मधुऽमंतं। पवित्रे। आ।
नाके। सुऽपर्णं। उपपप्तिऽवांसं। गिरः। वेनानां। अकृपंत। पूर्वीः। शिशुं। रिहंति। म
तयः। पनिप्नतं। हिरण्ययं। शकुनं। क्षामणि। स्थां। ऊर्ध्वः। गंधर्वः। अधि। नाके।
अस्थात्। विश्वा। रूपा। प्रतिऽचक्षाणः। अस्य। भानुः। शुक्रेण। शोचिषा। वि। अद्यौ
त्। प्र। असृरुचत्। रोदसीइति। मातरा। शुचिः॥ ११॥ ॥प्र। ते। आशवः। पवमान।
धीऽजवः। मदाः। अर्षंति। रघुजाःऽइव। त्मना। दिव्याः। सुऽपर्णाः। मधुऽमंतः। इंदवः
। मदिन्ऽतमासः। परि। कोशं। आसते। प्र। ते। मदासः। मदिरासः। आशवः। असृक्ष
त। रथ्यासः। यथा। पृथक्। धेनुः। न। वत्सं। पयसा। अभि। वज्रिणं। इंद्रं। इंदवः। म

राम
॥२५

धुऽमंतः। ऊर्मयः। अत्यः। न। हियानाः। अभि। वाजं। अर्ष। स्वःऽवित्। कोशं। दिवः। अ
द्रिऽमातरं। वृषा। पवित्रे। अधि। सानौ। अव्यये। सोमः। पुनानः। इंद्रियाय। धाय
से। प्र। ते। आश्विनीः। पवमान। धीऽजुवः। दिव्याः। असृग्रन्। पयसा। धरीमणि
। प्र। अंतः। ऋषयः। स्थाविरीः। असृक्षत। ये। त्वा। मृजंति। ऋषिऽसान। वेधसः
। विश्वा। धामानि। विश्वऽचक्ष। ऋभ्वसः। प्रऽभोः। ते। सतः। परि। यंति। केतवः। वि
ऽआनशिः। पवसे। सोम। धर्मऽभिः। पतिः। विश्वस्य। भुवनस्य। राजसि॥ १२ ॥ । उ
भयतः। पवमानस्य। रश्मयः। ध्रुवस्य। सतः। परि। यंति। केतवः। यदि। पवित्रे। अ
धि। मृज्यते। हरिः। सत्ता। नि। योना। कलशेषु। सीदति। यज्ञस्य। केतुः। पवते। सुऽ
अध्वरः। सोमः। देवानां। उप। याति। निःऽकृतं। सहस्रऽधारः। परि। कोशं। अर्ष
ति। वृषा। पवित्रं। अति। एति। रोरुवत्। राजा। समुद्रं। नद्यः। वि। गाहते। अपां। ऊ

प॰ स॰ २
॥ ऱ्ही ॥

र्मि।सचते।सिंधुषु।श्रितः।अधि।अस्थात्।सानु।पवमानः।अव्ययं।नाभा।पृथिव्याः।धरुणः।महः।दिवः।दिवः।न।सानु।स्तनयन्।अचिक्रदत्।द्यौः।च।यस्य।पृथिवी।च।धर्मऽभिः।इंद्रस्य।सख्यं।पवते।विऽवेविदत्।सोमः।पुनानः।कलशेषु।सीदति।ज्योतिः।यज्ञस्य।पवते।मधु।प्रियं।पिता।देवानां।जनिता।विभुऽवसुः।दधाति।रत्नं।स्वधयोः।अपीच्यं।मदिन्ऽतमः।मत्सरः।इंद्रियः।रसः॥ १२ ॥ ॥अभिऽक्रंदन्।कलशं।वाजी।अर्षति।पतिः।दिवः।शतऽधारः।विऽचक्षणः।हरिः।मित्रस्य।सदनेषु।सीदति।मर्मृजानः।अविऽभिः।सिंधुऽभिः।वृषा।अग्रे।सिंधूनां।पवमानः।अर्षति।अग्रे।वाचः।अग्रियः।गोषु।गच्छति।अग्रे।वाजस्य।भजते।महाऽधनं।सुऽआयुधः।सोतृऽभिः।पूयते।वृषा।अयं।मतऽवान्।शकुनः।यथा।हितः।अव्ये।ससार।पवमानः।ऊर्मिणा।तव।क्रत्वा।रोदसीइति।अंतरा।कवे।शुचिः।धि

राम
॥ ऱ्ही ॥

या। पवते। सोमः। इंद्र। ते। द्रापिं। वसानः। यज्ञतः। दिविऽस्पृशं। अंतरिक्षऽप्राः। भुवने
षु। अर्पितः। स्वः। जज्ञानः। नभसा। अभि। अक्रमीत्। प्रत्नं। अस्य। पितरं। आ। विवासति
। सः। अस्य। विशे। महि। शर्म। यच्छति। यः। अस्य। धाम। प्रथमं। विऽआनशे। पदं। मत्
अस्य। परमे। विऽओमनि। अतः। विश्वाः। अभि। सं। याति। संऽयतः॥ १४ ॥ ॥ प्रो इति।
अयासीत्। इंदुः। इंद्रस्य। निःऽकृतं। सखा। सख्युः। न। प्र। मिनाति। संऽगिरं। मर्यःऽइव।
युवतिऽभिः। सं। अर्षति। सोमः। कलशे। शतऽयाम्ना। पथा। प्र। वः। धियः। मंद्रऽयुवः। वि
पन्युवः। पनस्युवः। संऽवसनेषु। अक्रमुः। सोमं। मनीषाः। अभि। अनूषत। स्तुभः।
अभि। धेनवः। पयसा। ईं। अशिश्रयुः। आ। नः। सोम। संऽयतं। पिप्युषीं। इषं। इंदो इति
। पवस्व। पवमानः। अस्रिधं। या। नः। दोहते। त्रिः। अहन्। असश्चुषी। क्षुऽमत्। वाजऽव
त्। मधुऽमत्। सुऽवीर्यं। वृषा। मतीनां। पवते। विऽचक्षणः। सोमः। अह्नः। प्रऽतरीता। उ

प॰ स॰ ३
॥२७॥

घसः। दिवः। काष्ठा। सिंधूनां। कलशान्। अवीवशत्। इंद्रस्य। हार्दि। आऽविशन्। मनीषिऽभिः। मनीषिऽभिः। पवते। पूर्व्यः। कविः। नृऽभिः। यतः। परि। कोशान्। अचिक्रदत्। त्रितस्य। नाम। जनयन्। मधु। क्षरत्। इंद्रस्य। वायोः। सख्याय। कर्त्तवे॥२५॥ ॥
अयं। पुनानः। उषसः। वि। रोचयत्। अयं। सिंधुऽभ्यः। अभवत्। ऊं इति। लोकऽकृत्। अयं। त्रिः। सप्त। दुदुहानः। आऽशिरं। सोमः। हृदे। पवते। चारु। मत्सरः। पवस्व। सोम। दिव्येषु। धामऽसु। सृजानः। इंदो इति। कलशे। पवित्रे। आ। सीदन्। इंद्रस्य। जठरे। कनिक्रदत्। नृऽभिः। यतः। सूर्यं। आ। अरोहयः। दिवि। अद्रिऽभिः। सुतः। पवसे। पवित्रे। आ। इंदो इति। इंद्रस्य। जठरेषु। आऽविशन्। त्वां। नृऽचक्षाः। अभवः। विऽचक्षण। सोम। गोत्रं। अंगिरःऽभ्यः। अवृणोः। अप। त्वां। सोम। पवमानं। सुऽआध्यः। अनु। विप्रासः। अमदन्। अवस्यवः। त्वां। सुऽपर्णः। आ। अभरत्। दिवः। परि। इंदो इति। विश्वा

सम
॥२॥

भिः । मतिऽभिः । परिऽकृतं । अव्ये । पुनानं । परि । वारे । ऊर्म्मिणा । हरिं । नवंते । अभि ।
सप्त । धेनवः । अपां । उपऽस्थे । अधि । आयवः । कविं । ऋतस्य । योना । महिषाः । अहेष
त ॥ २६ ॥ ॥ इंदुः । पुनानः । अति । गाहते । मृधः । विश्वानि । कृण्वन् । सुऽपथानि । यज्य
वे । गाः । कृण्वानः । निःऽनिर्जं । हर्यतः । कविः । अत्यः । न । क्रीळन् । परि । वारं । अर्षति । अ
सश्चतः । शतऽधाराः । अभिऽश्रियः । हरिं । नवंते । अव । ताः । उदन्युवः । क्षिपः । मृजं
ति । परि । गोभिः । आऽवृतं । तृतीये । पृष्ठे । अधि । रोचने । दिवः । तव । इमाः । प्रऽजाः ।
दिव्यस्य । रेतसः । त्वं । विश्वस्य । भुवनस्य । राजसि । अथ । इदं । विश्वं । पवमान । ते । व
शे । त्वं । इंदो इति । प्रथमः । धामऽधाः । असि । त्वं । समुद्रः । असि । विश्वऽवित् । कवे ।
तव । इमाः । पंच । प्रऽदिशः । विऽधर्मणि । त्वं । द्यां । च । पृथिवीं । च । अति । जभ्रिषे । तव ।
ज्योतीषि । पवमान । सूर्यः । त्वं । पवित्रे । रजसः । विऽधर्मणि । देवेभ्यः । सोम । पवमान ।

प॰स॰२
॥२८॥

पूयसे। त्वां। उशिजः। प्रथमाः। अगृभ्णात। तुभ्य। इमा। विश्वा। भुवनानि। येमिरे॥
॥१७॥ ॥प्र। रेभः। एति। अति। वारं। अव्ययं। वृषा। वनेषु। अव। चक्रदत्। हरिः। सं।
धीतयः। वावशानाः। अनूषत। शिशुं। रिहंति। मतयः। पनिप्नतं। सः। सूर्यस्य। रश्मिऽ
भिः। परि। व्यत। तंतुं। तन्वानः। त्रिऽवृतं। यथा। विदे। नयन्। ऋतस्य। प्रऽशिषः। न
वीयसीः। पतिः। जनीनां। उप। याति। निःऽकृतं। राजा। सिंधूनां। पवते। पतिः। दिवः। ऋ
तस्य। याति। पथिऽभिः। कनिक्रदत्। सहस्रऽधारः। परि। सिच्यते। हरिः। पुनानः
। वाचं। जनयन्। उपऽवसुः। पवमान। महि। अर्णः। वि। धावसि। सूरः। न। चित्रः।
अव्ययानि। पव्यया। गभस्तिऽपूतः। नृऽभिः। अद्रिऽभिः। सुतः। महे। वाजाय। धन्या
य। धन्वसि। इषं। ऊर्जं। पवमान। अभि। अर्षसि। श्येनः। न। वंसु। कलशेषु। सीद
सि। इंद्राय। मद्वा। मद्यः। मदः। सुतः। दिवः। विष्टंभः। उपऽमः। विऽचक्षणः॥ १८॥

राम
॥२८॥

॥ ॥ सप्त। स्वसारः। अभि। मातरः। शिशुं। नवं। जज्ञानं। जेन्यं। विपःऽचितं। अपां। गं
धर्वं। दिव्यं। नृऽचक्षसं। सोमं। विश्वस्य। भुवनस्य। राजसे। ईशानः। इमा। भुवनानि। वि
ईयसे। युजानः। इंदो इति। हरितः। सुऽपर्ण्यः। ताः। ते। क्षरंतु। मधुऽमत्। घृतं। पयः
तव। व्रते। सोम। तिष्ठंतु। कृष्टयः। त्वं। नृऽचक्षाः। असि। सोम। विश्वतः। पवमान। वृ
षभ। ता। वि। धावसि। सः। नः। पवस्व। वसुऽमत्। हिरण्यऽवत्। वयं। स्याम। भुवनेषु।
जीवसे। गोऽवित्। पवस्व। वसुऽवित्। हिरण्यऽवित्। रेतःऽधाः। इंदो इति। भुवनेषु। अ
र्पितः। त्वं। सुऽवीरः। असि। सोम। विश्वऽवित्। तं। त्वा। विप्राः। उप। गिरा। इमे। आसते।
उत्। मध्वः। ऊर्मिः। वननाः। अतिष्ठिपत्। अपः। वसानः। महिषः। वि। गाहते। राजा
पवित्रऽरथः। वाजं। आ। अरुहत्। सहस्रऽभृष्टिः। जयति। श्रवः। बृहत्॥ १८॥
॥ ॥ सः। भंदनाः। उत्। इयर्ति। प्रजाऽवतीः। विश्वऽआयुः। विश्वाः। सुऽभराः। अहःऽ

प॰स॰२
॥२८

द्विवि। ब्रह्म। प्रजाऽवत्। रयिं। अश्वऽपस्त्यं। पीतः। इंद्रोऽइति। इंद्रं। अस्मभ्यं। याच
ताताऽसः। अग्रे। अक्ता। हरिः। हर्यतः। मदः। प्र। चेतसा। चेतयते। अनु। द्युऽभिः। द्वा। ज
ना। यातयन्। अंतः। ईयते। नराशंसं। च। दैव्यं। च। धर्त्तरि। अंजते। वि। अंजते। सं। अंजते
। क्रतुं। रिहंति। मधुना। अभि। अंजते। सिंधोः। उत्ऽश्वासे। पतयंतं। उक्षणं। हिरण्यऽपा
वाः। पशुं। आसु। गृभ्णते। विपःऽचिते। पवमानाय। गायत। मही। न। धारा। अति। अंधः।
अर्षति। अहिः। न। जूर्णां। अति। सर्पति। त्वचं। अत्यः। न। क्रीळन्। असरत्। वृषा। हरिः।
अग्रेऽगः। राजा। अप्यः। तविष्यते। विऽमानः। अह्नां। भुवनेषु। अर्पितः। हरिः। घृतऽस्नुः।
सुऽदृशीकः। अर्णवः। ज्योतिःऽरथः। पवते। राये। ओक्यः॥ २०॥ ॥असर्जि। स्कंभः।
दिवः। उत्ऽयतः। मदः। परि। त्रिऽधातुः। भुवनानि। अर्षति। अंशुं। रिहंति। मतयः। पनि
प्नतं। गिरा। यदि। निःऽनिजं। ऋग्मिणः। ययुः। प्राते। धाराः। अति। अण्वानि। मेष्यः। पुना

राम
।२८

नस्य। संऽयतः। यंति। रंहयः। यत्। गोभिः। इंदोइति। चम्वोः। संऽअज्यसे। आ। सु वा
नः। सोम। कलशेषु। सीदसि। पवस्व। सोम। क्रतुऽवित्। नः। उक्थ्यः। अव्यः। वारे।
परि। धाव। मधु। प्रियं। जहि। विश्वान्। रक्षसः। इंदोइति। अत्रिणः। ०॥ २१ ॥ ॥प्र। बृहद्देम०
तु। द्रव। परि। कोशं। नि। सीद। नृऽभिः। पुनानः। अभि। वाजं। अर्ष। अश्वं। न। त्वा। वा
जिनं। मर्जयंतः। अच्छ। बर्हिः। रशनाभिः। नयंति। सुऽआयुधः। पवते। देवः। इंदुः। अ
शस्तिऽहा। वृजनं। रक्षमाणः। पिता। देवानां। जनिता। सुऽदक्षः। विष्टंभः। दिवः। ध
रुणः। पृथिव्याः। ऋषिः। विप्रः। पुरःऽएता। जनानां। ऋभुः। धीरः। उशना। काव्ये
न। सः। चित्। विवेद। निऽहितं। यत्। आसां। अपीच्यं। गुह्यं। नाम। गोनां। एषः। स्यः।
ते। मधुऽमान्। इंद्र। सोमः। वृषा। वृष्णे। परि। पवित्रे। अक्षारिति। सहस्रऽसाः। शतऽ
साः। भूरिऽदावा। शश्वत्ऽतमं। बर्हिः। आ। वाजी। अस्थात्। एते। सोमाः। अभि। गव्या

प॰ स॰ २
॥३१॥

।सहस्रा।महे।वाजाय।अमृताय।श्रवांसि।पवित्रेभिः।पवमानाः।असृग्रन्।श्रव
स्यवः।न।पृतनाजः।अत्याः॥२२॥ ॥परि।हि।स्म।पुरुऽहूतः।जनानां।विश्वा।अ
सरत्।भोजना।पूयमानः।अथ।आ।भर।श्येनऽभृत।प्रयांसि।रयिं।तुंजानः।अभि
।वाजं।अर्ष।एषः।सुवानः।परि।सोमः।पवित्रे।सर्गः।न।सृष्टः।अदधावत्।अर्वा।
तिग्मेइति।शिशानः।महिषः।न।शृंगेइति।गाः।गव्यन्।अभि।शूरः।न।सत्वा।ए
षा।आ।ययौ।परमात्।अंतः।अद्रेः।कूऽचित्।सतीः।ऊर्वे।गाः।विवेद।दिवः।न
।विऽद्युत्।स्तनयंती।अभ्रैः।सोमस्य।ते।पवते।इंद्र।धारा।उत।स्म।राशिं।परि।
यासि।गोनां।इंद्रेण।सोम।सऽरथं।पुनानः।पूर्वीः।इषः।बृहतीः।जीरदानो
इतिजीरऽदानो।शिक्ष।शचीऽवः।तव।ताः।उपऽस्तुत्॥२३॥ ॥०।तुभ्यं।पव
ते।त्वं।अस्य।पाहि।त्वं।ह।यं।चकृषे।त्वं।ववृषे।इंदुं।मदाय।युज्याय।सोमं।

राम
॥३१॥

अयं सोमं इंद्र तुभ्यं सुन्वे

सः। ईं। रथः। न। भुरिषाट्। अयोजि। महः। पुरूणि। सातये। वसूनि। आत्। ईं। विश्वा।
नहुष्याणि। जाता। स्वःऽसाता। वने। ऊर्ध्वा। नवंत। वायुः। न। नियुत्वान्। इष्टऽया
मा। नासत्याऽइव। हवे। आ। शंऽभविष्ठः। विश्वऽवारः। द्रविणोदाःऽइव। त्मन्। पू
षाऽइव। धीऽजवनः। असि। सोम। इंद्रः। न। यः। महा। कर्माणि। चक्रिः। हंता। वृत्राणां
। असि। सोम। पूःऽभित्। पैद्वः। न। अहिं। त्वं। अहिऽनाम्नां। हंता। विश्वस्य। असि। सो
म। दस्योः। अग्निः। न। यः। वने। आ। सृज्यमानः। वृथा। पाजांसि। कृणुते। नदीषु।
जनः। न। युध्वा। महतः। उपब्दिः। इयर्ति। सोमः। पवमानः। ऊर्मिं। एते। सोमाः।
अति। वाराणि। अव्या। दिव्याः। न। कोशासः। अभ्रऽवर्षाः। वृथा। समुद्रं। सिंधवः
। न। नीचीः। सुतासः। अभि। कलशान्। असृग्रन्। शुष्मी। शर्धः। न। मारुतं। पवस्व।
अनभिऽशस्ता। दिव्या। यथा। विट्। आपः। न। मक्षु। सुऽमतिः। भव। नः। सहस्रऽ

मः।

प॰ स॰ ३

॥३१॥

अश्वाः। पृतनाषाट्। न। यज्ञः॥ ०॥ २४॥ ॥ प्रो इति। स्यः। वह्निः। पथ्याभिः। अस्यान्। दिवः। न। वृष्टिः। पवमानः। अक्षारिति। सहस्रऽधारः। असदत्। नि। अस्मे इति। मातुः। उपऽस्थे। वने। आ। च। सोमः॥ राजा। सिंधूनां। अवसिष्ट। वासः। ऋतस्य। नावं। आ। अरुहत्। रजिष्ठां। अप्ऽसु। द्रप्सः। ववृधे। श्येनऽजूतः। दुहे। ईं। पिता। दुहे। ईं। पितुः। जां॥ सिंहं। नसंत। मध्वः। अयासं। हरिं। अरुषं। दिवः। अस्य। पतिं। शूरः। युत्ऽसु। प्रथमः। पृच्छते। गाः। अस्य। चक्षसा। परि। पाति। उक्षा॥ मधुऽपृष्ठं। घोरं। अयासं। अश्वं। रथे। युंजंति। उरुऽचक्रे। ऋष्वं। स्वसारः। ईं। जामयः। मर्जयंति। सऽनाभयः। वाजिनं। ऊर्जयंति। चतस्रः। ईं। घृतऽदुहः। सचंते। समाने। अंतः। धरुणे। निऽसत्ताः। ताः। ईं। अर्षंति। नमसा। पुनानाः। ताः। ईं। विश्वतः। परि। संति। पूर्वीः॥ विष्टंभः। दिवः। धरुणः। पृथिव्याः। विश्वाः। उत। क्षितयः। हस्ते। अस्य। असत्। ते। उत्सः। गृणते। नियुत्वान्। मध्वः। अं

राम

॥३१॥

शुः। पवते। इंद्रियाय। वन्वन्। अवातः। अभि। देव ऽवीतिं। इंद्राय। सोम। वृत्र ऽहा। पव
स्व। शग्धि। महः। पुरु ऽचंद्रस्य। रायः। सुऽवीर्यस्य। पतयः। स्याम॥ २९॥ ॥प्र। हिन्वा
नः। जनिता। रोदस्योः। रथः। न। वाजं। सनिष्यन्। अयासीत्। इंद्रं। गच्छन्। आयुधा। सं ऽ
शिशानः। विश्वा। वसु। हस्तयोः। आऽदधानः। अभि। त्रि ऽपृष्ठं। वृषणं। वयः ऽधां। आं
गूषाणां। अवावशंत। वाणीः। वना। वसानः। वरुणः। न। सिंधून्। वि। रत्नऽधाः। दयते। वा
र्याणि। शूर ऽग्रामः। सर्व ऽवीरः। सहावान्। जेता। पवस्व। सनिता। धनानि। तिग्म ऽआ
युधः। क्षिप्र ऽधन्वा। समत्ऽसु। अषाह्ळः। सह्वान्। पृतनासु। शत्रून्। उरु ऽगव्यूतिः। अ
भयानि। कृण्वन्। समीचीने इति सं ऽईचीने। आ। पवस्व। पुरंधी इति पुरं ऽधी। अपः। सिषा
सन्। उषसः। स्वः। गाः। सं। चिक्रदः। महः। अस्मभ्यं। वाजान्। मत्सि। सोम। वरुणं। मत्सि।
मित्रं। मत्सि। इंद्रं। इंदो इति। पवमान। विष्णुं। मत्सि। शर्धः। मारुतं। मत्सि। देवान्। मत्सि। म

प॰स॰२

॥२२॥

हा। इंद्रं। इंद्रोइति। मदाय। एव। राजाऽइव। क्रतुऽमान्। अमेन। विश्वा। घनिघ्नत्। दुःऽ
इता। पवस्व। इंद्रोइति। सुऽउक्ताय। वचसे। वयः। धाः। ०॥२६॥ ॥इतिसप्त
माष्टके तृतीयोऽध्यायः॥ ॥ॐ॥ ॥असर्जि। वक्वा। रथ्ये। यथा। आजौ। धि
या। मनोता। प्रथमः। मनीषी। दश। स्वसारः। अधि। सानौ। अव्ये। अजंति। वह्निं। सदनानि।
अच्छ। वीती। जनस्य। दिव्यस्य। कव्यैः। अधि। सुवानः। नहुष्येभिः। इंदुः। प्रा। यः।
नृऽभिः। अमृतः। मर्त्येभिः। मर्मृजानः। अविऽभिः। गोभिः। अत्ऽभिः। वृषा। वृषे। रोरु
वत्। अंशुः। अस्मै। पवमानः। रुशत्। ईर्त्ते। पयः। गोः। सहस्रं। ऋक्वा। पथिऽभिः। वचः
वित्। अध्वस्मऽभिः। सूरः। अण्वं। वि। याति। रुजत्। दृळ्हा। चित्। रक्षसः। सदांसि। पु
नानः। इंद्रोइति। ऊर्णुहि। वि। वाजान्। वृश्च। उपरिष्टात्। तुजता। वधेन। ये। अंति। दूरा
त्। उपऽनायं। एषां। सः। प्रत्नऽवत्। नव्यसे। विश्वऽवार। सुऽउक्ताय। पथः। कृणुहि।

यूयंपात०

राम

॥२२॥

प्राचः। ये। दुःऽसहासः। वनुषा। बृहंतः। तान्। ते। अश्याम। पुरुऽकृत। पुरुक्षोइति पुरुः

क्षो। एव। पुनानः। अपः। स्वः। गाः। अस्मभ्यं। तोका। तनयानि। भूरि। शं। नः। क्षेत्रं। उरु।

ज्योतींषि। सोम। ज्योक्। नः। सूर्यं। दृशये। रिरीहि ॥ १ ॥ ॥ परि। सुवानः। हरिः। अंशुः।

पवित्रे। रथः। न। सर्जि। सनये। हियानः। आपत्। श्लोकं। इंद्रियं। पूयमानः। प्रति। देवा

न्। अजुषत। प्रयःऽभिः। अच्छ। नृऽचक्षाः। असरत्। पवित्रे। नाम। दधानः। कविः। अ

स्य। योनौ। सीदन्। होताऽइव। सदने। चमूषु। उप। ईं। अग्मन्। ऋषयः। सप्त। विप्राः। प्र।

सुऽमेधाः। गातुऽवित्। विश्वऽदेवः। सोमः। पुनानः। सदः। एति। नित्यं। भुवत्। विश्वेषु।

काव्येषु। रंता। अनु। जनान्। यतते। पंच। धीरः। तव। ये। सोम। पवमान। निण्ये। विश्वे।

देवाः। त्रयः। एकादशासः। दश। स्वधाभिः। अधि। सानौ। अव्ये। मृजंति। त्वा। नद्यः। स

प्त। यह्वीः। तत्। नु। सत्यं। पवमानस्य। अस्तु। यत्र। विश्वे। कारवः। संऽनसंत। ज्योतिः।

यत्। अह्ने। अकृणोत्। ऊं इति। लोकं। प्र। आवत्। मनुं। दस्यवे। कः। अभीकं। परि। सद्मऽ
इव। पशुऽमंति। होता। राजा। न। सत्यः। संऽइतीः। इयानः। सोमः। पुनानः। कलशान्।
अयासीत्। सीदन्। मृगः। न। महिषः। वनेषु ॥२॥ ॥ साकंऽउक्षः। मर्जयंत। स्वसारः।
दश। धीरस्य। धीतयः। धनुत्रीः। हरिः। परि। अद्रवत्। जाः। सूर्यस्य। द्रोणं। ननक्षे। अत्यः।
न। वाजी। सं। मातृऽभिः। न। शिशुः। वावशानः। वृषा। दधन्वे। पुरुऽवारः। अत्ऽभिः।
मर्यः। न। योषां। अभि। निःऽकृतं। यन्। सं। गच्छते। कलशे। उस्रियाभिः। उत। प्र। पि
प्ये। ऊधः। अघ्न्यायाः। इंदुः। धाराभिः। सचते। सुऽमेधाः। मूर्धनं। गावः। पयसा। चमूषु।
अभि। श्रीणंति। वसुऽभिः। न। निक्तैः। सः। नः। देवेभिः। पवमान। रद। इंदो इति। रयिं।
अश्विनं। वावशानः। रथिरऽयतां। उशती। पुरंऽधिः। अस्मद्र्यक्। आ। दावने। वसूनां। नु।
नः। रयिं। उप। मास्व। नृऽवंतं। पुनानः। वाताप्यं। विश्वऽचंद्रं। प्र। वंदितुः। इंदो इति। ता

प्रातर्मक्षू धिया वसुर्जगम्यात्॥

रि।आयुः।७॥ ३ ॥ ॥अधि।यत्।अस्मिन्।वाजिनिऽइव।शुभः।स्पर्धंते।धियः।सूर्ये।
न।विशः।अपः।वृणानः।पवते।कविऽयन्।व्रजं।न।पशुऽवर्धनाय।मन्म॥द्विता॥विऽ
ऊर्ण्वन्।अमृतस्य।धाम।स्वःऽविदे।भुवनानि।प्रथंत।धियः।पिन्वानाः।स्वसरे।
न।गावः।ऋतऽयंतीः।अभि।वावश्रे।इंदुं।परि।यत्।कविः।काव्या।भरते।शूरः।न।
रथः।भुवनानि।विश्वा।देवेषु।यशः।मर्ताय।भूषन्।दक्षाय।रायः।पुरुऽभूषु।न
व्यः।श्रिये।जातः।श्रिये।आ।निः।इयाय।श्रियं।वयः।जरितृऽभ्यः।दधाति।श्रि
यं।वसानाः।अमृतऽत्वं।आयन्।भवंति।सत्या।संऽइथा।मितऽद्रौ।इषं।ऊर्जं।अभि
।अर्ष।अश्वं।गां।उरु।ज्योतिः।कृणुहि।मत्सि।देवान्।विश्वानि।हि।सुऽसहा।ता
नि।तुभ्यं।पवमान।बाधसे।सोम।शत्रून्॥ ४ ॥ ॥कनिक्रंति।हरिः।आ।सृज्यमा
नः।सीदन्।वनस्य।जठरे।पुनानः।नृऽभिः।यतः।कृणुते।निःऽनिजं।गाः।अतः।

इयर्ति वाचमरितेव नावं॥

प॰ स॰ ६ ॥३४॥

मती:।जनयत।स्वधाभि:।हरि:।सृजान:।पथ्यां।ऋतस्य।०।देव:।देवानां।गुह्यानि।नाम।आवि:।कृणोति।बर्हिषि।प्रऽवाचे।अपां ऽइव।इत्।ऊर्मय:।ततुरा(ण)ा:।प्र।मनीषा:।ईरते।सोमं।अच्छ।नमस्यंती:।उप।च।यंति।सं।च।आ।च।विशंति।उशती:।उशंतं।तं।मर्मृजानं।महिषं।न।सानौ।अंशुं।दुहंति।उक्षणं।गिरिऽस्थां।तं।वावशानं।मतय:।सचंते।त्रित:।बिभर्त्ति।वरुणं।समुद्रे।इष्यन्।वाचं।उपवक्ताऽइव।होतु:।पुनान:।इंद्रो इति।वि।स्य।मनीषां।इंद्र:।च।यत्।क्षयथ:।सोभगाय।सुऽवीर्यस्य।पतय:।स्याम॥५॥ ॥प्र।सेनाऽनी:।शूर:।अग्रे।रथानां।गव्यन्।एति।हर्षते।अस्य।सेना।भद्रान्।कृण्वन्।इंद्रऽहवान्।सखिऽभ्य:।आ।सोम:।वस्त्रा।रभसानि।दत्ते।सं।अस्य।हरिं।हरय:।मृजंति।अश्वऽहयै:।अनिऽशितं।नम:ऽभि:।आ।तिष्ठति।रथं।इंद्रस्य।सखा।विद्वान्।एन।सुऽमतिं।याति।अच्छ।स:।नु:।

हम ॥३४॥

देव।देवऽताते।पवस्व।महे।सोम।प्सरसे।इंद्रऽपानः।कृण्वन्।अपः।वर्षयन्।द्यां
।उत।इमां।उरोः।आ।नः।वरिवस्य।पुनानः।अजीतये।अहृतये।पवस्व।स्वस्त
ये।सर्वऽतातये।बृहते।तत्।उशंति।विश्वे।इमे।सखायः।तत्।अहं।वश्मि।प
वमान।सोम।सोमः।पवते।जनिता।मतीनां।जनिता।दिवः।जनिता।पृथिव्याः।ज
निता।अग्नेः।जनिता।सूर्यस्य।जनिता।इंद्रस्य।जनिता।उत।विष्णोः॥६॥ ॥
ब्रह्मा।देवानां।पदऽवीः।कवीनां।ऋषिः।विप्राणां।महिषः।मृगाणां।श्येनः।गृध्रा
णां।स्वऽधितिः।वनानां।सोमः।पवित्रं।अति।एति।रेभन्।प्र।अवीविपत्।वाचः।ऊ
र्मिं।न।सिंधुः।गिरः।सोमः।पवमानः।मनीषाः।अंतः।इति।पश्यन्।वृजना।इमा।अ
वराणि।आ।तिष्ठति।वृषभः।गोषु।जानन्।सः।मत्सरः।पृत्सु।वन्वन्।अवातः।सह
स्रऽरेताः।अभि।वाजं।अर्ष।इंद्राय।इंदो।इति।पवमानः।मनीषी।अंशोः।ऊर्मिं।ईरय।

प॰ स॰ ५

।३५॥

गाः। इषण्यन्। परि। प्रियः। कलशे। देवऽवातः। इंद्राय। सोमः। रण्यः। मदाय। सहस्रऽ
धारः। शतऽवाजः। इंदुः। वाजी। न। सप्तिः। समना। जिगाति। सः। पूर्व्यः। वसुऽवित्।
जायमानः। मृजानः। अप्ऽसु। दुदुहानः। अद्रौ। अभिशस्तिऽपाः। भुवनस्य। राजा
। विदत्। गातुं। ब्रह्मणे। पूयमानः॥ ७ ॥ ॥त्वया। हि। नः। पितरः। सोम। पूर्वे। कर्मा
णि। चक्रुः। पवमान। धीराः। वन्वन्। अवातः। परिऽधीन्। अप। ऊर्णु। वीरेभिः। अ
श्वैः। मघऽवा। भव। नः। यथा। अपवृथाः। मनवे। वयःऽधाः। अमित्रऽहा। वरिवःऽ
वित्। हविष्मान्। एव। पवस्व। द्रविणं। दधानः। इंद्रे। सं। तिष्ठ। जनय। आयुधानि।
पवस्व। सोम। मधुऽमान्। ऋतऽवा। अपः। वसानः। अधि। सानौ। अव्ये। अव। द्रोणा
नि। घृतऽवंति। सीद। मदिन्ऽतमः। मत्सरः। इंद्रऽपानः। वृष्टिं। दिवः। शतऽधारः। ।३५॥
पवस्व। सहस्रऽसाः। वाजऽयुः। देवऽवीतौ। सं। सिंधुऽभिः। कलशे। वावशानः। सं।

राम

उस्रियाभिः। प्रऽतिरन्। नः। आयुः। एषः। स्यः। सोमः। मतिऽभिः। पुनानः। अत्यः। न।
वाजी। तरति। इत्। अरातीः। पयः। न। दुग्धं। अदितेः। इषिरं। उरुऽइव। गातुः। सुऽय
मः। न। वोळ्हा। ८ ॥ ॥ सुऽआयुधः। सोतृऽभिः। पूयमानः। अभि। अर्ष। गुह्यं। चा
रु। नाम। अभि। वाजं। सप्तिःऽइव। श्रवस्या। अभि। वायुं। अभि। गाः। देव। सोम। शिशुं।
जज्ञानं। हर्यतं। मृजंति। शुंभंति। वह्निं। मरुतः। गणेन। कविः। गीःऽभिः। काव्येन।
कविः। सन्। सोमः। पवित्रं। अति। एति। रेभन्। ऋषिऽमनाः। यः। ऋषिऽकृत्। स्वःऽ
साः। सहस्रऽनीथः। पदऽवीः। कवीनां। तृतीयं। धाम। महिषः। सिसासन्। सोमः।
विऽराजं। अनु। राजति। स्तुप्। चमूऽसत्। श्येनः। शकुनः। विऽभृत्वा। गोऽविंदुः। द्र
प्सः। आयुधानि। बिभ्रत्। अपां। ऊर्मिं। सचमानः। समुद्रं। तुरीयं। धाम। महिषः। वि
वक्ति। मर्यः। न। शुभ्रः। तन्वं। मृजानः। अत्यः। न। सृत्वा। सनये। धनानां। वृषाऽइव।

प.स.४
।३६।

पृथा।परि।कोशं।अर्षन्।कनिक्रदत्।चम्वोः।आ।विवेश॥ ९॥ ॥पवस्व।इंदो इति।पवमानः।महःऽभिः।कनिक्रदत्।परि।वाराणि।अर्ष।क्रीळन्।चम्वोः।आ।विश।पूयमानः।इंद्रं।ते।रसः।मदिरः।ममत्तु॥ प्र।अस्य।धाराः।बृहतीः।असृग्रन्।अक्तः।गोभिः।कलशान्।आ।विवेश।साम।कृण्वन्।सामन्यः।विपःऽचित्।क्रंदन्।एति।अभि।सख्युः।न।जामिं॥ अपऽघ्नन्।एषि।पवमान।शत्रून्।प्रियां।न।जारः।अभिऽगीतः।इंदुः।सीदन्।वनेषु।शकुनः।न।पत्वा।सोमः।पुनानः।कलशेषु।सत्ता॥ आ।ते।रुचः।पवमानस्य।सोम।योषाऽइव।यंति।सुऽदुघाः।सुऽधाराः।हरिः।आऽनीतः।पुरुऽवारः।अप्ऽसु।अचिक्रदत्।कलशे।देवऽयूनां॥ १० ॥ ॥अस्य।प्रेषा।हेमना।पूयमानः।देवः।देवेभिः।सं।अपृक्त।रसं।सुतः।पवित्रं।परि।एति।रेभन्।मिताऽइव।सद्म।पशुऽमंति।होता॥ भद्रा।वस्त्रा।समन्या।वसानः।महान्।कविः।

राम
॥३६॥

यूयं०

निऽवचनानि। शंसन्। आ। वच्यस्व। चम्वोः। पूयमानः। विऽचक्षणः। जागृविः। देवऽ
वीतौ। सं। ॐ इति। प्रियः। मृज्यते। सानौ। अव्ये। यशः ऽतरः। यशसां। क्षैतः। अस्मेइ
ति। अभि। स्वर। धन्व। पूयमानः। ०। प्र। गायत। अभि। अर्चाम। देवान्। सोमं। हिनो
त। महते। धनाय। स्वादुः। पवाति। अति। वारं। अव्यं। आ। सीदाति। कलशं। देवऽयुः।
नः। इंदुः। देवानां। उप। सख्यं। आऽयन्। सहस्रऽधारः। पवते। मदाय। नृऽभिः। स्तवा
नः। अनु। धाम। पूर्वं। अगन्। इंद्रं। महते। सोभगाय॥ ११॥ ॥ स्तोत्रे। राये। हरिः। अ
र्ष। पुनानः। इंद्रं। मदः। गच्छतु। ते। भराय। देवेः। याहि। सऽरथं। राधः। अच्छ। ०। प्र। का
व्यं। उशनाऽइव। ब्रुवाणः। देवः। देवानां। जनिम। विवक्ति। महिऽव्रतः। शुचिऽबंधुः
। पावकः। पदा। वराहः। अभि। एति। रेभन्। प्र। हंसासः। तृपलं। मन्युं। अच्छ। अमात्
। अस्तं। वृषऽगणाः। अयासुः। आंगूष्यं। पवमानं। सखायः। दुःऽमर्षं। साकं। प्र। वदं

यूयं०

प॰ स॰ ४ ति। वापं। सः। रंहते। उरुऽगायस्य। जूतिं। वृथा। क्रीळंतं। मिमते। न। गावः। परीण
सं। कृणुते। तिग्मऽशृंगः। दिवा। हरिः। ददृशे। नक्तं। ऋज्रः। इंदुः। वाजी। पवते। गोऽ
॥३८॥ न्योघाः। इंद्रे। सोमः। सहः। इन्वन्। मदाय। हंति। रक्षः। बाधते। परि। अरातीः। वरिवः।
कृण्वन्। वृजनस्य। राजा॥ १२ ॥ ॥अध। धारया। मध्वा। पृचानः। तिरः। रोम। पवते। अ
द्रिऽदुग्धः। इंदुः। इंद्रस्य। सख्यं। जुषाणः। देवः। देवस्य। मत्सरः। मदाय। अभि। प्रिया
णि। पवते। पुनानः। देवः। देवान्। स्वेन। रसेन। पृंचन्। इंदुः। धर्माणि। ऋतुऽथा। वसा
नः। दश। क्षिपः। अव्यत। सानौ। अव्ये। वृषा। शोणः। अभिऽकनिक्रदत्। गाः। नदय
न्। एति। पृथिवीं। उत। द्यां। इंद्रस्यऽइव। वग्नुः। आ। शृण्वे। आजौ। प्रऽचेतयन्। अर्षति
। वाचं। आ। इमां। रसाय्यः। पयसा। पिन्वमानः। ईरयन्। एषि। मधुऽमंतं। अंशुं। पव
मानः। संऽतनिं। एषि। कृण्वन्। इंद्राय। सोम। परिऽसिच्यमानः। एव। पवस्व। मदि

राम
॥३८॥

रः। मदाय। उद्ऽग्राभस्य। नमयन्। वधऽस्नैः। परि। वर्णं। भरमाणः। रुशंतं। गव्युः।
नः। अर्ष। परि। सोम। सिक्तः॥ १३॥ ॥ जुष्टी। नः। इंदो इति। सुऽपथा। सुऽगानि। उरौ।
पवस्व। वरिवांसि। कृण्वन्। घनाऽइव। विष्वक्। दुःऽइतानि। विऽघ्नन्। अधि। स्नु
ना। धन्व। सानौ। अव्ये। वृष्टिं। नः। अर्ष। दिव्यां। जिगत्नुं। इळाऽवतीं। शंऽगयीं। जी
रऽदानुं। स्तुकाऽइव। वीता। धन्व। विऽचिन्वन्। बंधून्। इमान्। अवरान्। इंदो इति
। वायून्। ग्रंथिं। न। विऽस्य। ग्रथितं। पुनानः। ऋजुं। च। गातुं। वृजिनं। च। सोम। अत्यः
। न। क्रदः। हरिः। आ। सृजानः। मर्यः। देव। धन्व। पस्त्यऽवान्। जुष्टः। मदाय। देवऽ
ताते। इंदो इति। परि। स्नुना। धन्व। सानौ। अव्ये। सहस्रऽधारः। सुरभिः। अदब्धः।
परि। स्रव। वाजऽसातौ। नृऽसह्ये। अरश्मानः। ये। अरथाः। अयुक्ताः। अत्यासः
। न। ससृजानासः। आजौ। एते। शुक्रासः। धन्वंति। सोमाः। देवासः। तान्। उप। या

९·स·५

॥३०॥

त।पिन्वध्यै॥१४॥ ॥एव।नः।इंदो इति।अभि।देवऽवीतिं।परि।स्रव।नभः।अर्णः
।चमूषु।सोमः।अस्मभ्यं।काम्यं।बृहंतं।रयिं।ददातु।वीरऽवंतं।उग्रं।तक्षत।यदि।
मनसः।वेनतः।वाक्।ज्येष्ठस्य।वा।धर्मणि।क्षोः।अनीके।आत्।ईं।आयन्।वरं।आ।
वावशानाः।जुष्टं।पतिं।कलशे।गावः।इंदुं।प्र।दानुऽदः।दिव्यः।दानुऽपिन्वः।ऋतं।ऋ
ताय।पवते।सुऽमेधाः।धर्मा।भुवत्।वृजन्यस्य।राजा।प्र।रश्मिऽभिः।दशऽभिः।भा
रि।भूम।पवित्रेभिः।पवमानः।नृऽचक्षाः।राजा।देवानां।उत।मर्त्यानां।द्विता।भुव
त्।रयिऽपतिः।रयीणां।ऋतं।भरत्।सुऽभृतं।चारु।इंदुः।अर्वान्ऽइव।श्रवसे।सा
तिं।अछ।इंद्रस्य।वायोः।अभि।वीतिं।अर्ष।सः।नः।सहस्रा।बृहतीः।इषः।दाः।भ
व।सोम।द्रविणःऽवित्।पुनानः॥१५॥ ॥देवऽअव्यः।नः।परिऽसिच्यमानाः।क्षयं।
सुऽवीरं।धन्वंतु।सोमाः।आऽयज्यवः।सुऽमतिं।विश्वऽवाराः।होतारः।न।दिविऽयजः।

राम

॥३०॥

मंद्रऽतमाः। एव। देव। देवऽतति। पवस्व। महे। सोम। भरसे। देवऽपानः। महः। चि
त्। हि। स्मसि। हिताः। सऽमर्ये। कृधि। सुस्थानेइतिसुऽस्थाने। रोदसीइति। पुनानः। अ
श्वः। न। क्रदः। वृषऽभिः। युजानः। सिंहः। न। भीमः। मनसः। जवीयान्। अर्वाचीनैः। प
थिऽभिः। ये। रजिष्ठाः। आ। पवस्व। सौमनसं। नः। इंदोइति। शतं। धाराः। देवऽजाताः
। असृग्रन्। सहस्रं। एनाः। कवयः। मृजंति। इंदोइति। सनित्रं। दिवः। आ। पवस्व। पुरःऽ
एता। असि। महतः। धनस्य। दिवः। न। सर्गाः। असस्त्र्य्। अक्रो। राजा। न। मित्रं। प्र।
मिनाति। धीरः। पितुः। न। पुत्रः। क्रतुऽभिः। यतानः। आ। पवस्व। विशे। अस्यै। अजीतिं
॥१६॥ ॥प्र। ते। धाराः। मधुऽमतीः। असृग्रन्। वारान्। यत्। पूतः। अतिऽएषि। अ
व्यान्। पवमान। पवसि। धाम। गोनां। जज्ञानः। सूर्यं। अपिन्वः। अर्कैः। कनिक्रदत्। अ
नु। पंथां। ऋतस्य। शुक्रः। वि। भासि। अमृतस्य। धाम। सः। इंद्राय। पवसे। मत्सरऽवान्।

प· स· ५
॥३४॥

हिन्वानः। वाचं। मतिऽभिः। कवीनां। दिव्यः। सुऽपर्णः। अव। चक्षि। सोम। पिन्वन्।
धाराः। कर्मणा। देवऽवीतौ। आ। इंद्रोइति। विश। कलशं। सोमऽधानं। क्रंदन्। इहि।
सूर्यस्य। उप। रश्मिं। तिस्रः। वाचः। ईरयति। प्र। वह्निः। ऋतस्य। धीतिं। ब्रह्मणः।
मनीषां। गावः। यंति। गोऽपतिं। पृच्छमानाः। सोमं। यंति। मतयः। वावशानाः। सोमं
। गावः। धेनवः। वावशानाः। सोमं। विप्राः। मतिऽभिः। पृच्छमानाः। सोमः। सुतः।
पूयते। अज्यमानः। सोमे। अर्काः। त्रिऽस्तुभः। सं। नवंते॥ १९ ॥ ॥ एव। नः। सोम।
परिऽसिच्यमानः। आ। पवस्व। पूयमानः। स्वस्ति। इंद्रं। आ। विश। बृहता। रवे
ण। वर्धय। वाचं। जनय। पुरंऽधिं। आ। जागृविः। विप्रः। ऋता। मतीनां। सोमः।
पुनानः। असदत्। चमूषु। सपंति। यं। मिथुनासः। निऽकामाः। अध्वर्यवः। रथिरा
सः। सुऽहस्ताः। सः। पुनानः। उप। सूरे। न। धाता। आ। उभेइति। अप्राः। रोदसीइति

राम
॥३५॥

येनानः पूर्वे पितरः पदज्ञाः

ति। वि। सः। आवरित्या। वः। प्रिया। चित्। यस्य। प्रियसासः। ऊती। सः। तु। धनं। का
रिणे। न। प्र। यंसत्। सः। वर्धिता। वर्धनः। पूयमानः। सोमः। मीढ्वान्। अभि। नः। ज्यो
तिषा। आवीत्। ०। स्वः ऽ विदः। अभि। गाः। अद्रिं। उष्णन्। अक्रान्। समुद्रः। प्रथमे
। विऽधर्मन्। जनयन्। प्रऽजाः। भुवनस्य। राजा। वृषा। पवित्रे। अधि। सानौ। अव्ये
। बृहत्। सोमः। ववृधे। सुवानः। इंदुः॥ १८ ॥ ॥ महत्। तत्। सोमः। महिषः। च
कार। अपां। यत्। गर्भः। अवृणीत। देवान्। अदधात्। इंद्रे। पवमानः। ओजः। अ
जनयत्। सूर्ये। ज्योतिः। इंदुः। मत्सि। वायुं। इष्टये। राधसे। च। मत्सि। मित्रावरुणा
। पूयमानः। मत्सि। शर्धः। मारुतं। मत्सि। देवान्। मत्सि। द्यावापृथिवीइति। देव।
सोम। ऋजुः। पवस्व। वृजिनस्य। हंता। अप। अमीवां। बाधमानः। मृधः। च। अभिऽ
श्रीणन्। पयः। पयसा। अभि। गोनां। इंद्रस्य। त्वं। तव। वयं। सखायः। मध्वः। सूदं।

प॰ स॰ ४
॥४०॥

पवस्व। वस्वः। उत्सं। वीरं। च। नः। आ। पवस्व। भगं। च। स्वदस्व। इंद्राय। पवमानः। इं
द्रोऽइति। रयिं। च। नः। आ। पवस्व। समुद्रात्। सोमः। सुतः। धारया। अत्यः। न। हित्वा। सिं
धुः। न। निम्नं। अभि। वाजी। अक्षाः। इति। आ। योनिं। वन्यं। असदत्। पुनानः। सं। इं
दुः। गोभिः। असरत्। सं। अत्ऽभिः॥ १२॥ ॥ एषः। स्यः। ते। पवते। इंद्र। सोमः। चमू
षु। धीरः। उशते। तवस्वान्। स्वःऽचक्षाः। रथिरः। सत्यऽशुष्मः। कामः। न। यः। देवऽ
यतां। असर्जि। एषः। प्रत्नेन। वयसा। पुनानः। तिरः। वर्पांसि। दुहितुः। दधानः। वसा
नः। शर्म। त्रिऽवरूथं। अप्ऽसु। होताऽइव। याति। समनेषु। रेभन्। तु। नः। त्वं। रथि
रः। देव। सोम। परि। स्रव। चम्वोः। पूयमानः। अप्ऽसु। स्वादिष्ठः। मधुऽमान्। ऋतऽ
वा। देवः। न। यः। सविता। सत्यऽमन्मा। अभि। वायुं। वीती। अर्ष। गृणानः। अभि।
मित्रावरुणा। पूयमानः। अभि। नरं। धीऽजवनं। रथेऽस्थां। अभि। इंद्रं। वृषणं। व

राम
॥४०॥

त्रेऽ बार्हं। अभि। वस्त्रा। सुऽवसनानि। अर्ष। अभि। धेनूः। सुऽदुघाः। पूयमानः। अ
भि। चंद्रा। भर्तवे। नः। हिरण्या। अभि। अश्वान्। रथिनः। देव। सोम॥ २०॥ ॥अभि। नः
।अर्ष। दिव्या। वसूनि। अभि। विश्वा। पार्थिवा। पूयमानः। अभि। येन। द्रविणं। अश्न
वाम। अभि। आर्षेयं। जमदग्निऽवत्। नः। अया। पवा। पवस्व। एना। वसूनि। मां। श्चत्वे
।इंद्रोइति। सरसि। प्र। धन्व। ब्रध्नः। चित्। अत्र। वातः। न। जूतः। पुरुऽमेधः। चित्। त
कवे। नरं। दात्। उत। नः। एना। पवया। पवस्व। अधि। श्रुते। श्रवाय्यस्य। तीर्थे। षष्टिं।
सहस्रा। नैगुतः। वसूनि। वृक्षं। न। पक्वं। धूनवत्। रणाय। महि। द्रुमेइति। अस्य। वृष
नाम। शूषेइति। मां। श्चत्वे। वा। पृशने। वा। वधत्रेइति। अस्वापयत्। निऽगुतः। स्नेहयत्। च
।अप। अमित्रान्। अप। अचितः। अच। इतः। सं। त्री। पवित्रा। विऽततानि। एषि। अनु। ए
कं। धावसि। पूयमानः। असि। भगः। असि। दात्रस्य। दाता। असि। मघऽवा। मघवत्ऽभ्यः।

प॰स॰४

॥४१॥

तन्नो मित्रो॰

इंद्रोइति [illegible] ॥२१॥ ॥एषः॥ विश्वऽवित्। पवते। मनीषी॥ सोमः॥ विश्वस्य॥ भुवनस्य। राजा॥ द्रप्सान्। ईरयन्। विदथेषु। इंदुः। वि। वारं। अव्यं। समया॥ अति। याति। इंदुः। रिहंति। महिषाः। अदब्धाः। पदे। रेभंति। कवयः। न। गृध्राः॥ हिन्वंति। धीराः। दशऽभिः। क्षिपाभिः। सं। अंजते। रूपं। अपां। रसेन। त्वया। वयं। पवमानेन। सोम। भरे। कृतं। वि। चिनुयाम। शश्वत्।०॥ २२॥ ॥अभि। नः। वाजऽसातमं। रयिं। अर्ष। पुरुऽस्पृहं। इंदोइति। सहस्रऽभर्णसं। तुविऽद्युम्नं। विभ्वऽसहं। परि। स्य। सुवानः। अव्ययं। रथे। न। वर्म। अव्यत। इंदुः। अभि। द्रुणा॥ हितः। हियानः। धाराभिः। अक्षारिति।०। अक्षारिति। इंदुः। अव्यो। मदऽच्युतः। धारा। यः। ऊर्ध्वः। अध्वरे। भ्राजा। न। एति। गव्यऽयुः। सः। हि। त्वं। देव। शश्वते। वसु। मर्ताय। दाशुषे। इंदोइति। सहस्रिणं। रयिं। शतऽआत्मानं। विवाससि।०। वसोइति। वस्वः। पुरुऽस्पृहः। नि। नेदि

राम

॥४१॥

वयंते अस्य वृत्रहन्

प्रियमिंद्रस्यकाम्यं

इंद्रायसोमपातवे

षऽतमाः। इषः। स्याम। सुम्नस्य। अध्रिगोइत्यध्रिऽगो। द्विः। यं। पंच। स्वऽयशसं।
स्वसारः। अद्रिऽसंहतं।०। प्रऽस्नापयंति। ऊर्मिणं॥२३॥ ॥परि। त्यं। हर्यतं। हरिं।
बभ्रुं। पुनंति। वारेण। यः। देवान्। विश्वान्। इत्। परि। मदेन। सह। गच्छति। अस्य। वः।
हि। अवसा। पांतः। दक्षऽसाधनं। यः। सूरिषु। श्रवः। बृहत्। दधे। स्वः। न। हर्यतः। सः।
वां। यज्ञेषु। मानवीइति। इंदुः। जनिष्ट। रोदसीइति। देवः। देवीइति। गिरिऽस्थाः। अस्रे
धन्। तं। तुविऽस्वनि।०। वृत्रऽघ्ने। परि। सिच्यसे। नरे। च। दक्षिणाऽवते। देवाय। स
दनऽसदे। ते। प्रत्नासः। विऽउष्टिषु। सोमाः। पवित्रे। अक्षरन्। अपऽप्रोथंतः। सनुतः।
हुरःऽचितः। प्रातः। इति। तान्। अप्रऽचेतसः। तं। सखायः। पुरःऽरुचं। यूयं। वयं। च। सू
रयः। अश्याम। वाजऽगंध्यं। सनेम। वाजऽपस्त्यं॥२४॥ ॥आ। हर्यताय। धृष्णवे। ध
नुः। तन्वंति। पौंस्यं। शुक्रां। वयंति। असुराय। निःऽनिजं। विपां। अग्रे। मही। युवः। अ

प॰स॰४
॥४२॥

ध।क्षपा।परिऽष्कृतः।वाजान्।अभि।प्र।गाहते।यदि।विवस्वतः।धियः।हरिं।हिन्वं
ति।यातवे।तं।अस्य।मर्जयामसि।मदः।यः।इंद्रऽपातमः।यं।गावः।आसऽभिः।दधुः।
पुरा।नूनं।च।सूरयः।तं।गाथया।पुराण्या।पुनानं।अभि।अनूषत।उतोइति।कृपंत
।धीतयः।देवानां।नाम।बिभ्रतीः।तं।उक्षमाणं।अव्यये।वारे।पुनंति।धर्णसिं।दू
तं।न।पूर्वऽचित्तये।आ।शासते।मनीषिणः॥२५॥ ॥सः।पुनानः।मदिन्ऽतमः।
सोमः।चमूषु।सीदति।पशौ।न।रेतः।आऽदधत्।पतिः।वचस्यते।धियः।सः।मृज्य
ते।सुकर्मऽभिः।देवः।देवेभ्यः।सुतः।विदे।यत्।आसु।संऽददिः।मही।अपः।वि।
गाहते।सुतः।इंदोइति।पवित्रे।आ।नृऽभिः।यतः।वि।नीयसे।इंद्राय।मत्सरिन्ऽत
मः।चमूषु।आ।नि।सीदसि॥२६॥ ॥अभि।नवंते।अद्रुहः।०।वत्सं।न।पूर्वे।आ
युनि।जातं।रिहंति।मातरः।पुनानः।इंदोइति।आ।भर।सोम।द्विऽबर्हसं।रयिं।त्वं।

राम
॥४२॥

प्रियं॰

वसू॑नि। पुष्यसि। विश्वा॑नि। दाशुषः। गृहे। त्वं। धियं। मनःऽयुजं। सृज। वृष्टिं। न। तन्यतुः। त्वं। वसू॑नि। पार्थिवा। दिव्या। च। सोम। पुष्यसि। परि। ते। जिग्युषः। यथा। धारा। सुतस्य। धावति। रंहमाणा। वि। अव्ययं। वारं। वाजीऽइव। सानसिः। क्रत्वे। दक्षाय। नः। कवे। पवस्व। सोम। धारया। इंद्राय। पातवे। सुतः। मित्राय। वरुणाय। च॥ २७॥ ॥पवस्व। वाजऽसातमः। पवित्रे। धारया। सुतः। इंद्राय। सोम। विष्णवे। देवेभ्यः। मधुमत्ऽतमः। त्वां। रिहंति। मातरः। हरिं। पवित्रे। अद्रुहः। वत्सं। जातं। न। धेनवः। पवमान। विऽधर्मणि। पवमान। महि। श्रवः। चित्रेभिः। यासि। रश्मिऽभिः। शर्धन्। तमांसि। जिघ्नसे। विश्वा॑नि। दाशुषः। गृहे। त्वं। द्यां। च। महिऽव्रत। पृथिवीं। च। अति। जभ्रिषे। प्रति। द्रापिं। अमुंचथाः। पवमान। महिऽत्वना॥ २८॥ ॥इतिसप्तमाष्टकेचतुर्थोऽध्यायः॥ ॥ॐ॥ ॥पुरःऽजिती। वः। अंधसः। सुताय। मादयित्न

प॰स॰५
॥४२॥

वे। अय। श्वानं। श्नथिष्टन। सखाय:। दीर्घऽजिह्व्यं। य:। धारया। पावकया। परिऽ
प्रस्यंदते। सुत:। इंदु:। अश्व:। न। कृत्व्य:। तं। दुरोषं। अभि। नर:। सोमं। विश्वाच्या।
धिया। यज्ञं। हिन्वंति। अद्रिऽभि:। सुतास:। मधुमत्ऽतमा:। सोमा:। इंद्राय। मंदिन:
। पवित्रऽवंत:। अक्षरन्। देवान्। गच्छंतु। व:। मदा:। इंदु:। इंद्राय। पवते। इति। देवास:।
अब्रुवन्। वाच:। पति:। मखस्यते। विश्वस्य। ईशान:। ओजसा॥ १ ॥ ॥सहस्रऽ
धार:। पवते। समुद्र:। वाचंऽईखय:। सोम:। पति:। रयीणां। सखा। इंद्रस्य। दिवेऽदि
वे। अयं। पूषा। रयि:। भग:। सोम:। पुनान:। अर्षति। पति:। विश्वस्य। भूमन:। वि। अ
ख्यत्। रोदसी इति। उभे इति। सं। ऊं इति। प्रिया:। अनूषत। गाव:। मदाय। घृष्वय:। सो
मास:। कृण्वते। पथ:। पवमानास:। इंदव:। य:। ओजिष्ठ:। तं। आ। भर। पवमान। श्र
वाय्यं। य:। पंच। चर्षणी:। अभि। रयिं। येन। वनामहे। सोमा:। पवंते। इंदव:। अस्मभ्यं।

राम
॥४३॥

गातुवित्ऽतमाः। मित्राः। सुवानाः। अरेपसः। सुऽआध्यः। स्वःऽविदः॥ २॥ ॥सु
स्वानासः। वि। अद्रिऽभिः। चिताना। गोः। अधि। त्वचि। इषं। अस्मभ्यं। अभितः।
सं। अस्वरन्। वसुऽविदः॥ एते। पूताः। विपःऽचितः। सोमासः। दधिऽआशिरः। सू
र्यासः। न। दर्शतासः। जिगत्नवः। ध्रुवाः। घृते। प्र। सुन्वानस्य। अंधसः। मर्त्तः। न। वृ
त। तत्। वचः। अप। श्वानं। अराधसं। हत। मखं। न। भृगवः। आ। जामिः। अत्के।
अव्यत। भुजे। न। पुत्रः। ओण्योः। सरत्। जारः। न। योषणां। वरः। न। योनिं। आऽ
सदं। सः। वीरः। दक्षऽसाधनः। वि। यः। तस्तंभ। रोदसी इति। हरिः। पवित्रे। अव्यत
। वेधाः। न। योनिं। आऽसदं। अव्यः। वारेभिः। पवते। सोमः। गव्ये। अधि। त्वचि। क
निक्रदत्। वृषा। हरिः। इंद्रस्य। अभि। एति। निःऽकृतं॥ ३॥ ॥क्राणा। शिशुः। म
हीनां। हिन्वन्। ऋतस्य। दीधितिं। विश्वा। परि। प्रिया। भुवत्। अध। द्विता। उप। त्रि

बु। २

प॰ स॰ ५ ॥ ४४ ॥

तस्य। पार्ष्योः। अभक्त। यत्। गुहा। पदं। यज्ञस्य। सप्त। धामऽभिः। अध। प्रियं। त्रीणि। त्रितस्य। धारया। पृष्ठैं। आ। ईरय। रयिं। मिमीते। अस्य। योजना। वि। सुऽक्रतुः। जज्ञानं। सप्त। मातरः। वेधां। अशासत। श्रिये। अयं। ध्रुवः। रयीणां। चिकेत। यत्। अस्य। व्रते। सऽजोषसः। विश्वे। देवासः। अद्रुहः। स्पार्हाः। भवंति। रंतयः। जुषंत। यत् ॥ ४ ॥ ॥ यं। ईं। इति। गर्भं। ऋतऽवृधः। दृशे। चारुं। अजीजनन्। कविं। मंहिष्ठं। अध्वरे। पुरुऽस्पृहं। समीचीने इति सं। ऽईचीने। अभि। त्मना। यह्वी इति। ऋतस्य। मातरा। तन्वाना। यज्ञं। आनुषक्। यत्। अंजते। क्रत्वा। शुक्रेभिः। अक्षऽभिः। ऋण्वोः। अप। व्रजं। दिवः। हिन्वन्। ऋतस्य। दीधितिं। प्र। अध्वरे ॥ ५ ॥ ॥ प्र। पुनानाय। वेधसे। सोमाय। वचः। उत्ऽयतं। भृतिं। न। भर। मतिऽभिः। जुजोषते। परि। वाराणि। अव्यया। गोभिः। अंजानः। अर्षति। त्री। सधऽस्था। पुनानः। कृणुते। हरिः।

राम ॥ ४४ ॥

परि। कोशं। मधुऽश्चुतं। अव्यये। वारे। अर्षति। अभि। वाणीः। ऋषीणां। सप्त। नूष

त। परि। नेता। मतीनां। विश्वऽदेवः। अदाभ्यः। सोमः। पुनानः। चम्वोः। विशत्। हरिः

। परि। दैवीः। अनु। स्वधाः। इंद्रेण। याहि। सऽरथं। पुनानः। वाघत्। वाघतऽभिः।

अमर्त्यः। परि। सप्तिः। न। वाजऽयुः। देवः। देवेभ्यः। सुतः। विऽआनशि। पवमा

नः। वि। धावति॥ ६ ॥ ॥ सखायः। आ। नि। सीदत। पुनानाय। प्र। गायत। शि

शुं। न। यज्ञैः। परि। भूषत। श्रिये। सं। ईं। इति। वत्सं। न। मातृऽभिः। सृजत। गयऽ

साधनं। देवऽअव्यं। मदं। अभि। द्विऽशवसं। पुनात। दक्षऽसाधनं। यथा। शर्धा

य। वीतये। यथा। मित्राय। वरुणाय। शंऽतमः। अस्मभ्यं। त्वा। वसुऽविदं। अभि।

वाणीः। अनूषत। गोभिः। ते। वर्णं। अभि। वासयामसि। सः। नः। मदानां। पते। इं

दो इति। देवऽप्सराः। असि। सखाऽइव। सख्ये। गातुवित्ऽतमः। भव। सनेमि। कृ

शिशुंनयतैः

१.स.५ ॥४५॥

धि।अस्मत।आ।रक्षसं।कं।चित।अत्रिणं।अप।अदेवं।द्वयुं।अंहः।युयोधि।नः॥ ७ ॥ ॥तं।वः।सखायः।मदाय।पुनानं।अभि।गायत॥०॥ स्वदयंत।गूर्त्तिऽभिः। सं।वत्सः।इव।मातृऽभिः।इंदुः।हिन्वानः।अज्यते।देवऽअवीः।मदः।मतिऽभिः।परिऽकृतः।अयं।दक्षाय।साधनः।अयं।शर्धाय।वीतये।अयं।देवेभ्यः।मधुमत्ऽतमः।सुतः।गोऽमत्।नः।इंदो इति।अश्वऽवत्।सुतः।सुऽदक्ष।धन्व।शुचिं।ते।वर्णं।अधि।गोषु।दीधरं।सः।नः।हरीणां।पते।इंदो इति।देवप्सरःऽतमः।सखाऽइव।सख्ये।नर्यः।रुचे।भव।सनेमि।त्वं।अस्मत।आ।अदेवं।कं।चित।अत्रिणं।सह्वान।इंदो इति।परि।बाधः।अप।द्वयुं॥ ८ ॥ ॥इंद्रं।अच्छ।सुताः।इमे।वृषणं।यंतु।हरयः।श्रुष्टी।जातासः।इंदवः।स्वःऽविदः।अयं।भराय।सानसिः।इंद्राय।पवते।सुतः।सोमः।जैत्रस्य।चेतति।यथा।विदे॥०॥ ग्राभं।गृभ्णीत।सान

राम ॥४५॥

अस्यदिंद्रामदेष्वा

स्निं। वज्रं। च। वृषणं। भरत्। सं। अप्सु ऽ जित्। प्र। धन्व। सोम। जागृविः। ०। युऽ
मंतं। शुष्मं। आ। भर। स्वः ऽ विदं। इंद्राय। वृषणं। मदः। पवस्व। विश्व ऽ दर्शतः। सह
स्रः ऽ यामा। पथि ऽ कृत्। वि ऽ चक्षणः॥ २॥ ॥अस्मभ्यं। गातुवित् ऽ तमः। देवेभ्यः
।मधुमत् ऽ तमः। सहस्रं। याहि। पथि ऽ भिः। कनिक्रदत्। पवस्व। देव ऽ वीतये। इं
दो इति। धाराभिः। ओजसा। आ। कलशं। मधु ऽ मान्। सोम। नः। सदः। तव। द्र
प्साः। उत् ऽ प्रुतः। इंद्रं। मदाय। ववृधुः। त्वां। देवासः। अमृताय। कं। पपुः। आ। नः।
सुतासः। इंदवः। पुनानाः। धावत। रयिं। वृष्टि ऽ द्यावः। रीति ऽ आपः। स्वः ऽ विदः।
सोमः। पुनानः। ऊर्मिणा। अव्यः। वारं। वि। धावति। अग्रे। वाचः। पवमानः। कनिक्र
दत्॥ १०॥ ॥धीभिः। हिन्वंति। वाजिनं। वने। क्रीळंतं। अति ऽ अविं। अभि। त्रि ऽ
पृष्ठं। मतयः। सं। अस्वरन्। असर्जि। कलशान्। अभि। मीळ्हे। सप्तिः। न। वाज ऽ युः।

प॰स॰५
॥४६॥

पुनानः। वाचं। जनयन्। असिस्यदत्। पवते। हर्यतः। हरिः। अति। ह्वरांसि। रंह्या।
अभिऽअर्षन्। स्तोतृऽभ्यः। वीरऽवत्। यशः। अया। पवस्व। देवऽयुः। मधोः। धा
राः। असृक्षत। रेभन्। पवित्रं। परि। एषि। विश्वतः॥ ११ ॥ ॥ परि। इतः। सिंचत।
सुतं। सोमः। यः। उतऽतमं। हविः। दधन्वान्। यः। नर्यः। अप्ऽसु। अंतः। आ। सुसा
व। सोमं। अद्रिऽभिः। नूनं। पुनानः। अविऽभिः। परि। स्रव। अदब्धः। सुरभिऽत
रः। सुते। चित्। त्वा। अप्ऽसु। मदामः। अंधसा। श्रीणंतः। गोभिः। उतऽतरं। परि।
सुवानः। चक्षसे। देवऽमादनः। क्रतुः। इंदुः। विऽचक्षणः। पुनानः। सोम। धारया। अ
पः। वसानः। अर्षसि। आ। रत्नऽधाः। योनिं। ऋतस्य। सीदसि। उत्सः। देव। हिरण्ययः।
यः। दुहानः। ऊधः। दिव्यं। मधु। प्रियं। प्रत्नं। सधऽस्थं। आ। असदत्। आऽपृच्छ्यं।
धरुणं। वाजी। अर्षति। नृऽभिः। धूतः। विऽचक्षणः॥ १२ ॥ ॥ पुनानः। सोम। जा

राम
॥४६॥

गृविः। अव्यः। वारे। परि। प्रियः। त्वं। विप्रः। अभवः। अंगिरःऽतमः। मध्वा। यज्ञं
। मिमिक्ष। नः। सोमः। मीढ्वान्। पवते। गातुवित्ऽतमः। ऋषिः। विप्रः। विऽचक्ष
णः। त्वं। कविः। अभवः। देवऽवीतमः। आ। सूर्यं। रोहयः। दिवि। सोमः। ऊं इति
। सुवानः। सोतृऽभिः। अधि। स्नुऽभिः। अवीनां। अश्वयाऽइव। हरिता। याति।
धारया। मंद्रया। याति। धारया। अनूपे। गोऽमान्। गोभिः। अक्षारिति। सोमः
। दुग्धाभिः। अक्षारिति। समुद्रं। न। संऽवरणानि। अग्मन्। मंदी। मदाय। तोश
ते। आ। सोम। सुवानः। अद्रिऽभिः। तिरः। वाराणि। अव्यया। जनः। न। पुरि। च
म्वोः। विशत्। हरिः। सदः। वनेषु। दधिषे॥ १२॥ ॥ सः। मर्मृजे। तिरः। अण्वा
नि। मेष्यः। मीढ्वे। सप्तिः। न। वाजऽयुः। अनुऽमाद्यः। पवमानः। मनीषिऽभिः।
सोमः। विप्रेभिः। ऋक्वऽभिः। प्र। सोम। देवऽवीतये। सिंधुः। न। पिप्ये। अर्णसा।

प॰स॰५
॥४७॥

अंशोः। पयसा। मदिरः। न। जागृविः। अच्छ। कोशं। मधुऽश्चुतं। आ। हर्यतः। अ
र्जुने। अत्के। अव्यत। प्रियः। सूनुः। न। मर्ज्यः। तं। ईं। हिन्वंति। अपसः। यथा।
रथं। नदीषु। आ। गभस्त्योः। अभि। सोमासः। आयवः। पवंते। मद्यं। मदं। स
मुद्रस्य। अधि। विष्टपि। मनीषिणः। मत्सरासः। स्वःऽविदः। तरत्। समुद्रं। पव
मानः। ऊर्मिणा। राजा। देवः। ऋतं। बृहत्। अर्षत्। मित्रस्य। वरुणस्य। धर्मणा।
प्र। हिन्वानः। ऋतं। बृहत्॥१४॥ ॥नृऽभिः। येमानः। हर्यतः। विऽचक्षणः। रा
जा। देवः। समुद्रियः। इंद्राय। पवते। मदः। सोमः। मरुत्वते। सुतः। सहस्रऽधारः
। अति। अव्यं। अर्षति। तं। ईं। मृजंति। आयवः। पुनानः। चमूइति। जनयन्।
मतिं। कविः। सोमः। देवेषु। रण्यति। अपः। वसानः। परि। गोभिः। उत्ऽतरः। सीद
न्। वनेषु। अव्यत। तव। अहं। सोम। रारण। सख्ये। इंदोइति। दिवेऽदिवे। पुरूणि।

राम
॥४७॥

सतू पवस्व परि पार्थिवं रजो

बभ्रोऽइति। नि। चरंति। मां। अव। परिऽधीन्। अति। तान्। इहि। उत। अहं। नक्तं।
उत। सोम। ते। दिवा। सख्याय। बभ्रोऽइति। ऊधनि। घृणा। तपंतं। अति। सूर्यं। परः
। शकुनाःऽइव। पप्तिम॥ २५॥ ॥मृज्यमानः। सुऽहस्त्य। समुद्रे। वाचं। इन्वसि। र
यिं। पिशंगं। बहुलं। पुरुऽस्पृहं। पवमान। अभि। अर्षसि। मृजानः। वारे। पवमानः
। अव्यये। वृषा। अव। चक्रदः। वने। देवानां। सोम। पवमान। निःऽकृतं। गोभिः
अंजानः। अर्षसि। पवस्व। वाजऽसातये। अभि। विश्वानि। काव्या। त्वं। समुद्रं। प्र
थमः। वि। धारयः। देवेभ्यः। सोम। मत्सरः। ०। दिव्या। च। सोम। धर्मऽभिः। त्वां। विप्रा
सः। मतिऽभिः। विऽचक्षण। शुभ्रं। हिन्वंति। धीतिऽभिः। पवमानाः। असृक्षत।
पवित्रं। अति। धारया। मरुत्वंतः। मत्सराः। इंद्रियाः। हयाः। मेधां। अभि। प्रयांसि। च।
०। कोशं। अर्षति। इंदुः। हियानः। सोतृऽभिः। जनयन्। ज्योतिः। मंदनाः। अवीव

अपो व सानः परि

प॰ स॰ ५

॥४८॥

शत्।गाः।कृण्वानः।न।निःऽनिजं॥१६॥ ॥पवस्व।मधुमत्ऽतमः।इंद्राय।सो
म।क्रतुवित्ऽतमः।मदः।महि।द्युक्षऽतमः।मदः।यस्य।ते।पीत्वा।वृषभः।वृषऽय
ते।अस्य।पीता।स्वःऽविदः।सः।सुऽप्रकेतः।अभि।अक्रमीत्।इषः।अच्छ।वाजं।
न।एतशः।त्वं।हि।अंग।दैव्या।पवमान।जनिमानि।द्युमत्ऽतमः।अमृतऽत्वा
य।घोषयः।येन।नवऽग्वः।दध्यङ्।अपऽऊर्णुते।येन।विप्रासः।आपिरे।देवा
नां।सुम्ने।अमृतस्य।चारुणः।येन।श्रवांसि।आनशुः।एषः।स्यः।धारया।सुतः
।अव्यः।वारेभिः।पवते।मदिन्ऽतमः।क्रीळन्।ऊर्मिः।अपांऽइव॥१७॥ ॥यः।
उस्रियाः।अप्याः।अंतः।अश्मनः।निः।गाः।अकृंतत्।ओजसा।अभि।व्रजं।त
त्निषे।गव्यं।अश्व्यं।वर्मीऽइव।धृष्णोइति।आ।रुज।आ।सोम।परि।सिंचत।
अश्वं।न।स्तोमं।अपऽतुरं।रजःऽतुरं।वनऽक्रक्षं।उदऽप्रुतं।सहस्रऽधारं।वृषभं।

राम

॥४८॥

पयः ऽ वृधे। प्रियं। देवाय। जन्मने। ऋतेन। यः। ऋतऽजातः। विऽववृधे। राजा। देवः
। ऋतं। बृहत्। अभि। द्युम्नं। बृहत्। यशः। इषः। पते। दिदीहि। देव। देवऽयुः। वि। कोशं।
मध्यमं। युव। आ। वच्यस्व। सुऽदक्ष। चम्वोः। सुतः। विशां। वह्निः। न। विश्पतिः। वृष्टिं
। दिवः। पवस्व। रीतिं। अपां। जिन्व। गोऽइष्टये। धियः॥ १८ ॥ ॥ एतं। ऊं इति। त्यं। म
दऽच्युतं। सहस्रऽधारं। वृषभं। दिवः। दुदुहुः। विश्वा। वसूनि। बिभ्रतं। वृषा। वि। ज
ज्ञे। जनयन्। अमर्त्यः। प्रऽतपन्। ज्योतिषा। तमः। सः। सुऽस्तुतः। कविऽभिः। निःऽ
निजं। दधे। त्रिऽधातु। अस्य। दंससा। सः। सुन्वे। यः। वसूनां। यः। रायां। आऽनेता।
यः। इळानां। सोमः। यः। सुऽक्षितीनां। यस्य। नः। इंद्रः। पिबात्। यस्य। मरुतः। यस्य।
वा। अर्यमणा। भगः। आ। येन। मित्रावरुणा। करामहे। आ। इंद्रं। अवसे। महे। इंद्राय।
सोम। पातवे। नृऽभिः। यतः। सुऽआयुधः। मदिन्ऽतमः। पवस्व। मधुमत्ऽतमः। इंद्रस्य।

९.स.५
॥६५॥

हार्दि।सोम॑ऽधाने।आ।विश।समुद्रंऽइव।सिंधवः।जुष्टः।मित्राय।वरुणाय।वायवे।दिवः।विष्टंभः।उतऽतमः॥१२॥ ॥परि।प्र।धन्व।इंद्राय।सोम।स्वादुः।मित्राय।पूष्णे।भगाय।इंद्रः।ते।सोम।सुतस्य।पेयाः।क्रत्वे।दक्षाय।विश्वे।च।देवाः।एव।अमृताय।महे।क्षयाय।सः।शुक्रः।अर्ष।दिव्यः।पीयूषः।पवस्व।सोम।महान्।समुद्रः।पिता।देवानां।विश्वा।अभि।धाम।शुक्रः।पवस्व।देवेभ्यः।सोम।दिवे।पृथिव्यै।शं।च।प्रऽजायै।दिवः।धर्ता।असि।शुक्रः।पीयूषः।सत्ये।विऽधर्मन्।वाजी।पवस्व।पवस्व।सोम।द्युम्नी।सुऽधारः।महां।अवीनां।अनु।पूर्व्यः।नृऽभिः।येमानः।जज्ञानः।पूतः।क्षरत्।विश्वानि।मंद्रः।स्वः ऽवित्।इंदुः।पुनानः।प्रऽजां।उराणः।करत्।विश्वानि।द्रविणानि।नः। पवस्व।सोम।क्रत्वे।दक्षाय।अश्वः।न।निक्तः।वाजी।धनाय॥२०॥ ॥तं।ते।सोतारः।रसं।मदाय।पुनंति।सोमं।महे।द्युम्नाय।शिशुं।जज्ञा

राम
४२

नं। हरिं। मृजंति। पवित्रे। सोमं। देवेभ्यः। इंदुं। इंदुः। पविष्ट। चारुः। मदाय। अपां। उ
पऽस्थे। कविः। भगाय। बिभर्त्ति। चारु। इंद्रस्य। नाम। येन। विश्वानि। वृत्रा। जघा
न। पिबंति। अस्य। विश्वे। देवासः। गोभिः। श्रीतस्य। नृऽभिः। सुतस्य। प्र। सुवानः। अ
क्षारिति। सहस्रऽधारः। तिरः। पवित्रं। वि। वारं। अव्यं। सः। वाजी। अक्षारिति। स
हस्रऽरेताः। अतऽभिः। मृजानः। गोभिः। श्रीणानः। प्र। सोम। याहि। इंद्रस्य। कुक्षा
। नृऽभिः। येमानः। अद्रिऽभिः। सुतः। असर्जि। वाजी। तिरः। पवित्रं। इंद्राय। सोमः।
सहस्रऽधारः। अंजंति। एनं। मध्वः। रसेन। इंद्राय। वृष्णे। इंदुं। मदाय। देवेभ्यः। त्वा।
वृथा। पाजसे। अपः। वसानं। हरिं। मृजंति। इंदुः। इंद्राय। तोशते। नि। तोशते। श्री
णन्। उग्रः। रिणन्। अपः॥ २१ ॥ ॥ परि। ऊं इति। सु। प्र। धन्व। वाजऽसातये। परि।
वृत्राणि। सक्षणिः। द्विषः। तरध्यै। ऋणऽयाः। नः। ईयसे। अनु। हि। त्वा। सुतं। सोम। म

प॰ स॰ ५
॥९०॥

दामसि। महे। सुमर्यऽराज्ये। वाजान्। अभि। पवमान। प्र। गाहसे। अजीजनः। हि। पवमा
न। सूर्यं। विऽधारे। शक्मना। पयः। गोऽजीरया। रंहमाणः। पुरंऽध्या। अजीजनः। अमृत।
मर्त्येषु। आ। ऋतस्य। धर्मन्। अमृतस्य। चारुणः। सदा। असरः। वाजं। अच्छ। सनिष्य
दत्। अभि। अभि। हि। श्रवसा। ततर्दिथ। उत्सं। न। कं। चित्। जनऽपानं। अक्षितं। शर्या
भिः। न। भरमाणः। गभस्त्योः। आ। ते। ई। के। चित्। पश्यमानासः। आप्यं। वसुऽरुचः। दि
व्याः। अभि। अनूषत। वारं। न। देवः। सविता। वि। ऊर्णुते॥ २२॥ ॥त्वेइति। सोम। प्र
थमाः। वृक्तऽबर्हिषः। महे। वाजाय। श्रवसे। धियं। दधुः। सः। त्वं। नः। वीर। वीर्याय। चो
दय। दिवः। पीयूषं। पूर्व्यं। यत्। उक्थ्यं। महः। गाहात्। दिवः। आ। निः। अधुक्षत। इंद्रं।
अभि। जायमानं। सं। अस्वरन्। अध। यत्। इमेइति। पवमान। रोदसीइति। इमा। च। वि
श्वा। भुवना। अभि। मज्मना। यूथे। न। निःऽस्थाः। वृषभः। वि। तिष्ठसे। सोमः। पुनानः। अ

राम
॥५०॥

व्यये। वारे। शिशुः। न। क्रीळन्। पवमानः। अक्षारिति। सहस्रऽधारः। शतऽवाजः।
इंदुः। एषः। पुनानः। मधुऽमान्। ऋतऽवा। इंद्राय। इंदुः। पवते। स्वादुः। ऊर्मिः। वा
जऽसनिः। वरिवःऽवित्। वयःऽधाः। सः। पवस्व। सहमानः। पृतन्यून्। सेधन्। रक्षां
सि। अप। दुःऽगहानि। सुऽआयुधः। ससह्वान्। सोम। शत्रून्॥ २२॥ ॥ अया। रु
चा। हरिण्या। पुनानः। विश्वा। द्वेषांसि। तरति। स्वयुग्वऽभिः। सूरः। न। स्वयुग्वऽभिः
। धारा। सुतस्य। रोचते। पुनानः। अरुषः। हरिः। विश्वा। यत्। रूपा। परिऽयाति। ऋ
क्वऽभिः। सप्तऽआस्येभिः। ऋक्वऽभिः। त्वं। त्यत्। पणीनां। विदः। वसु। सं। मातृऽ
भिः। मर्जयसि। स्वे। आ। दमे। ऋतस्य। धीतिऽभिः। दमे। पराऽवतः। न। साम। तत्
यत्र। रणंति। धीतयः। त्रिऽधातुऽभिः। अरुषीभिः। वयः। दधे। रोचमानः। वयः। दधे
। पूर्वी। अनु। प्रऽदिशं। याति। चेकितत्। सं। रश्मिऽभिः। यतते। दर्शतः। रथः। दैव्यः।

प.स.५
॥५१॥

दर्शतः। रथः। अग्मन्। उक्थानि। पौंस्या। इंद्रं। जैत्राय। हर्षयन्। वज्रः। च। यत्। भ
वथः। अनपऽच्युता। समत्ऽसु। अनपऽच्युता ॥ २४ ॥ ॥ नानानं। वै। ऊं इति। नः। धि
यः। वि। व्रतानि। जनानां। तक्षा। रिष्टं। रुतं। भिषक्। ब्रह्मा। सुन्वंतं। इच्छति। ०। जर
तीभिः। ओषधीभिः। पर्णेभिः। शकुनानां। कामरिः। अश्मऽभिः। द्युऽभिः। हिरण्यऽ
वंतं। इच्छति। ०। कारुः। अहं। ततः। भिषक्। उपलऽप्रक्षिणी। नना। नानाऽधियः। व
सुऽयवः। अनु। गाःऽइव। तस्थिम। ०। अश्वः। वोळ्हा। सुऽरथं। रथं। हसनां। उपऽमं
त्रिणः। शेपः। रोमण्ऽवंतौ। भेदौ। वाः। इत्। मंडूकः। इच्छति। ०॥ २५ ॥ ॥ शर्यणाऽ
वति। सोमं। इंद्रः। पिबतु। वृत्रऽहा। बलं। दधानः। आत्मनि। करिष्यन्। वीर्यं। मह
त्। ०। आ। पवस्व। दिशां। पते। आर्जीकात्। सोम। मीढ्वः। ऋतऽवाकेन। सत्येन। श्र
द्धया। तपसा। सुतः। ०। पर्जन्यऽवृद्धं। महिषं। तं। सूर्यस्य। दुहिता। आ। अभरत्।

राम
॥५१॥

तं । गंधर्वाः । प्रति । अगृभ्यान् । तं । सोमे । रसं । आ । अदधुः । ० । ऋतं । वदन् । ऋतऽ
द्युम्न । सत्यं । वदन् । सत्यऽकर्मन् । श्रद्धां । वदन् । सोम । राजन् । धात्रा । सोम । परिऽकृतः
। ० । सत्यंऽउग्रस्य । बृहतः । सं । स्रवंति । संऽस्रवाः । सं । यंति । रसिनः । रसाः । पुनानः । ब्र
ह्मणा । हरे । ० ॥ २८ ॥ ॥ यत्र । ब्रह्मा । पवमान । छंदस्यां । वाचं । वदन् । ग्राव्णा । सोमे
। महीयते । सोमेन । आऽनंदं । जनयन् । ० । यत्र । ज्योतिः । अजस्रं । यस्मिन् । लोके ।
स्वः । हितं । तस्मिन् । मां । धेहि । पवमान । अमृते । लोके । अक्षिते । ० । यत्र । राजा । वैव
स्वतः । यत्र । अवऽरोधनं । दिवः । यत्र । अमूः । यह्वतीः । आपः । तत्र । मां । अमृतं ।
कृधि । ० । यत्र । अनुऽकामं । चरणं । त्रिऽनाके । त्रिऽदिवे । दिवः । लोकाः । यत्र । ज्योति
ष्मंतः । ० । यत्र । कामाः । निऽकामाः । च । यत्र । ब्रध्नस्य । विष्टपं । स्वधा । च । यत्र । तृप्तिः
। च । ० । यत्र । आऽनंदाः । च । मोदाः । च । मुदः । प्रऽमुदः । आसते । कामस्य । यत्र । आप्ताः ।

प॰स॰५ ॥५२॥

कामाः ।०॥ २७ ॥ ॥ यः । इंदोः । पवमानस्य । अनु । धामानि । अक्रमीत् । तं । आहुः । सुऽप्रजाः । इति । यः । ते । सोम । अविधत् । मनः । ०। ऋषे । मंत्रऽकृतां । स्तोमैः । कश्यप । उत्ऽवर्धयन् । गिरः । सोमं । नमस्य । राजानं । यः । जज्ञे । वीरुधां । पतिः । ०। सप्त । दिशः । नानाऽसूर्याः । सप्त । होतारः । ऋत्विजः । देवाः । आदित्याः । ये । सप्त । तेभिः । सोम । अभि । रक्ष । नः । ०। यत् । ते । राजन् । शृतं । हविः । तेन । सोम । अभि । रक्ष । नः । अरातिऽवा । मा । नः । तारीत् । मो इति । च । नः । किं । चन । आममत् । ०॥ २८ ॥ ॥ इति मंडलं ॥ ॥ ॥ अग्रे । बृहन् । उषसां । ऊर्ध्वः । अस्थात् । निःऽजगन्वान् । तमसः । ज्योतिषा । आ । अगात् । अग्निः । भानुना । रुशता । सुऽअंगः । आ । जातः । विश्वा । सद्मानि । अप्राः ॥ सः । जातः । गर्भः । असि । रोदस्योः । अग्ने । चारुः । विऽभृतः । ओषधीषु । चित्रः । शिशुः । परि । तमांसि । अक्तून् । प्र । मातृऽभ्यः । अधि । कनिक्रदत् । गाः ॥ विष्णुः । इत्था । परमं ।

राम ॥५४॥

अस्य। विद्वान्। जातः। बृहन्। अभि। पाति। तृतीयं। आसा। यत्। अस्य। पयः। अ

क्रंत। स्वं। सऽचेतसः। अभि। अन्वेति। अत्र। अतः। ऊंइति। त्वा। पितुऽभृतः। जनित्रीः

। अन्नऽवृधं। प्रति। चरंति। अन्नैः। ताः। ईं। प्रति। एषि। पुनः। अन्यऽरूपाः। असि। त्वं

। विक्षु। मानुषीषु। होता। होतारं। चित्रऽरथं। अध्वरस्य। यज्ञस्यऽयज्ञस्य। केतुं। रु

शंतं। प्रतिऽअर्धिं। देवस्यऽदेवस्य। मह्ना। श्रिया। तु। अग्निं। अतिथिं। जनानां। सः। तु

। वस्त्राणि। अध। पेशनानि। वसानः। अग्निः। नाभा। पृथिव्याः। अरुषः। जातः। प

दे। इळायाः। पुरःऽहितः। राजन्। यक्षि। इह। देवान्। आ। हि। द्यावापृथिवीइति। अग्ने।

उभेइति। सदा। पुत्रः। न। मातरा। ततंथ। प्र। याहि। अछ। उशतः। यविष्ठ। अथ। आ।

वह। सहस्य। इह। देवान्॥ २८॥ ॥ पिप्रीहि। देवान्। उशतः। यविष्ठ। विद्वान्। ऋतून्।

ऋतुऽपते। यज। इह। ये। दैव्याः। ऋत्विजः। तेभिः। अग्ने। त्वं। होतृणां। असि। आऽयजि

वेषिहोत्रमुतपोत्रं

प·स·५ ॥५३॥

४ः।०।जनानां।सं।धाता।असि।द्रविणःऽदाः।ऋतऽवा।स्वाहा।वयं।रूपावाम।हवी

बिः।देवाः।देवान्।यजतु।अग्निः।अर्हन्।आ।देवानां।अपि।पंथां।अगन्म।यत्।शक्न

वाम।तत्।अनु।प्रऽवोळ्हुं।अग्निः।विद्वान्।सः।यजात्।सः।इत्।ऊंइति।होता।सः।अ

ध्वरान्।सः।ऋतून्।कल्पयाति।यत्।वः।वयं।प्रऽमिनाम।व्रतानि।विदुषां।देवाः।

अविदुःऽतरासः।अग्निः।तत्।विश्वं।आ।पृणाति।विद्वान्।येभिः।देवान्।ऋतुऽभिः

।कल्पयाति।यत्।पाकऽत्रा।मनसा।दीनऽदक्षाः।न।यज्ञस्य।मन्वते।मर्त्यासः।अ

ग्निः।तत्।होता।ऋतुऽवित्।विऽजानन्।यजिष्ठः।देवान्।ऋतुऽशः।यजाति।वि

श्वेषां।हि।अध्वराणां।अनीकं।चित्रं।केतुं।जनिता।त्वा।जजान।सः।आ।यजस्व

।नृऽवतीः।अनु।क्षाः।स्पार्हाः।इषः।क्षुऽमतीः।विश्वऽजन्याः।यं।त्वा।द्यावापृ

थिवीइति।यं।त्वा।आपः।त्वष्टा।यं।त्वा।सुऽजनिमा।जजान।पंथां।अनु।प्रऽविद्वान्।

राम ॥५३॥

पितृऽयानं। द्युऽमत्। अग्ने। संऽइधानः॥ वि। भाहि॥ ३०॥ ॥इनः। राजन्। अरतिः

।संऽइद्धः। रौद्रः। दक्षाय। सुसुऽमान्। अदर्शि। चिकित्। वि। भाति। भासा। बृहता। अ

सिक्नी। एति। रुशती। अपऽअजन्। कृष्णां। यत्। एनी। अभि। वर्पसा। भूत्। जनयन्।

योषां। बृहतः। पितुः। जां। ऊर्ध्वं। भानुं। सूर्यस्य। स्तभायन्। दिवः। वसुऽभिः। अरतिः

।वि। भाति। भद्रः। भद्रया। सचमानः। आ। अगात्। स्वसारं। जारः। अभि। एति। पश्चा

त्। सुऽप्रकेतैः। द्युऽभिः। अग्निः। विऽतिष्ठन्। रुशत्ऽभिः। वर्णैः। अभि। रामं। अस्था

त्। अस्य। यामासः। बृहतः। न। वग्नून्। इंधानाः। अग्नेः। सख्युः। शिवस्य। ईड्य

स्य। वृष्णः। बृहतः। सुऽआसः। भामासः। यामन्। अक्तवः। चिकित्रे। स्वनाः। न। यस्य

।भामासः। पवंते। रोचमानस्य। बृहतः। सुऽदिवः। ज्येष्ठेभिः। यः। तेजिष्ठैः। क्रीळु

मत्ऽभिः। वर्षिष्ठेभिः। भानुऽभिः। नक्षति। द्यां। अस्य। शुष्मासः। ददृशानऽपवेः। जे

प॰ स॰ ५
॥५४॥

हमानस्य। स्वनयन्। नियुत्ऽभिः। प्र्लेभिः। यः। रुशत्ऽभिः। देवऽतमः। वि। रेभत्ऽ
भिः। अरतिः। भाति। विऽभ्वा। सः। आ। वक्षि। महि। नः। आ। च। सत्सि। दिवः। पृथिव्योः
। अरतिः। युवत्योः। अग्निः। सुऽतुकः। सुऽतुकेभिः। अश्वैः। रभस्वत्ऽभिः। रभस्वान्।
आ। इह। गम्याः॥ ३१॥ ॥प्र। ते। यक्षि। प्र। ते। इयर्मि। मन्म। भुवः। यथा। वंद्यः। नः।
हवेषु। धन्वन्ऽइव। प्रऽपा। असि। त्वं। अग्ने। इयक्षवे। पूरवे। प्रत्न। राजन्। यं। त्वा। ज
नासः। अभि। संऽचरंति। गावः। उष्णंऽइव। व्रजं। यविष्ठ। दूतः। देवानां। असि। म
र्त्यानां। अंतः। महान्। चरसि। रोचनेन। शिशुं। न। त्वा। जेन्यं। वर्धयंती। माता। बि
भर्ति। सचनस्यमाना। धनोः। अधि। प्रऽवता। यासि। हर्यन्। जिगीषसे। पशुःऽ
इव। अवऽसृष्टः। मूराः। अमूर। न। वयं। चिकित्वः। महिऽत्वं। अग्ने। त्वं। अंग।
वित्से। शये। वव्रिः। चरति। जिह्वया। अदन्। रेरिह्यते। युवतिं। विश्पतिः। सन्।

राम
॥५४॥

कू ऽ चित् । जायते । सनया सु । नव्यः । वने । तस्थौ । पलितः । धूम ऽ केतुः । अस्नाता ।
आपः । वृषभः । न । प्र । वेति । स ऽ चेतसः । यं । प्र ऽ नयंत । मर्तीः ॥ तनूत्यजा ऽ इव । त
स्करा । वनर्गू इति । रशनाभिः । दश ऽ भिः । अभि । अधीतां । इयं । ते । अग्ने । नव्यसी
। मनीषा । युक्ष्व । रथं । न । शुचयत् ऽ भिः । अंगैः । ब्रह्म । च । ते । जात ऽ वेदः । नमः ।
च । इयं । च । गीः । सदं । इत् । वर्धनी । भूत् ॥ ० तनयानि । तोका । रक्ष । उत । नः । त
न्वः । अप्र ऽ युच्छन् ॥ २२ ॥ ॥ एकः । समुद्रः । धरुणः । रयीणां । अस्मत् । हृदः । भूरि ऽ जन्मा । वि । चष्टे । सिसक्ति । ऊधः । निण्योः । उप ऽ स्थे । उत्सस्य । मध्ये । नि ऽ हि
तं । पदं । वेरिति वेः । समानं । नीळं । वृषणः । वसानाः । सं । जग्मिरे । महिषाः । अर्व
तीभिः । ऋतस्य । पदं । कवयः । नि । पांति । गुहा । नामानि । दधिरे । पराणि । ऋत
यिनी इत्यृत ऽ यिनी । मायिनी इति । सं । दधाते इति । मित्वा । शिशुं । जज्ञतुः । वर्ध

रशीणां अग्ने

प॰ स॰ ५

॥५५॥

यंतीइति। विश्वस्य। नाभिं। चरतः। ध्रुवस्य। कवेः। चित्। तंतुं। मनसा। विऽयंतः
। ऋतस्य। हि। वर्त्तनयः। सुऽजातं। इषः। वाजाय। प्रऽदिवः। सचंते। अधीवासं। रो
दसीइति। ववसानेइति। घृतैः। अन्नैः। ववृधातेइति। मधूनां। सप्त। स्वसृः। अ
रुषीः। वावशानः। विद्वान्। मध्वः। उत्। जभार। दृशे। कं। अंतः। येमे। अंतरिक्षे
। पुराऽजाः। इच्छन्। वव्रिं। अविदत्। पूषणस्य। सप्त। मर्यादाः। कवयः। ततक्षुः।
तासां। एकां। इत्। अभि। अंहुरः। गात्। आयोः। ह। स्कंभः। उपऽमस्य। नीळे। प
थां। विऽसर्गे। धरुणेषु। तस्थौ। असत्। च। सत्। च। परमे। विऽओमन्। दक्षस्य
। जन्मन्। अदितेः। उपऽस्थे। अग्निः। ह। नः। प्रथमऽजाः। ऋतस्य। पूर्वे। आयु
नि। वृषभः। च। धेनुः॥ ३२॥ ॥ इतिसप्तमाष्टकेपंचमोऽध्यायः॥ ॥ ॥५५॥

राम

॥ ॥ॐ॥ ॥अयं। सः। यस्य। शर्मन्। अवः। ऽभिः। अग्नेः। एधते। ज

रिता। अभिष्टौ। ज्येष्ठेभिः। यः। भानुऽभिः। ऋषूणां। परिऽएति। परिऽवीतः। वि
भाऽवा। यः। भानुऽभिः। विभाऽवा। विऽभाति। अग्निः। देवेभिः। ऋतऽवा। अजस्र
स्रः। आ। यः। विवाय। सख्या। सखिऽभ्यः। अपरिऽह्वृतः। अत्यः। न। सप्तिः। ईशे
। यः। विश्वस्याः। देवऽवीतेः। ईशे। विश्वऽआयुः। उषसः। उषसः। विऽउष्टौ। आ।
यस्मिन्। मना। हवींषि। अग्नौ। अरिष्टऽरथः। स्कभ्नाति। शूषैः। शूषेभिः। वृधः।
जुषाणः। अर्कैः। देवान्। अच्छ। रघुऽपत्वा। जिगाति। मंद्रः। होता। सः। जुह्वा। यजि
ष्ठः। संऽमिश्लः। अग्निः। आ। जिघर्ति। देवान्। तं। उस्रां। इंद्रं। न। रेजमानं। अग्निं।
गीःऽभिः। नमःऽभिः। आ। कृणुध्वं। आ। यं। विप्रासः। मतिऽभिः। गृणंति। जातऽ
वेदसं। जुह्वं। सहानां। सं। यस्मिन्। विश्वा। वसूनि। जग्मुः। वाजे। न। अश्वाः। सप्तिऽ
वंतः। एवैः। अस्मे इति। ऊतीः। इंद्रवातऽतमाः। अर्वाचीनाः। अग्ने। आ। कृणुष्व।

यदा ते मर्तो अनु भोग मानट्

१-स-६ ॥९धि

अध । हि । अग्ने । मह्ना । निऽसद्य । सद्यः । जज्ञानः । हव्यः । बभूथ । तं । ते । देवासः । अ
नु । केतं । आयन् । अध । अवर्द्धंत । प्रथमासः । ऊमाः ॥ १ ॥ ॥ स्वस्ति । नः । दिवः ।
अग्ने । पृथिव्याः । विश्वऽआयुः । धेहि । यजथाय । देव । सचेमहि । तव । दस्म । प्रऽके
तैः । उरुष्य । नः । उरुऽभिः । देव । शंसैः । इमाः । अग्ने । मतयः । तुभ्यं । जाताः । गोभिः । अ
श्वैः । अभि । गृणंति । राधः । वसो इति । दधानः । मतिऽभिः । सुऽजात । अग्निं । मन्ये । पि
तरं । अग्निं । आपिं । अग्निं । भ्रातरं । सदं । इत् । सखायं । अग्नेः । अनीकं । बृहतः । सपर्यं ।
दिवि । शुक्रं । यजतं । सूर्यस्य । सिध्राः । अग्ने । धियः । अस्मे इति । सनुत्रीः । यं । त्रायसे । दमे ।
आ । नित्यऽहोता । ऋतऽवा । सः । रोहित्ऽअश्वः । पुरुऽक्षुः । द्युऽभिः । अस्मै । अह्ऽभिः
। वामं । अस्तु । द्युऽभिः । हितं । मित्रंऽइव । प्रऽयोगं । प्रत्नं । ऋत्विजं । अध्वरस्य । जारं । बा
हुऽभ्यां । अग्निं । आयवः । अजनंत । विक्षु । होतारं । नि । असादयंत । स्वयं । यजस्व । दि

सम ॥६धि

वि। देव। देवान्। किं। ते। पाकः। कृणवत्। अप्रऽचेताः। यथा। अयजः। ऋतुऽभिः। दे
व। देवान्। एव। यजस्व। तन्वं। सुऽजात। भव। नः। अग्ने। अविता। उत। गोपाः। भव। वयःऽ
कृत्। उत। नः। वयःऽधाः। रास्व। च। नः। सुऽमहः। हव्यऽदातिं। त्रास्व। उत। नः। तन्वः। अ
प्रऽयुच्छन्॥२॥ ॥प्र। केतुना। बृहता। याति। अग्निः। आ। रोदसी इति। वृषभः। रोरवीति। दिवः। चित्। अंतान्। उपऽ
मां। उत्। आनट्। अपां। उपऽस्थे। महिषः। ववर्ध। मुमोद। गर्भः। वृषभः। ककुत्ऽ
मान्। अस्रेमा। वत्सः। शिमीऽवान्। अरावीत्। सः। देवऽताति। उत्ऽयतानि। कृण्वन्।
स्वेषु। क्षयेषु। प्रथमः। जिगाति। आ। यः। मूर्धानं। पित्रोः। अरब्ध। नि। अध्वरे। दधि
रे। सूरः। अर्णः। अस्य। पत्मन्। अरुषीः। अश्वऽबुध्नाः। ऋतस्य। योनौ। तन्वः। जुषंत।
उषः ऽउषः। हि। वसो इति। अग्रं। एषि। त्वं। यमयोः। अभवः। विऽभावा। ऋताय। सप्त। द
धिषे। पदानि। जनयन्। मित्रं। तन्वे। स्वायै। भुवः। वष्टुः। महः। ऋतस्य। गोपाः। भुवः। व

प. स. ६

॥५७॥

स्वः। यत्। ऋतायं। वेषि। भुवः। अपां। नपात्। जातऽवेदः। भुवः। दूतः। यस्य। हव्यं। जु
जोषः॥ ५॥ ॥भुवः। यज्ञस्य। रजसः। च। नेता। यत्र। नियुत्ऽभिः। सचसे। शिवाभिः। दि
वि। मूर्धानं। दधिषे। स्वःऽसां। जिह्वां। अग्ने। चकृषे। हव्यऽवाहं॥ अस्य। त्रितः। क्रतुना
वव्रे। अंतः। इच्छन्। धीतिं। पितुः। एवैः। परस्य। सचस्यमानः। पित्रोः। उपऽस्थे। जामि
ब्रुवाणः। आयुधानि। वेति॥ सः। पित्र्याणि। आयुधानि। विद्वान्। इंद्रऽइषितः। आ
प्त्यः। अभि। अयुध्यत्। त्रिऽशीर्षाणं। सप्तऽरश्मिं। जघन्वान्। त्वाष्ट्रस्य। चित्। निः। स
सृजे। त्रितः। गाः॥ भूरि। इत्। इंद्रः। उत्ऽइनक्षंतं। ओजः। अव। अभिनत्। सत्ऽपतिः।
मन्यमानं॥ त्वाष्ट्रस्य। चित्। विश्वऽरूपस्य। गोनां। आऽचक्राणः। त्रीणि। शीर्षा। परा।
वर्गिति वर्क्॥ ९॥ ॥आपः। हि। स्थ। मयःऽभुवः। ताः। नः। ऊर्जे। दधातन॥ महे। रणा
य। चक्षसे॥ यः। वः। शिवऽतमः। रसः। तस्य। भाजयत। इह। नः। उशतीःऽइव। मातरः।

राम

॥५७॥

तस्मै।अरं।गमाम।वः।यस्य।क्षयाय।जिन्वथ।आपः।जनयथ।च।नः।शं।नः।देवीः।
अभिष्टये।आपः।भवंतु।पीतये।शं।योः।अभि।स्रवंतु।नः।ईशानाः।वार्याणां।क्षयं
तीः।चर्षणीनां।अपः।याचामि।भेषजं।७॥५॥ ॥ओ इति।चित्।सखीयं।सख्या
।ववृत्यां।तिरः।पुरु।चित्।अर्णवं।जगन्वान्।पितुः।नपातं।आ।दधीत।वेधाः।अ
धि।क्षमि।प्रऽतरं।दीध्यानः।न।ते।सखा।सख्यं।वष्टि।एतत्।सऽलक्ष्मा।यत्।वि
षुऽरूपा।भवाति।महः।पुत्रासः।असुरस्य।वीराः।दिवः।धर्तारः।उर्विया।परि।ख्य
न्।उशंति।घ।ते।अमृतासः।एतत्।एकस्य।चित्।त्यजसं।मर्त्यस्य।नि।ते।मनः।
मनसि।धायि।अस्मे इति।जन्युः।पतिः।तन्वं।आ।विविश्याः।न।यत्।पुरा।चकृम।
कत्।ह।नूनं।ऋता।वदंतः।अनृतं।रपेम।गंधर्वः।अपऽसु।अप्या।च।योषा।सा।नः।
नाभिः।परमं।जामि।तत्।नौ।गर्भे।नु।नौ।जनिता।दंपती इति दंऽपती।कः।देव।त्व

ष्टा। सविता। विश्वऽरूपः। नकिः। अस्य। प्र। मिनंति। व्रतानि। वेद। नौ। अस्य। पृथिवी
उत। द्यौः॥ ६॥ ॥ कः। अस्य। वेद। प्रथमस्य। अह्नः। कः। ईं। ददर्श। कः। इह। प्र।
वोचत्। बृहत्। मित्रस्य। वरुणस्य। धाम। कत्। ऊं इति। ब्रवः। आहनः। वीच्या। नॄ
न्। यमस्य। मा। यम्यं। कामः। आ। अगन्। समाने। योनौ। सहऽशेय्याय। जायाऽ
इव। पत्ये। तन्वं। रिरिच्यां। वि। चित्। वृहेव। रथ्याऽइव। चक्रा। न। तिष्ठंति। न। नि।
मिषंति। एते। देवानां। स्पशः। इह। ये। चरंति। अन्येन। मत्। आहनः। याहि। तू
यं। तेन। वि। वृह। रथ्याऽइव। चक्रा। रात्रीभिः। अस्मै। अहऽभिः। दशस्येत्। सूर्य
स्य। चक्षुः। मुहुः। उत्। मिमीयात्। दिवा। पृथिव्या। मिथुना। सबंधू इति सऽ
बंधू। यमीः। यमस्य। बिभृयात्। अजामि। आ। घ। ता। गच्छान्। उत्तऽतरा। युगा
नि। यत्र। जामयः। कृणवन्। अजामि। उप। बर्बृहि। वृषभाय। बाहुं। अन्यं। इ

कृष्व।सुऽभगे।पतिं।मत्॥ ७ ॥ ॥किं।भ्राता।असत्।यत्।अनाथं।भवाति।किं।
ऊंइति।स्वसा।यत्।निःऽऋतिः।निऽगच्छात्।कामऽमूता।बहु।एतत्।रपामि।त
न्वा।मे।तन्वं।सं।पिपृग्धि।न।वै।ऊंइति।ते।तन्वा।तन्वं।सं।पपृच्यां।पापं।आहुः।
यः।स्वसारं।निऽगच्छात्।अन्येन।मत्।प्रऽमुदः।कल्पयस्व।न।ते।भ्राता।सुऽ
भगे।वष्टि।एतत्।बतः।बत।असि।यम।न।एव।ते।मनः।हृदयं।च।अविदाम।
अन्या।किल।त्वां।कक्ष्याऽइव।युक्तं।परि।स्वजाते।लिबुजाऽइव।वृक्षं।अन्यं।
ऊंइति।सु।त्वं।यमि।अन्यः।ऊंइति।त्वां।॰।तस्य।वा।त्वं।मनः।इच्छ।सः।वा।तव।
अध।कृणुष्व।संऽविदं।सुऽभद्रां॥ ८ ॥ ॥वृषा।वृष्णे।दुदुहे।दोहसा।दिवः।प
यांसि।यह्वः।अदितेः।अदाभ्यः।विश्वं।सः।वेद।वरुणः।यथा।धिया।सः।यज्ञियः।
यजतु।यज्ञियान्।ऋतून्॥ रपत्।गंधर्वीः।अप्या।च।योषणा।नदस्य।नादे।परि।

प॰स॰६

॥५८॥

पातु। मे। मनः। इष्टस्य। मध्ये। अदितिः। नि। धातु। नः। भ्राता। नः। ज्येष्ठः। प्रथमः। वि। वोचति। सोऽइति। वित। नु। भद्रा। क्षुऽमती। यशस्वती। उषाः। उवास। मनवि। स्वःऽवती। यत। ईं। उशंते। उशंतः। अनु। क्रतुं। अग्निं। होतारं। विदथाय। जीजनन्। अध। त्यं। द्रप्सं। विऽभ्वं। विऽचक्षणं। विः। आ। अभरत्। इषितः। श्येनः। अध्वरे। यदि। विशः। वृणते। दस्मं। आर्याः। अग्निं। होतारं। अध। धीः। अजायत। सदा। असि। रण्वः। यवसाऽइव। पुष्यते। होत्राभिः। अग्ने। मनुषः। सुऽअध्वरः। विप्रस्य। वा। यत। शशमानः। उक्थ्यं। वाजं। ससऽवान्। उपऽयासि। भूरिऽभिः॥२॥

॥ ॥उत। ईरय। पितरा। जारः। आ। भगं। इयक्षति। हर्यतः। हृत्तः। इष्यति। विवक्ति। वह्निः। सुऽअपस्यते। मखः। तविष्यते। असुरः। वेपते। मती। यः। ते। अग्ने। सुऽमतिं। मर्तः। अक्षत्। सहसः। सूनोइति। अति। सः। प्र। शृण्वे। इषं। दधानः।

राम

॥५८॥

वर्द्धमानः। अश्वैः। आ। सः। द्युऽमान्। अमऽवान्। भूषति। द्यून्। यत्। अग्ने।
एषा। संऽइतिः। भवाति। देवी। देवेषु। यजता। यजत्र। रत्ना। च। यत्। विऽभजासि
। स्वधाऽवः। भागं। नः। अत्र। वसुऽमंतं। वीतात्। श्रुधि। नः। अग्ने। सदने। सधऽ
स्थे। युक्ष्व। रथं। अमृतस्य। द्रवित्नुं। आ। नः। वह। रोदसीइति। देवपुत्रेइतिदेवऽ
पुत्रे। माकिः। देवानां। अप। भूः। इह। स्याः॥ १० ॥ ॥ द्यावा। ह। क्षामा। प्रथ
मेइति। ऋतेन। अभिऽश्रावे। भवतः। सत्यऽवाचा। देवः। यत्। मर्त्तान्। यज
थाय। कृण्वन्। सीदत्। होता। प्रत्यङ्। स्वं। असुं। यन्। देवः। देवान्। परिऽभूः
। ऋतेन। वह। नः। हव्यं। प्रथमः। चिकित्वान्। धूमऽकेतुः। संऽइधा। भाःऽ
ऋजीकः। मन्द्रः। होता। नित्यः। वाचा। यजीयान्। स्वाहृक्। देवस्य। अमृतं।
यदि। गोः। अतः। जातासः। धारयंते। उर्वीइति। विश्वे। देवाः। अनु। तत्। ते।

प॰ स॰ ६
॥ ६० ॥

पृक्षुः। गुः। दुहे। यत्। एनी। दिव्यं। घृतं। वारितिवाः। अर्चामि। वां। वर्धीय। अ
पः। घृतस्नूइतिघृतऽस्नू। द्यावाभूमीइति। शृणुतं। रोदसीइति। मे। अहा। यत्।
द्यावः। असुऽनीतिं। अयन्। मध्वा। नः। अत्र। पितरा। शिशीतां। किं। स्वित्। नः।
राजा। जगृहे। कत्। अस्य। अति। व्रतं। चकृम। कः। वि। वेद। मित्रः। चित्। हि। स्म।
जुहुराणः। देवान्। श्लोकः। न। यातां। अपि। वाजः। अस्ति॥ ११ ॥ ॥ दुःऽमंतु। अत्र।
अमृतस्य। नाम। ०। यमस्य। यः। मनवंत। सुऽमंतु। अग्ने। तं। ऋष्व। पाहि। अप्रऽ
युछन्। यस्मिन्। देवाः। विदथे। मादयंते। विवस्वतः। सदने। धारयंते। सूर्ये। ज्यो
तिः। अदधुः। मासि। अक्तून्। परि। द्योतनिं। चरतः। अजस्रा। यस्मिन्। देवाः। म
न्मनि। संऽचरंति। अपीच्ये। न। वयं। अस्य। विद्म। मित्रः। नः। अत्र। अदितिः।
अनागान्। सविता। देवः। वरुणाय। वोचत्। ०॥ १२ ॥ ॥ युजे। वां। ब्रह्म। पूर्व्यं।

राम
॥ ६० ॥

नमः॑ऽभिः।वि।श्लोकः॑।एतु।पथ्या॑ऽइव।सूरेः॑।शृण्वंतु।विश्वे॑।अमृत॑स्य।पुत्राः॑।
आ।ये।धामा॑नि।दिव्या॑नि।तस्थुः।यमे॑इवेति॑यमे॑ऽइव।यत॑माने॑इति।यत॑।एतं।
प्र।वां।भरन्।मानु॑षाः।देवऽयंतः॑।आ।सीद॑तं।स्वं।ऊं॑इति।लोकं।विदा॑ने॑इति।स्वा
सस्थे॑इति॑सुऽआसस्थे।भवतं।इंदवे।नः॑।पंच।पदानि।रूपः॑।अनु।अरोहं।चतुः॑ऽ
पदीं।अनु।एमि।व्रतेन।अक्षरेण।प्रति।मिमे।एतां।ऋतस्य।नाभौ।अधि।सं।
पुनामि।देवेभ्यः॑।कं।अवृणीत।मृत्युं।प्रऽजायै।कं।अमृतं।न।अवृणीत।बृहस्प
तिं।यज्ञं।अकृण्वत।ऋषिं।प्रियां।यमः॑।तन्वं।प्र।अरिरेचीत।सप्त।क्षरंति।शि
शवे।मरुत्वते।पित्रे।पुत्रासः॑।अपि।अवीवतन्।ऋतं।उभे॑इति।अस्य।उभय
स्य।राजतः॑।उभे॑इति।यतेते॑इति।उभयस्य।पुष्यतः॑॥ १३ ॥ ॥परेयिऽवांसं।प्रऽ
वतः॑।महीः॑।अनु।बहुऽभ्यः॑।पंथां।अनुऽपस्पशानं।वैवस्वतं।संऽगमनं।ज

इ२।

प॰स॰६
॥६१॥

नानां।यमं।राजानं।हविषा।दुवस्य।यमः।नः।गातुं।प्रथमः।विवेद।न।एषा।
गव्यूतिः।अपऽभर्तवै।ऊँइति।यत्र।नः।पूर्वे।पितरः।पराऽईयुः।एना।जज्ञा
नाः।पथ्याः।अनु।स्वाः।मातली।कव्यैः।यमः।अंगिरःऽभिः।बृहस्पतिः।ऋ
क्कऽभिः।ववृधानः।यान्।च।देवाः।ववृधुः।ये।च।देवान्।स्वाहा।अन्ये।स्वध
या।अन्ये।मदंति।इमं।यम।प्रऽस्तरं।आ।हि।सीद।अंगिरःऽभिः।पितृऽभिः।सं
विदानः।आ।त्वा।मंत्राः।कविऽशस्ताः।वहंतु।एना।राजन्।हविषा।मादयस्व
।अंगिरःऽभिः।आ।गहि।यज्ञियेभिः।यम।वैरूपैः।इह।मादयस्व।विवस्वंतं।
हुवे।यः।पिता।ते।अस्मिन्।यज्ञे।बर्हिषि।आ।निऽसद्य॥१४॥ ॥अंगिरसः। राम
नः।पितरः।नवऽग्वाः।अथर्वाणः।भृगवः।सोम्यासः।तेषां।वयं।सुऽमतौ।य ॥६२॥
ज्ञियानां।०।प्र।इहि।प्र।इहि।पथिऽभिः।पूर्व्येभिः।०।उभा।राजाना।स्वधया।

मदंति। यमं। पश्यासि। वरुणं। च। देवं। सं। गच्छस्व। पितृऽभिः। सं। यमेन। इष्टापूर्तेन। परमे। विऽओमन्। हित्वाय। अवद्यं। पुनः। अस्तं। आ। इहि। सं। गच्छस्व। तन्वा। सुऽवर्चाः। अप। इत। वि। इत। वि। च। सर्पत। अतः। अस्मै। एतं। पितरः। लोकं। अक्रन्। अहःऽभिः। अत्ऽभिः। अक्तुऽभिः। विऽअक्तं। यमः। ददाति। अवऽसानं। अस्मै। अति। द्रव। सारमेयौ। श्वानौ। चतुःऽअक्षौ। शबलौ। साधुना। पथा। अथ। पितॄन्। सुऽविदत्रान्। उप। इहि। यमेन। ये। सधऽमादं। मदंति॥ १५॥ ॥ यौ। ते। श्वानौ। यम। रक्षितारौ। चतुःऽअक्षौ। पथिरक्षीइतिपथिऽरक्षी। नृऽचक्षसौ। ताभ्यां। एनं। परि। देहि। राजन्। स्वस्ति। च। अस्मै। अनमीवं। च। धेहि। उरुऽनसौ। असुऽतृपौ। उदुंबलौ। यमस्य। दूतौ। चरतः। जनान्। अनु। तौ। अस्मभ्यं। दृशये। सूर्याय। पुनः। दातां। असुं। अद्य। इह। भद्रं। यमाय। सोमं। सुनुत। यमाय। जु

प॰ सं॰ ध॰ ॥६२॥

कृत। हविः। यमं। ह। यज्ञः। गच्छति। अग्नि ऽ दूतः। अरं ऽ कृतः। यमाय। घृत ऽ वत्। ह
विः। ०सः। नः। देवेषु। आ। यमत्। दीर्घं। आयुः। प्र। जीवसे। यमाय। मधुमत् ऽ तमं
। राज्ञे। हव्यं। जुहोतन। इदं। नमः। ऋषि ऽ भ्यः। पूर्व ऽ जेभ्यः। पूर्वेभ्यः। पथिकृत् ऽ
भ्यः। त्रि ऽ कद्रुकेभिः। पतति। षट्। उर्वीः। एकं। इत्। बृहत्। त्रि ऽ स्तुप्। गायत्री। छं
दांसि। सर्वा। ता। यमे। आ ऽ हिता॥ १६॥ ॥उत्। ईरतां। अवरे। उत्। परासः। उत्। म
ध्यमाः। पितरः। सोम्यासः। असुं। ये। ईयुः। अवृकाः। ऋत ऽ ज्ञाः। ते। नः। अवंतु। पि
तरः। हवेषु। इदं। पितृ ऽ भ्यः। नमः। अस्तु। अद्य। ये। पूर्वासः। ये। उपरासः। ईयुः।
ये। पार्थिवे। रजसि। आ। नि ऽ सत्ताः। ये। वा। नूनं। सु ऽ वृजनासु। विक्षु। आ। अहं।
पितॄन्। सु ऽ विदत्रान्। अवित्सि। नपातं। च। वि ऽ क्रमणं। च। विष्णोः। बर्हि ऽ सदः।
ये। स्वधया। सुतस्य। भजंत। पित्वः। ते। इह। आ ऽ गमिष्ठाः। बर्हि ऽ सदः। पितरः।

राम ॥६२॥

ऊ॒ती। अर्वाक्। इ॒मा। वः॒। ह॒व्या। च॒कृ॒म। जु॒षध्वं॑। ते। आ। ग॒त॒। अव॑सा। शंऽत
मेन। अथ॑। नः॒। शं। योः। अ॒र॒पः। द॒धा॒त॒। उप॑ऽहूताः। पि॒तरः॑। सो॒म्यासः॑। ब
र्हि॒ष्ये॑षु। नि॒ऽधिषु॑। प्रि॒येषु॑। ते। आ। ग॒म॒न्तु॒। ते। इ॒ह। श्रु॒व॒न्तु॒। अधि॑। ब्रु॒व॒न्तु॒। ते।
अ॒व॒न्तु॒। अ॒स्मान्॥ १७॥ ॥ आऽअच्य॑। जानु॑। द॒क्षि॒ण॒तः। नि॒ऽसद्य॑। इ॒मं।
य॒ज्ञं। अ॒भि। गृ॒णी॒त॒। विश्वे॑। मा। हिं॒सि॒ष्ट॒। पि॒त॒रः॒। केन॑। चि॒त्। नः॒। ०। आसी
नासः। अ॒रु॒णीनां॑। उ॒पऽस्थे॑। र॒यिं। ध॒त्त॒। दा॒शुषे॑। मर्त्या॑य। पु॒त्रेभ्यः॑। पि॒त॒रः॒।
तस्य॑। वस्वः॑। प्र। य॒च्छ॒त॒। ते। इ॒ह। ऊर्जं॑। द॒धा॒त॒। ये। नः॒। पूर्वे॑। पि॒तरः॑। सो॒म्या
सः। अ॒नु॒ऽऊ॒हि॒रे। सो॒म॒ऽपी॒थं। वसि॑ष्ठाः। तेभिः॑। य॒मः। सं॒ऽर॒रा॒णः। ह॒वीं
षि। उ॒शन्। उ॒शत्ऽभिः॑। प्र॒ति॒ऽका॒मं। अ॒त्तु॒। ये। त॒तृ॒षुः। दे॒व॒ऽत्रा। जेह॑मानाः।
होत्रा॒ऽविदः॑। स्तोम॑ऽतष्टासः। अ॒र्कैः। आ। अ॒ग्ने॒। या॒हि॒। सु॒ऽवि॒दत्रेभिः॑। अ

प॰ स॰ ६
॥ ६३ ॥

वाङ् । सत्यैः । कव्यैः । पितृऽभिः । घर्मसत्ऽभिः । ये । सत्यासः । हविःऽअदः । ह
विःऽपाः । इंद्रेण । देवैः । सऽरथं । दधानाः । ० । सहस्रं । देवऽवंदैः । परैः । पूर्वैः ।
पितृऽभिः । घर्मसत्ऽभिः ॥ १० ॥ ॥ अग्निऽस्वात्ताः । पितरः । आ । इह । ग
च्छत । सदःऽसदः । सदत । सुऽप्रनीतयः । अत्त । हवींषि । प्रऽयतानि । बर्हिषि
अथ । रयिं । सर्वऽवीरं । दधातन ॥ त्वं । अग्ने । ईळितः । जातऽवेदः । अवाट् । ह
व्यानि । सुरभीणि । कृत्वी । प्र । अदाः । पितृऽभ्यः । स्वधया । ते । अक्षन् । अद्धि
। त्वं । देव । प्रऽयता । हवींषि । ये । च । इह । पितरः । ये । च । न । इह । यान् । च । विद्म
। यान् । ऊं इति । च । न । प्रऽविद्म । त्वं । वेत्थ । यति । ते । जातऽवेदः । स्वधाभिः ।
यज्ञं । सुऽकृतं । जुषस्व । ये । अग्निऽदग्धाः । ये । अनग्निऽदग्धाः । मध्ये । दि
वः । स्वधया । मादयंते । तेभिः । स्वऽराट् । असुऽनीतिं । एतां । यथाऽवशं । त

राम
॥ ६३ ॥

न्वं।कल्पयस्व॥१२॥ ॥मा।एनं।अग्ने।वि।दहः।मा।अभि।शोचः।मा।
अस्य।त्वचं।चिक्षिपः।मा।शरीरं।यदा।शृतं।कृणवः।जातऽवेदः।अथ।
ईं।एनं।प्र।हिणुतात्।पितृऽभ्यः।शृतं।यदा।करसि।जातऽवेदः।०।परि।
दत्तात्।पितृऽभ्यः।यदा।गच्छाति।असुऽनीतिं।एतां।अथ।देवानां।वशऽ
नीः।भवाति।सूर्यं।चक्षुः।गच्छतु।वातं।आत्मा।द्यां।च।गच्छ।पृथिवीं।च।
धर्मणा।अपः।वा।गच्छ।यदि।तत्र।ते।हितं।ओषधीषु।प्रति।तिष्ठ।शरी
रैः।अजः।भागः।तपसा।तं।तपस्व।तं।ते।शोचिः।तपतु।तं।ते।अर्चिः।याः।
ते।शिवाः।तन्वः।जातऽवेदः।ताभिः।वह।एनं।सुऽकृतां।ऊं इति।लोकं।अव
।सृज।पुनः।अग्ने।पितृऽभ्यः।यः।ते।आऽहुतः।चरति।स्वधाभिः।आयुः
।वसानः।उप।वेतु।शेषः।सं।गच्छतां।तन्वा।जातऽवेदः॥२०॥ ॥यत्।ते।कृ

प॰ स॰ ६
॥६४॥

ष्णः।शकुनः।आऽतुतोद।पिपीलः।सर्पः।उत।वा।श्वापदः।अग्निः।तत्।
विश्वऽअत्।अगदं।कृणोतु।सोमः।च।यः।ब्राह्मणान्।आऽविवेश।अग्नेः।
वर्म।परि।गोभिः।व्ययस्व।सं।प्र।ऊर्णुष्व।पीवसा।मेदसा।च।न।इत्।त्वा।
धृष्णुः।हरसा।जर्हृषाणः।दधृक्।विऽधक्ष्यन्।परिऽअंखयाति।इमं।अग्ने
।चमसं।मा।वि।जिह्वरः।प्रियः।देवानां।उत।सोम्यानां।एषः।यः।चमसः।
देवऽपानः।तस्मिन्।देवाः।अमृताः।मादयते।क्रव्यऽअदं।अग्निं।प्र।हिणो
मि।दूरं।यमऽराज्ञः।गच्छतु।रिप्रऽवाहः।इह।एव।अयं।इतरः।जातऽवेदाः।
देवेभ्यः।हव्यं।वहतु।प्रऽजानन्।यः।अग्निः।क्रव्यऽअत्।प्रऽविवेश।वः।
गृहं।इमं।पश्यन्।इतरं।जातऽवेदसं।तं।हरामि।पितृऽयज्ञाय।देवं।सः।घ
र्मं।इन्वात्।परमे।सधऽस्थे॥२१॥ ॥यः।अग्निः।क्रव्यऽवाहनः।पितॄन्।यक्षत्।

राम
॥६४॥

ऋतऽवृधः। प्राइत। ऊं इति। हव्यानि। वोचति। देवेभ्यः। च। पितृऽभ्यः। आ। उ
शंतः। त्वानि। धीमहि। उशंतः। सं। इधीमहि। उशन्। उशतः। आ। वह। पितॄन्। ह
विषे। अत्तवे। यं। त्वं। अग्ने। संऽअदहः। तं। ऊं इति। निः। वापय। पुनरिति। कियां
बु। अत्र। रोहतु। पाकऽदूर्वा। विऽअल्कशा। शीतिके। शीतिकाऽवति। ह्लादिके।
ह्लादिकाऽवति। मंडूक्या। सु। सं। गमः। इमं। सु। अग्निं। हर्षय॥ २२॥ ॥ त्वष्टा। दु
हित्रे। वहतुं। कृणोति। इति। इदं। विश्वं। भुवनं। सं। एति। यमस्य। माता। परिऽ
उह्यमाना। महः। जाया। विवस्वतः। ननाश। अप। अगूहन्। अमृतां। मर्त्येभ्यः।
कृत्वी। सऽवर्णां। अददुः। विवस्वते। उत। अश्विनौ। अभरत्। यत्। तत्। आसीत्।
अजहात्। ऊं इति। द्वा। मिथुना। सरण्यूः। पूषा। त्वा। इतः। च्यवयतु। प्र। विद्वान्।
अनष्टऽपशुः। भुवनस्य। गोपाः। सः। त्वा। एतेभ्यः। परि। ददत्। पितृऽभ्यः। अग्निः।

प-स-ध ॥६५॥

देवेभ्यः। सुऽविदत्रियेभ्यः। आयुः। विश्वऽआयुः। परि। पासति। त्वा। पूषा। त्वा। पातु। प्रऽपथे। पुरस्तात्। यत्र। आसते। सुऽकृतः। यत्र। ते। ययुः। तत्र। त्वा। देवः। सविता। दधातु। पूषा। इमाः। आशाः। अनु। वेद। सर्वाः। सः। अस्मान्। अभयऽतमेन। नेषत्। स्वस्तिऽदाः। आघृणिः। सर्वऽवीरः। अप्रऽयुच्छन्। पुरः। एतु। प्रऽजानन् ॥२३॥ ॥ प्रऽपथे। पथाम्। अजनिष्ट। पूषा। प्रऽपथे। दिवः। प्रऽपथे। पृथिव्याः। उभेइति। अभि। प्रियतमेइति प्रियऽतमे। सधस्थेइति सधऽस्थे। आ। च। परा। च। चरति। प्रऽजानन्। सरस्वतीं। देवऽयंतः। हवंते। सरस्वतीं। अध्वरे। तायमाने। सरस्वतीं। सुऽकृतः। अह्वयंत। सरस्वती। दाशुषे। वार्यं। दात्। सरस्वति। या। सऽरथं। ययाथ। स्वधाभिः। देवि। पितृऽभिः। मदंती। आऽसद्य। अस्मिन्। बर्हिषि। मादयस्व। अनमीवाः। इषः। आ। धेहि। अस्मेइति। सरस्वतीं। यां। पितरः।

राम ॥६५॥

हवंते। दक्षिणा। यज्ञं। अभिऽनक्षमाणाः। सहस्रऽअर्घं। इळः। अत्र। भागं।
रायः। पोषं। यजमानेषु। धेहि। आपः। अस्मान्। मातरः। शुंधयंतु। घृतेन। नः।
घृतऽपः। पुनंतु। विश्वं। हि। रिप्रं। प्रऽवहंति। देवीः। उत्। इत्। आभ्यः। शुचिः।
आ। पूतः। एमि॥ २४ ॥ ॥ द्रप्सः। चस्कंद। पृथिवीं। अनु। द्यां। इमं। च।
योनिं। अनु। यः। च। पूर्वः। समानं। योनिं। अनु। संऽचरंतं। द्रप्सं। जुहोमि। अ
नु। सप्त। होत्राः। यः। ते। द्रप्सः। स्कंदति। यः। ते। अंशुः। बाहुऽच्युतः। धिषणा
याः। उपऽस्थात्। अध्वर्योः। वा। परि। वा। यः। पवित्रात्। तं। ते। जुहोमि। मन
सा। वषट्ऽकृतं। ०। स्कन्नः। ०। अवः। च। यः। परः। स्रुचा। अयं। देवः। बृहस्प
तिः। सं। तं। सिंचतु। राधसे। पयस्वतीः। ओषधयः। पयस्वत्। मामकं। वचः। अ
पां। पयस्वत्। इत्। पयः। तेन। मा। सह। शुंधत॥ २५॥ ॥ परं। मृत्यो इति। अनु। प

प॰ स॰ ६८

॥६६॥

रं। इहि। पंथां। यः। ते। स्वः। इतरः। देवऽयानात्। चक्षुष्मते। शृण्वते। ते। ब्रवी
मि। मा। नः। प्रऽजां। रिरिषः। मा। उत। वीरान्। मृत्योः। पदं। योपयंतः। यत। ऐ
त। ०। आऽप्यायमानाः। प्रऽजया। धनेन। शुद्धाः। पूताः। भवत। यज्ञियासः।
इमे। जीवाः। वि। मृतैः। आ। अववृत्रन्। अभूत। भद्रा। देवऽहूतिः। नः। अ
द्य। प्रांचः। अगाम। नृतये। हसाय। ०। इमं। जीवेभ्यः। परिऽधिं। दधामि। मा।
एषां। नु। गात्। अपरः। अर्थं। एतं। शतं। जीवंतु। शरदः। पुरूचीः। अंतः। मृत्युं
दधतां। पर्वतेन। यथा। अहानि। अनुऽपूर्वं। भवंति। यथा। ऋतवः। ऋतुऽ
भिः। यंति। साधु। यथा। न। पूर्वं। अपरः। जहाति। एव। धातः। आयूंषि। कल्पय
य। एषां॥२६॥ ॥आ। रोहत। आयुः। जरसं। वृणानाः। अनुऽपूर्वं। यतमा
नाः। यति। स्थ। इह। त्वष्टा। सुऽजनिमा। सऽजोषाः। दीर्घं। आयुः। करति। जी

राम

॥६६॥

वसे । वः । इमाः । नारीः । अविधवाः । सुऽपत्नीः । आऽअंजनेन । सर्पिषा । सं । वि
शंतु । अनश्रवः । अनमीवाः । सुऽरत्नाः । आ । रोहंतु । जनयः । योनिं । अग्रे । उत् ।
ईर्ष्व । नारि । अभि । जीवऽलोकं । गतऽअसुं । एतं । उप । शेषे । आ । इहि । हस्तऽ
ग्राभस्य । दिधिषोः । तव । इदं । पत्युः । जनिऽत्वं । अभि । सं । बभूथ । धनुः । ह
स्तात् । आऽददानः । मृतस्य । अस्मे इति । क्षत्राय । वर्चसे । बलाय । अत्र । एव ।
त्वं । इह । वयं । सुऽवीराः । विश्वाः । स्पृधः । अभिऽमातीः । जयेम । उप । सर्प । मा
तरं । भूमिं । एतां । उरुऽव्यचसं । पृथिवीं । सुऽशेवां । ऊर्णऽम्रदाः । युवतिः । द
क्षिणाऽवते । एषा । त्वा । पातु । निःऽऋतेः । उपऽस्थात् ॥ २७ ॥ । उत् । श्वंचस्व ।
पृथिवि । मा । नि । बाधथाः । सुऽउपायना । अस्मै । भव । सुऽउपवंचना । माता ।
पुत्रं । यथा । सिचा । अभि । एनं । भूमे । ऊर्णुहि । उत् । श्वंचमाना । पृथिवी । सु । ति

प॰स॰६ ॥ ६७ ॥

स्थूणा ...

स्थतु। सहस्रं। मितः। उप। हि। श्रयंतां। ते। गृहासः। घृतऽश्चुतः। भवंतु। विश्वाहा।
अस्मै। शरणाः। संतु। अत्र। उत। ते। स्तभ्नामि। पृथिवीं। त्वत्। परि। इमं। लोगं। निऽ
दधत्। मो इति। अहं। रिषं। एतां। स्थूणां। पितरः। धारयंतु। ते। अत्र। यमः। सदना। ते। मिनोतु। प्रतीचीनें। मां। अहनि। इष्वाः। पर्णंऽइव। आ। दधुः। प्रतीचीं।
जग्रभ। वाचं। अश्वं। रशनया। यथा॥ २८॥ ॥इतिसप्तमाष्टकेषष्ठोऽ
ध्यायः॥ ॥ॐ॥ ॥नि। वर्त्तध्वं। मा। अनु। गात। अस्मान्। सिसक्त।
रेवतीः। अग्नीषोमा। पुनर्वसू इति पुनःऽवसू। अस्मे इति। धारयतं। रयिं। पुनः।
एनाः। नि। वर्त्तय। पुनः। एनाः। नि। आ। कुरु। इंद्रः। एनाः। नि। यच्छतु। अग्निः। एनाः। उपऽआजतु। पुनः। एताः। नि। वर्त्तंतां। अस्मिन्। पुष्यंतु। गोऽपतौ। इह। एव। अग्ने। नि। धारय। इह। तिष्ठतु। या। रयिः। यत्। निऽयानं। निऽअयनं। संऽज्ञा

राम ॥ ६७ ॥

नं। यत्। परा॑ऽअयनं। आ॑ऽवर्त्तनं॥ निऽवर्त्तनं। यः। गोपाः। अपि। तं। हुवे। यः। उ
तऽआनट्। वि॑ऽअयनं। यः। उतऽआनट्। पराऽअयनं। आऽवर्त्तनं। निऽवर्त्तनं
। अपि। गोपाः। नि। वर्त्ततां। आ॥ निऽवर्त्त। नि। वर्त्तय। पुनः। नः। इंद्र। गाः। देहि।
जीवाभिः। भुनजामहै। परि। वः। विश्वतः। दधे। ऊर्जा। घृतेन। पयसा। ये। दे
वाः। के। च। यज्ञियाः। ते। रय्या। सं। सृजंतु। नः। आ॥ निऽवर्त्तन। वर्त्तय। नि। निऽ
वर्त्तन। वर्त्तय। भूम्याः। चतस्रः। प्रऽदिशः। ताभ्यः। एनाः। नि। वर्त्तय॥ १॥ ॥
भद्रं नो॑ऽअपिवातयमनः॥ अग्निं। ईळे। भुजां। यविष्ठं। शासा। मित्रं। दुःऽध
रीतुं। यस्य। धर्मन्। स्वः। एनीः। सपर्यंति। मातुः। ऊधः। यं। आसा। कृपऽनीळं।
भासाऽकेतुं। वर्धयंति। भ्राजते। श्रेणिऽदन्। अर्यः। विशं। गातुः। एति। प्र। यत्।
आनट्। दिवः। अंतान्। कविः। अभ्रं। दीद्यानः। जुषत। हव्या। मानुषस्य। ऊर्ध्वः।

प॰ स॰ ७

॥ द्वन॥

तस्थौ। ऋभ्वा। यज्ञे। मिन्वन्। सद्म। पुरः। एति। सः। हि। क्षेमः। हविः। यज्ञः। श्रुष्टी
। इत्। अस्य। गातुः। एति। अग्निं। देवाः। वाशीऽमंतं॥ २ ॥ ॥ यज्ञऽसहं। दुवः। इ
षे। अग्निं। पूर्वस्य। शेवस्य। अद्रेः। सूनुं। आयुं। आहुः। नरः। ये। के। च। अस्मत्
। आ। विश्वा। द्युता। ते। वामे। आ। स्थुरितिस्थुः। अग्निं। हविषा। वर्धतः। कृष्णः। श्वे
तः। अरुषः। यामः। अस्य। ब्रध्नः। ऋज्रः। उत। शोणः। यशस्वान्। हिरण्यऽ
रूपं। जनिता। जजान। एव। ते। अग्ने। विऽमदः। मनीषां। ऊर्जः। नपात्। अमृते
भिः। सऽजोषाः। गिरः। आ। वक्षत्। सुऽमतीः। इयानः। इषं। ऊर्जं। सुऽक्षितिं। विश्वं
। आ। अभारित्यभाः॥ ३ ॥ ॥ आ। अग्निं। न। स्ववृक्तिऽभिः। होतारं। त्वा। वृणी
महे। यज्ञाय। स्तीर्णऽबर्हिषे। विऽवः। मदे। शीरं। पावकऽशोचिषं। विवक्षसे। त्वं। ऊं
इति। ते। सुऽआभुवः। शुंभंति। अश्वऽराधसः। वेति। त्वां। उपऽसेचनी। ०। ऋदजीतिः

राम

॥ द्वि॥

।अग्ने।आऽहुतिः।विवक्षसे।त्वे॒इति।धर्माणः।आसते।जुहूभिः।सिञ्चतीःऽ
इव।कृष्णा।रूपाणि।अर्जुना।०।विश्वाः।अधि।श्रियः।धिषे।विवक्षसे।यं।अ
ग्ने।मन्यसे।रयिं।सहसाऽवन्।अमर्त्य।तं।आ।नः।वाजऽसातये।०।यज्ञेषु।
चित्रं।आ।भर।विवक्षसे।अग्निः।जातः।अथर्वणा।विदत्।विश्वानि।काव्या।
भुवत्।दूतः।विवस्वतः।०।प्रियः।यमस्य।काम्यः।विवक्षसे॥४॥ ॥त्वां।यज्ञे
षु।ईळते।अग्ने।प्रऽयति।अध्वरे।त्वं।वसूनि।काम्या।०।विश्वा।दधासि।दा
शुषे।विवक्षसे।०।चारुं।अग्ने।नि।सेदिरे।घृतऽप्रतीकं।मनुषः।०।शुक्रं।चेति
ष्ठं।अक्ष्णऽभिः।विवक्षसे।अग्ने।शुक्रेण।शोचिषा।उरु।प्रथयसे।बृहत्।
अभिऽक्रन्दन्।वृषऽयसे।०।गर्भं।दधासि।जामिषु।विवक्षसे॥५॥ ॥कु
ह।श्रुतः।इन्द्रः।कस्मिन्।अद्य।जने।मित्रः।न।श्रूयते।ऋषीणां।वा।यः।

ऽयं यज्ञेषु ऋ जं

यज्ञाश्वकेअसाम्या

१-स-७ ॥६८॥

क्षये। गुहा। वा। चर्कृषे। गिरा। इह। श्रुतः। इंद्रः। अस्मे इति। अद्य। स्तवे। वज्री
। ऋचीषमः। मित्रः। न। यः। जनेषु। आ। महः। यशः। पतिः। शवसः। असामि।
आ। महः। नृम्णस्य। तूतुजिः। भर्त्ता। वज्रस्य। धृष्णोः। पिता। पुत्रंऽइव। प्रियं। यु
जानः। अश्वा। वातस्य। धुनी इति। देवः। देवस्य। वज्रिऽवः। स्यंता। पथा। विरु
क्मता। सृजानः। स्तोषि। अध्वनः। त्वं। त्या। चित्। वातस्य। अश्वा। आ। अगाः।
ऋज्रा। त्मना। वहध्यै। ययोः। देवः। न। मर्त्यः। यंता। नकिः। विदाय्यः। ६॥ ॥
अध। ग्मंता। उशना। पृच्छते। वां। कत्ऽअर्था। नः। आ। गृहं। आ। जग्मथुः।
पराकात्। दिवः। च। ग्मः। च। मर्त्यं। आ। नः। इंद्र। पृक्षसे। अस्माकं। ब्रह्म। उ
त्ऽयतं। तत्। त्वा। याचामहे। अवः। शुष्णं। यत्। हन्। अमानुषं। अकर्मा। द
स्युः। अभि। नः। अमंतुः। अन्यऽव्रतः। अमानुषः। त्वं। तस्य। अमित्रऽहन्।

स्तो

राम ॥६९॥

वधः। दासस्य। दंभय। त्वं। नः। इंद्र। शूर। शूरैः। उत। त्वा ऽ ऊतासः। बर्हणा। पु
रु ऽ त्रा। ते। वि। पूर्तयः। नवंत। क्षोणयः। यथा। त्वं। तान्। वृत्र ऽ हत्ये। चोदयः। नॄ
न्। कार्पाणे। शूर। वज्रि ऽ वः। गुहा। यदि। कवीनां। विशां। नक्षत्र ऽ शवसां॥ ७॥
॥ ॥ मक्षु। ता। ते। इंद्र। दाना ऽ अप्नसः। आक्षाणे। शूर। वज्रि ऽ वः। यत्। ह। शुष्ण
स्य। दंभयः। जातं। विश्वं। सयावऽ भिः। मा। अकृत्स्नं ऽ कृ। इंद्र। शूर। वस्वीः। अस्मे
इति। भूवन्। अभिष्टयः। वयं ऽ वयं। ते। आसां। सुम्ने। स्याम। वज्रि ऽ वः। अस्मे
इति। ता। ते। इंद्र। संतु। सत्या। अहिंसंतीः। उप ऽ स्पृशः। विद्याम। यासां। भुजः।
धेनूनां। न। वज्रि ऽ वः। अहस्ता। यत्। अपदी। वर्धत। क्षाः। शचीभिः। वेद्यानां।
शुष्णं। परि। प्र ऽ दक्षिणित्। विश्व ऽ आयवे। नि। शिश्नथः। १०। मा। रिष्ण्यः। व
सवान। वसुः। सन्। उत। त्रायस्व। गृणतः। मघोनः। महः। च। रायः। रेवतः। कृधि।

पिबापिबेदिंद्रशुरसोमं

प॰स॰७ ॥७०॥

नः॥ ८ ॥ ॥यजामहे।इंद्रं।वज्रऽदक्षिणं।हरीणां।रथ्यं।विऽव्रतानां।प्र।श्मश्रु।दोधुवत्।ऊर्ध्वऽथा।भूत्।वि।सेनाभिः।दयमानः।वि।राधसा।हरीइति।नु।अस्य।या।वने।विदे।वसु।इंद्रः।मघैः।मघऽवा।वृत्रऽहा।भुवत्।ऋभुः।वाजः।ऋभुक्षाः।पत्यते।शवः।अव।क्ष्णौमि।दासस्य।नाम।चित्।यदा।वज्रं।हिरण्यं।इत्।अथ।रथं।हरीइति।यं।अस्य।वहतः।वि।सूरिऽभिः।आ।तिष्ठति।मघऽवा।सनऽश्रुतः।इंद्रः।वाजस्य।दीर्घऽश्रवसः।पतिः।सोइति।चित्।नु।वृष्टिः।यूथ्या।स्वा।सचा।इंद्रः।श्मश्रूणि।हरिता।अभि।प्रुष्णुते।अव।वेति।सुऽक्षयं।सुते।मधु।उत्।इत्।धूनोति।वातः।यथा।वनं।यः।वाचा। राम

विऽवाचः।मृध्रऽवाचः।पुरु।सहस्रा।अशिवा।जघान।०।पिता।इव।यः। ॥७०॥

तविषीं।ववृधे।शवः।स्तोमं।ते।इंद्र।विऽमदाः।अजीजनन्।अपूर्व्यं।पुरु।

तन्नदिदस्यपौंस्यंगृणमसि

अस्मे ते संतु सख्या शिवानि

तमे। सुऽदानवे। विप्र। हि। अस्य। भोजनं। इनस्य। यत्। आ। पशुं। न। गोपाः। करामहे। माकिः। नः। एना। सख्या। वि। योषुः। तव। च। इंद्र। विऽमदस्य। च। ऋषेः। विद्म। हि। ते। प्रऽमतिं। देव। जामिऽवत्। ०॥ २ ॥ ॥ इंद्र। सोमं। इमं। पिब। मधुऽमंतं। चमूइति। सुतं। ०। सहास्त्रिणं। पुरुवसोइतिपुरुऽवसो। विवक्षसे। त्वां। यज्ञेभिः। उक्थैः। उप। हव्येभिः। ईमहे। शचीऽपते। शचीनां। ०। श्रेष्ठं। नः। धेहि। वार्यं। विवक्षसे। यः। पतिः। वार्याणां। असि। रध्रस्य। चोदिता। इंद्र। स्तोतॄणां। अविता। ०। द्विषः। नः। पाहि। अंहसः। विवक्षसे। युवं। शक्रा। मायाऽविना। समीचीइतिसं। ईची। निः। अमंथतं। विऽमदेन। यत्। ईळिता। नासत्या। निः। ऽअमंथतं। विश्वे। देवाः। अकृपंत। सं। ईच्योः। निः। ऽपतंत्योः। नासत्यौ। अब्रुवन्। देवाः। पुनः। आ। वहतात्। इति। मधुऽमत्। मे। पराऽअयनं। मधुऽमत्। पुनः। आऽअयनं। ता। नः। देवा। देवत

३ अधा ते सख्ये अंधसो वि वो मदे

प॰ स॰ ८
॥७१॥

या। युवं। मधुऽमतः। कृतं॥ १० ॥ ॥ भद्रं। नः। अपि। वातय। मनः। दक्षं। उत। क्रतुं। अ
धा। ते। सख्ये। अंधसः। ० रणन्। गावः। न। यवसे॥ विवक्षसे। हृदिऽस्पृशः। ते। आ
सते। विश्वेषु। सोम। धामऽसु। अध। कामाः। इमे। मम। ०। वि। तिष्ठंते। वसुऽयवः।
विवक्षसे। उत। व्रतानि। सोम। ते। प्र। अहं। मिनामि। पाक्या। अध। पिताऽइव। सून
वे। ० मृळ। नः। अभि। चित्। वधात्। विवक्षसे। सं। ऊं इति। प्र। यंति। धीतयः। स
र्गासः। अवतान्ऽइव। क्रतुं। नः। सोम। जीवसे। ० धारय। चमसान्ऽइव। विवक्षसे
। तव। त्ये। सोम। शक्तिऽभिः। निऽकामासः। वि। ऋण्विरे। गृत्सस्य। धीराः। ० व्रजं। गोऽ
मंतं। अश्विनं। विवक्षसे॥ ११ ॥ ॥ पशुं। नः। सोम। रक्षसि। पुरुऽत्रा। विऽस्थितं।
जगत्। सं। ऽआकृणोषि। जीवसे। ० विश्वा। संऽपश्यन्। भुवना। विवक्षसे। त्वं। नः।
सोम। विश्वतः। गोपाः। अदाभ्यः। भव। सेध। राजन्। अप। स्रिधः। ० मा। नः। दुःऽशं

तवसः। राम
॥७१॥

सः।ईशान।विवक्षसे।०।सुऽक्रतुः।वयःऽधेयाय।जागृहि।क्षेत्रवित्ऽतरः।मनुषः
।०।द्रुहः।नः।पाहि।अंहसः।विवक्षसे।त्वं।नः।वृत्रहन्ऽतम।इंद्रस्य।इंदो।इति।शिवः।
सखा।यत्।सीं।हवंते।संऽइथे।०।युध्यमानाः।तोकऽसातौ।विवक्षसे।अयं।घ।सः
।तुरः।मदः।इंद्रस्य।वर्धत।प्रियः।अयं।कक्षीवतः।मद्धः।०।मतिं।विप्रस्य।वर्धयत्।
विवक्षसे।अयं।विप्राय।दाशुषे।वाजान्।इयर्ति।गोऽमतः।अयं।सप्तऽभ्यः।आ
।वरं।०।प्र।श्रोणं।अंधं।श्रोणं।च।तारिषत्।विवक्षसे॥१२॥ ॥प्र।हि।अच्छ।मनीषाः।
स्पार्हाः।यंति।निऽयुतः।प्र।दस्रा।नियुत्ऽरथः।पूषा।अविष्टु।माहिनः।यस्य।त्यत्
।महिऽत्वं।वाताप्यं।अयं।जनः।विप्रः।आ।वंसत।धीतिऽभिः।चिकेत।सुऽस्तुती
नां।सः।वेद।सुऽस्तुतीनां।इंदुः।न।पूषा।वृषा।अभि।शुरः।प्रुषायति।व्रजं।नः।आ
।प्रुषायति।मंसीमहि।त्वा।वयं।अस्माकं।देव।पूषन्।मतीनां।च।साधनं।विप्राणां।

प॰स॰७
॥८२॥

च।आऽधर्वं।प्रति॑ऽआङ्गूः।यज्ञानां।अश्वऽहयः।रथानां।ऋषिः।सः।यः।मनुःऽ
हितः।विप्रस्य।यवयत्ऽसखः॥१३॥ ॥आऽधीषमाणायाः।पतिः।शुचायाः।
च।शुचस्य।च।वासःऽवायः।अवीनां।आ।वासांसि।मर्मृजत्।इनः।वाजानां।पतिः।
इनः।पुष्टीनां।सखा।प्र।श्मश्रु।हर्यतः।दूधोत्।वि।वृथा।यः।अदाभ्यः।आ।ते।र
थस्य।पूषन्।अजाः।धुरं।ववृत्युः।विश्वस्य।अर्थिनः।सखा।सनःऽजाः।अनपऽच्यु
तः।अस्माकं।ऊर्ध्वा।रथं।पूषा।अविष्टु।माहिनः।भुवत्।वाजानां।वृधः।इमं।नः।
शृणवत्।हवं॥१४॥ ॥असत्।सु।मे।जरितरिति।सः।अभिऽवेगः।यत्।सुन्वते।
यजमानाय।शिक्षं।अनाशीःऽदां।अहं।अस्मि।प्रऽहंता।सत्यऽध्वृतं।वृजिनऽयं
तं।आभुं।यदि।इत्।अहं।युधये।संऽनयानि।अदेवऽयून्।तन्वा।शूशुजानान्।
अम।ते।तुम्रं।वृषभं।पचानि।तीव्रं।सुतं।पंचऽदशं।नि।सिंचं।न।अहं।तं।वेद।

राम
॥८२॥

यः। इति। ब्रवीति। अदेवऽयून्। संऽअरणे। जघन्वान्। यदा। अवऽअख्यत्। संऽअ
रणं। ऋघावत्। आत्। इत्। हु। मे। वृषभा। प्र। ब्रुवंति। यत्। अज्ञातेषु। वृजनेषु। आ
सं। विश्वे। सतः। मघऽवानः। मे। आसन्। जिनामि। वा। इत्। क्षेमे। आ। संतं। आभुं।
प्र। तं। क्षिणां। पर्वते। पादऽगृह्य। न। वै। ऊं इति। मां। वृजने। वारयंते। न। पर्वतासः। य
त्। अहं। मनस्ये। मम। स्वनात्। कृधुऽकर्णः। भयाते। एव। इत्। अनु। द्यून्। किरणः।
सं। एजात्॥ १५॥ ॥ दर्शन्। नु। अत्र। शृतऽपान्। अनिंद्रान्। बाहुऽक्षदः। शरवे। प
त्यमानान्। घृषुं। वा। ये। निनिदुः। सखायं। अधि। ऊं इति। नु। एषु। पवयः। ववृत्युः
। अभूः। ऊं इति। औक्षीः। वि। ऊं इति। आयुः। आनट्। दर्षत्। नु। पूर्वः। अपरः। नु। द
र्षत्। द्वे इति। पवस्ते इति। परि। तं। न। भूतः। यः। अस्य। पारे। रजसः। विवेष। गावः। य
वं। प्रऽयुताः। अर्यः। अक्षन्। ताः। अपश्यं। सहऽगोपाः। चरंतीः। हवाः। इत्। अर्यः।

प॰ स॰ ८
॥ ७३ ॥

अभितः। सं। आयन्। कियत्। आसु। स्वऽपतिः। छंदयाते। सं। यत्। वयं। युवसऽ
अदः। जनानां। अहं। यवऽअदः। उरुऽअज्ज्रे। अंतरिति। अत्र। युक्तः। अवऽसाता
रं। इच्छात्। अथो इति। अयुक्तं। युनजत्। ववन्वान्। अत्र। इत्। ऊं इति। मे। मंससे।
सत्यं। उक्तं। द्विऽपात्। च। यत्। चतुःऽपात्। सऽसृजानि। स्त्रीभिः। यः। अत्र। वृष
णं। पृतन्यात्। अयुद्धः। अस्य। वि। भजानि। वेदः॥ १६ ॥ ॥ यस्य। अनक्षा। दुहिता।
जातु। आस। कः। तां। विद्वान्। अभि। मन्याते। अंधां। कतरः। मेनिं। प्रति। तं। मुचा
ते। यः। ईं। वहाते। यः। ईं। वा। वरेऽयात्। कियती। योषा। मर्यतः। वधूऽयोः। परिऽ
प्रीता। पन्यसा। वार्येण। भद्रा। वधूः। भवति। यत्। सुऽपेशाः। स्वयं। सा। मित्रं। वनुते
। जने। चित्। पत्तः। जगार। प्रत्यंचं। अत्ति। शीर्ष्णा। शिरः। प्रति। दधौ। वरूथं। आसी
नः। ऊर्ध्वां। उपसि। क्षिणाति। न्यङ्। उत्तानां। अनु। एति। भूमिं। बृहन्। अछायः।

राम
॥ ७३ ॥

अन्यस्या वत्सं रिहती मिमाय कया भुवा निदधे धेनुरूधः

अपक्षाशः। अवी। तस्थौ। माता। वि॒ऽसि॑तः। अ॒न्नि॑। गर्भः। वसम्न। वीरासः। अध रात्। उत। आयन्। अष्ट। उत्तरान्तात्। स। अजगिभरन्। ते। नव। पश्चातात्। स्थिविमंतः। आयन्। दश। प्राक्। सानु। वि। तिरति। अश्नः॥ १८॥ ॥ दशानां। एकं। कपिलं। समानं। तं। हिन्वंति। क्रतवे। पार्याय। गर्भं। माता। सुऽधितं। वक्षणासु। अवेनंतं। तुषयंती। बिभर्त्ति। पीवानं। मेषं। अपचंत। वीराः। निऽउप्ताः। अक्षाः। अनु। दीवे। आसन्। द्वा। धनुं। बृहती। अपःऽसु। अंतः। इति। पवित्रऽवंता। चरतः। पुनंता। विऽक्रोशनासः। विष्वंचः। अयन्। पचाति। नेमः। नहि। पक्षत। अर्धः। अयं। मे। देवः। सविता। तत्। आह। द्रुऽअन्नः। इत्। वनवत्। सर्पिःऽअन्नः। अपश्यं। ग्रामं। वहमानं। आरात्। अचक्रया। स्वधया। वर्त्तमानं। सिसक्ति। अर्यः। प्रा। युगा। जनानां। सद्यः। शिश्ना। प्रऽमिनानः। नवीयान्। एतौ। मे। गावौ। प्रऽमर

प॰ स॰ ७
॥७४॥

स्या। युक्तौ। मोदइति। सुऽप्र। सेधीः। मुदुः। इत्। ममंधि। आपः। चित्। अस्य। वि। न
शंति। अर्थं। सूरः। च। मर्कः। उपरः। बभूवान्॥ १८ ॥ ॥ अयं। यः। वज्रः। पुरुधा।
विऽवृत्तः। अवः। सूर्यस्य। बृहतः। पुरीषात्। श्रवः। इत्। एना। परः। अन्यत्। अ
स्ति। तत्। अव्यथी। जरिमाणः। तरंति। वृक्षेऽवृक्षे। निऽयता। मीमयत्। गौः। त
तः। वयः। प्र। पतान्। पुरुषऽअदः। अथ। इदं। विश्वं। भुवनं। भयाते। इंद्राय। सुन्व
त्। ऋषये। च। शिक्षत्। देवानां। माने। प्रथमाः। अतिष्ठन्। कृंतत्रात्। एषां। उपराः।
। उत्। आयन्। त्रयः। तपंति। पृथिवीं। अनूपाः। द्वा। बृबूकं। वहतः। पुरीषं। सा।
ते। जीवातुः। उत। तस्य। विद्धि। मा। स्म। एतादृक्। अप। गूहः। संऽमर्ये। आविः।
स्वः। इति स्वः। कृणुते। गूहते। बुसं। सः। पादुः। अस्य। निःऽनिजः। न। मुच्यते॥ २॥ ॥७४॥
॥ ॥ विश्वः। हि। अन्यः। अरिः। आऽजगाम। मम। इत्। अह। श्वशुरः। न। आ। ज

रम

गाम्। जक्षीयात्। धानाः। उत। सोमं। पपीयात्। सुऽआशितः। पुनः। अस्तं। जगाया

त्। असः। रोरुवत्। वृषभः। तिग्मऽशृंगः। वर्ष्मन्। तस्थौ। वरिमन्। आ। पृथिव्याः

। विश्वेषु। एनं। वृजनेषु। पामि। यः। मे। कुक्षी इति। सुतऽसोमः। पृणाति। अद्रि

णा। ते। मंदिनः। इंद्र। तूयान्। सुन्वंति। सोमान्। पिबसि। त्वं। एषां। पचंति। ते। वृ

षभान्। अत्सि। तेषां। पृक्षेण। यत्। मघऽवन्। हूयमानः। इदं। सु। मे। जरितः।

आ। चिकिद्धि। प्रतिऽईपं। शापं। नद्यः। वहंति। लोपाशः। सिंहं। प्रत्यंचं। अत्सा

रिति। क्रोष्टा। वराहं। निः। अतक्त। कक्षात्। कथा। ते। एतत्। अहं। आ। चिकेतं

। गृत्सस्य। पाकः। तवसः। मनीषां। त्वं। नः। विद्वान्। ऋतुऽथा। वि। वोचः। यत्।

अर्धं। ते। मघऽवन्। क्षेम्या। धूः। एव। हि। मां। तवसं। वर्धयंति। दिवः। चित्।

मे। बृहतः। उत्ऽतरा। धूः। पुरु। सहस्रा। नि। शिशामि। साकं। अशत्रुं। हि। मां।

प-स १७
॥७५॥

जनिता। तत्। जजान॥ २०॥ ॥०॥ जज्ञुः। उग्रं। कर्मन्ऽकर्मन्। वृषणं। इंद्रं। देवाः। व
र्धी। वृत्रं। वज्रेण। मंदसानः। अप। व्रजं। महिना। दाशुषे। वं। देवासः। आयन्। प्र
रस्तन्। अबिभ्रन्। वना। वृश्चंतः। अभि। विट्ऽभिः। आयन्। नि। सुऽद्रुं। दधतः।
वक्षणासु। यत्र। कृपीटं। अनु। तत्। दहंति। शशः। क्षुरं। प्रत्यंचं। जगार। अद्रिं।
लोगेन। वि। अभेदं। आरात्। बृहंतं। चित्। ऋहते। रंधयानि। वयत्। वत्सः। वृ
षभं। शशुवानः। सुऽपर्णः। इत्था। नरवं। आ। सिसाय। अवऽरुद्धः। परिऽपदं। न।
सिंहः। निऽरुद्धः। चित्। महिषः। तर्ष्याऽवान्। गोधा। तस्मै। अयथं। कर्षत्। ए
तत्। तेभ्यः। गोधाः। अयथं। कर्षत्। एतत्। ये। ब्रह्मणः। प्रतिऽपीयंति। अन्नैः।
सिमः। उक्ष्णः। अवऽसृष्टान्। अदंति। स्वयं। बलानि। तन्वः। शृणानाः। एते। श
मीभिः। सुऽशमी। अभूवन्। ये। हिन्विरे। तन्वः। सोमे। उक्थैः। नृऽवत्। वदन्। उ

राम
॥७५॥

पा। नः। माहि। वाजान्। दिवि। श्रवः। दधिषे। नाम। वीरः॥ २१॥ ॥वने। न। वा। यः। नि
। अधायि। चाकन्। शुचिः। वां। स्तोमः। भुरणौ। अजीगरिति। यस्य। इत्। इंद्रः। पुरुऽ
दिनेषु। होता। नृणां। नर्यः। नृऽतमः। क्षपाऽवान्॥ प्र। ते। अस्याः। उषसः। प्र। अपरस्याः
। नृतौ। स्याम। नृऽतमस्य। नृणां। अनु। त्रिऽशोकः। शतं। आ। अवहत्। नॄन्। कुत्सेन।
रथः। यः। असत्। ससऽवान्॥ कः। ते। मदः। इंद्र। रंत्यः। भूत्। दुरः। गिरः। अभि। उ
ग्रः। वि। धाव। कत्। वाहः। अर्वाक्। उप। मा। मनीषा। आ। त्वा। शक्याः। उपऽमं। रा
धः। अन्नैः॥ कत्। ऊं इति। द्युम्नं। इंद्र। त्वाऽवतः। नॄन्। कया। धिया। करसे। कत्।
नः। आ। अगन्॥ मित्रः। न। सत्यः। उरुऽगाय। भृत्यै। अन्ने। समस्य। यत्। असन्। म
नीषाः॥ प्र। ईरय। सूरः। अर्थं। न। पारं। ये। अस्य। कामं। जनिधाःऽइव। ग्मन्॥ गिरः।
च। ये। ते। तुविऽजात। पूर्वीः। नरः। इंद्र। प्रतिऽशिक्षंति। अन्नैः॥ २२॥ ॥मात्रे इति।

प॰ स॰ ७
॥ ७६ ॥

नुऽते। सुमितेइतिसुऽमिते। इंद्र। पूर्वऽइति। द्यौः। मज्मना। पृथिवी। काव्येन। वरा
यऽते। घृतऽवंतः। सुतासः। स्वाद्मन्। भवंतु। पीतये। मधूनि। आ। मध्वः। अस्मै। अ
सिच्रन्। अमत्रं। इंद्राय। पूर्णं। सः। हि। सत्यऽराधाः। सः। ववृधे। वरिमन्। आ। पृ
थिव्याः। अभि। क्रत्वा। नर्यः। पौंस्यैः। च। वि। आनट्। इंद्रः। पृतनाः। सुऽओजाः। आ
। अस्मै। यतंते। सख्याय। पूर्वीः। आ। स्म। रथं। न। पृतनासु। तिष्ठ। यं। भद्रया। सुऽ
मत्या। चोदयासे॥ २२ ॥ ॥ प्र। देवऽत्रा। ब्रह्मणे। गातुः। एतु। अपः। अच्छ। मनसः।
न। प्रऽयुक्ति। महीं॥ मित्रस्य। वरुणस्य। धासिं। पृथुऽज्रयसे। रीरध। सुऽवृक्तिं। अध्व
र्यवः। हविष्मंतः। हि। भूत। अच्छ। अपः। इत। उशतीः। उशंतः। अव। याः। चष्टे। अ
रुणः। सुऽपर्णः। तं। आ। अस्यध्वं। ऊर्मिं। अद्य। सुऽहस्ताः। अध्वर्यवः। अपः। इ
त। समुद्रं। अपां। नपातं। हविषा। यजध्वं। सः। वः। ददत्। ऊर्मिं। अद्य। सुऽपूतं। त

राम
॥ ७६ ॥

स्मै।सोमं।मधुऽमंतं।सुनोत।यः।अनिध्मः।दीदयत्।अप्ऽसु।अंतः।यं।विप्रा
सः।ईळते।अध्वरेषु।अपां।नपात्।मधुऽमतीः।अपः।दाः।याभिः।इंद्रः।ववृ
धे।वीर्याय।याभिः।सोमः।मोदति।हर्षते।च।कल्याणीभिः।युवतिऽभिः।
न।मर्यः।ताः।अध्वर्योइति।अपः।अच्छ।परा।इहि।यत्।आऽसिंचाः।ओषधी
भिः।पुनीतात्॥२४॥ ॥एव।इत्।यूने।युवतयः।नमंत।यत्।ईं।उशन्।उश
तीः।एति।अच्छ।सं।जानते।मनसा।सं।चिकित्रे।अध्वर्यवः।धिषणा।आपः
च।देवीः।यः।वः।वृताभ्यः।अकृणोत्।ऊंइति।लोकं।यः।वः।मह्याः।अ
भिऽशस्तेः।अमुंचत्।तस्मै।इंद्राय।मधुऽमंतं।ऊर्मिं।देवऽमादनं।प्र।हिणो
तन।आपः।प्र।अस्मै।हिनोत।मधुऽमंतं।ऊर्मिं।गर्भः।यः।वः।सिंधवः।
मध्वः।उत्सः।घृतऽपृष्ठं।ईड्यं।अध्वरेषु।आपः।रेवतीः।शृणुत।हवं।मे।

प॰ स॰ ७

॥ ७६ ॥

तं। सिंधवः। मत्सरं। इंद्रऽपानं। ऊर्मिं। प्र। हेत। यः। उभे इति। इयर्ति। मदऽच्यु
तं। औशानं। नभः। ऽजां। परि। त्रिऽतंतुं। विऽचरंतं। उत्सं। आऽवर्तंतीः। अध। नु।
द्विऽधाराः। गोषुऽयुधः। न। निऽयवं। चरंतीः। ऋषे। जनित्रीः। भुवनस्य। पत्नीः।
अपः। वंदस्व। सऽवृधः। सऽयोनीः ॥ २५ ॥ ॥ हिनोत। नः। अध्वरं। देवऽयज्या। हि
नोत। ब्रह्म। सनये। धनानां। ऋतस्य। योगे। वि। स्यध्वं। ऊधः। श्रुष्टीऽवरीः। भूतन।
अस्मभ्यं। आपः। आपः। रेवतीः। क्षयथ। हि। वस्वः। क्रतुं। च। भद्रं। बिभृथ। अमृतं।
च। रायः। च। स्थ। सुऽअपत्यस्य। पत्नीः। सरस्वती। तत्। गृणते। वयः। धात्। प्रति। य
त्। आपः। अदृश्रं। आऽयतीः। घृतं। पयांसि। बिभ्रतीः। मधूनि। अध्वर्युऽभिः। म
नसा। संऽविदानाः। इंद्राय। सोमं। सुऽसुतं। भरंतीः। आ। इम्नाः। अगमन्। रेवतीः। जी
वऽधन्याः। अध्वर्यवः। सादयत। सखायः। नि। बर्हिषि। धत्तन। सोम्यासः। अपां।

राम

॥ ७६ ॥

नम्रा। संऽविदानासः। एनाः। आ। अग्मन्। आपः। उशतीः। बर्हिः। आ। इदं। नि।
अध्वरे। असदन्। देवऽयंतीः। अध्वर्यवः। सुनुत। इंद्राय। सोमं। अभूत्। ऊं इति। वः।
सुऽशक्ता। देवऽयज्या ॥ २६ ॥ ॥ आ। नः। देवानां। उप। वेतु। शंसः। विश्वेभिः। तुरैः।
अवसे। यजत्रः। तेभिः। वयं। सुऽसखायः। भवेम। तरंतः। विश्वा। दुःऽइता। स्याम।
परि। चित्। मर्त्तः। द्रविणं। ममन्यात्। ऋतस्य। पथा। नमसा। आ। विवासेत्।
उत। स्वेन। क्रतुना। सं। वदेत। श्रेयांसं। दक्षं। मनसा। जगृभ्यात्। अधायि। धीतिः।
। असस्रग्र। अंशाः। तीर्थे। न। दस्मं। उप। यंति। ऊर्माः। अभि। आनेश्म। सुवितस्य
। शूषं। नवेदसः। अमृतानां। अभूम। नित्यः। चाकन्यात्। स्वऽपतिः। दमूनाः। य
स्मै। ऊं इति। देवः। सविता। जजान। भगः। वा। गोभिः। अर्यमा। ईं। अनज्यात्। सः।
। अस्मै। चारुः। छदयत्। उत। स्यात्। इयं। सा। भूयाः। उषसांऽइव। क्षाः। यत्। ह।

प॰स॰२
॥७८॥

क्रत्ऽमंतः। शवसा। संऽआयन्। अस्य। स्तुतिं। जरितुः। भिक्षमाणाः। आ। नः। शग्मा
सः। उप। यंतु। वाजाः॥२०॥ ॥अस्य। इत्। एषा। सुऽमतिः। पप्रथाना। अभवत्। पू
र्व्या। भूमना। गौः। अस्य। सऽनीळाः। असुरस्य। योनौ। समाने। आ। भरणे। बिभ्र
माणाः॥ किं। स्वित्। वनं। कः। ऊं इति। सः। वृक्षः। आस। यतः। द्यावापृथिवी इति। निःऽ
ततक्षुः। संतस्थाने इति संऽतस्थाने। अजरे इति। इतऊती इति इतःऽऊती। अहानि
पूर्वीः। उषसः। जरंत। न। एतावत्। एना। परः। अन्यत्। अस्ति। उक्षा। सः। द्यावापृ
थिवी इति। बिभर्ति। त्वचं। पवित्रं। कृणुत। स्वधाऽवान्। यत्। ईं। सूर्यं। न। हरितः।
वहंति। स्तेगः। न। क्षां। अति। एति। पृथ्वीं। मिहं। न। वातः। वि। ह। वाति। भूम। मि
त्रः। यत्र। वरुणः। अज्यमानः। अग्निः। वने। न। वि। असृष्ट। शोकं। स्तरीः। यत्। असू
त। सद्यः। अज्यमाना। व्यथिः। अव्यथीः। कृणुत। स्वऽगोपा। पुत्रः। यत्। पूर्वः। पि

इति

रम
॥७८॥

त्रोः। जनिष्ट। शम्यां। गौः। जगार। यत्। ह। पृच्छान्। उत। कण्वं। नृऽसदः। पुत्रं। आ
हुः। उत। श्यावः। धनं। आ। अदत्त। वाजी। प्र। कृष्णाय। रुशत्। अपिन्वत। ऊधः। ऋ
तं। अत्र। नकिः। अस्मै। अपीपेत्॥ २८॥ ॥ प्र। सु। ग्मंता। धियसानस्य। सक्षणि
। वरेभिः। वरान्। अभि। सु। प्रऽसीदतः। अस्माकं। इंद्रः। उभयं। जुजोषति। यत्।
सोम्यस्य। अंधसः। बुबोधति। वि। इंद्र। यासि। दिव्यानि। रोचना। वि। पार्थि
वानि। रजसा। पुरुऽस्तुत। ये। त्वा। वहंति। मुहुः। अध्वरान्। उप। ते। सु। वन्वंतु।
वग्वनान्। अराधसः। तत्। इत्। मे। छंत्सत्। वपुषः। वपुःऽतरं। पुत्रः। यत्। जा
नं। पित्रोः। अधिऽइयति। जाया। पतिं। वहति। वग्नुना। सुऽमत्। पुंसः। इत्। भ
द्रः। वहतुः। परिऽकृतः। तत्। इत्। सधऽस्थं। अभि। चारु। दीधय। गावः। यत्। शा
सन्। वहतुं। न। धेनवः। माता। यत्। मंतुः। यूथस्य। पूर्व्या। अभि। वाणस्य। सं

प॰स॰ ७
॥७८॥

प्रऽधातुः। इत। जनः। प्रऽवः। अच्छ। रिरिचे। देवऽयुः। पदं। एकः। रुद्रेभिः। याति।
तुर्वणिः। जरा। वा। येषु। अमृतेषु। दावने। परि। वः। ऊमेभ्यः। सिंचत। मधु॥ २९॥
॥ ॥निऽधीयमानं। अपऽगूळ्हं। अप्ऽसु। मे। अक्षेत्रऽवित्। क्षेत्रऽविदं। हि। अ
प्राट्। सः। प्र। एति। क्षेत्रऽविदा। अनुऽशिष्टः। एतत्। वै। भद्रं। अनुऽशासनस्य।
उत। स्रुतिं। विंदति। अंजसीनां। अद्य। इत्। ऊं इति। प्र। आनीत्। अममन्। इमाः।
अह्ना। अपिऽवृतः। अधयत्। मातुः। ऊधः। आ। ईं। एनं। आप। जरिमा। युवानं।
अहेळन्। वसुः। सुऽमनाः। बभूव। एतानि। भद्रा। कलशाः। क्रियाम। कुरुऽश्रव
णाः। ददतः। मघानि। दानः। इत्। वः। मघऽवानः। सः। अस्तु। अयं। च। सोमः। हृ
दि। यं। बिभर्मि॥ ३०॥ ॥इतिसप्तमाष्टकेसप्तमोऽध्यायः॥

राम
॥७८॥

॥ ॥ॐ॥ ॥प्र। मा। युयुज्रे। प्रऽयुजः। जनानां। वहामि। स्म। पूषणं।

सं मा तपंत्यभितः सपत्नीरिव पर्शवः

मूषो न शिश्ना०

अंतरेण। विश्वे। देवासः। अध। मां। अरक्षन्। दुः ऽ शासुः। आ। अगात्। इति। घोषः। आसीत्। ०। नि। बाधते। अमतिः। नग्नता। जसुः। वेः। न। वेवीयते। मतिः। ०। सकृत्। सु। नः। मघ ऽ वन्। इंद्र। मृळय। अध। पिता ऽ इव। नः। भव। कुरु ऽ श्रवणं। अवृणि। राजानं। त्रासदस्यवं। मंहिष्ठं। वाघतां। ऋषिः। यस्य। मा। हरितः। रथे। तिस्रः। वहंति। साधु ऽ या। स्तवै। सहस्र ऽ दक्षिणे॥ १॥ ॥ यस्य। प्र ऽ स्वादसः। गिरः। उपम ऽ श्रवसः। पितुः। क्षेत्रं। न। रण्वं। ऊचुषे। अधि। पुत्र। उपम ऽ श्रवः। नपात्। मित्र ऽ अतिथेः। इहि। पितुः। ते। अस्मि। वंदिता। यत्। ईशीय। अमृतानां। उत। वा। मर्त्यानां। जीवेत्। इत्। मघ ऽ वा। मम। न। देवानां। अति। व्रतं। शत ऽ आत्मा। चन। जीवति। तथा। युजा। वि। वव‍ृते॥ २॥ ॥ प्र। आवेपाः। मा। बृहतः। मादयंति। प्रवाते ऽ जाः। इरिणे। वर्वृतानाः। सोमस्य ऽ इव। मौजऽवतस्य।

प॰स॰८
॥८०॥

भक्षः। विऽभीदकः। जागृविः। मह्यं। अच्छान्। न। मा। मिमेथ। न। जिहीळे। एषा। शिवा। सखिऽभ्यः। उत। मह्यं। आसीत्। अक्षस्य। अहं। एकऽपरस्य। हेतोः। अनुऽव्रतां। अप। जायां। अरोधं। द्वेष्टि। श्वश्रूः। अप। जाया। रुणद्धि। न। नाथितः। विंदते। मर्डितारं। अश्वस्यऽइव। जरतः। वस्न्यस्य। न। अहं। विंदामि। कितवस्य। भोगं। अन्ये। जायां। परि। मृशंति। अस्य। यस्य। अगृधत्। वेदने। वाजी। अक्षः। पिता। माता। भ्रातरः। एनं। आहुः। न। जानीमः। नयत। बद्धं। एतं। यत्। आऽदीध्ये। न। दविषाणि। एभिः। परायत्ऽभ्यः। अव। हीये। सखिऽभ्यः। निऽउप्ताः। च। बभ्रवः। वाचं। अक्रत। एमि। इत्। एषां। निःऽकृतं। जारिणीऽइव॥ ३॥ ॥ सभां। एति। कितवः। पृच्छमानः। जेष्यामि। इति। तन्वा। शूशुजानः। अक्षासः। अस्य। वि। तिरंति। कामं। प्रतिऽदीव्ने। दधतः। आ। कृतानि। अ

राम
॥८०॥

क्षास:। ध्रुवा। अंकुशिन:। नि ऽ तोदिन:। नि ऽ कृत्वान:। तपना:। तापयि ष्णव:। कु
मार ऽ देष्णा:। जयत:। पुन: ऽ हन:। मध्वा। सं ऽ पृक्ता:। कितवस्य। बर्हणा। त्रि ऽ पं
चाश:। क्रीळति। व्रात:। एषां। देव: ऽ इव। सविता। सत्य ऽ धर्मा। उग्रस्य। चित्। म
न्यवे। न। नमंते। राजा। चित्। एभ्य:। नम:। इत्। कृणोति। नीचा। वर्त्तंते। उपरि
। स्फुरंति। अहस्तास:। हस्त ऽ वंतं। सहंते। दिव्या:। अंगारा:। इरिणे। नि ऽ उप्ता:
। शीता:। संत:। हृदयं। नि:। दहंति। जाया। तप्यते। कितवस्य। हीना। माता। पुत्र
स्य। चरत:। क्व। स्वित्। ऋण ऽ वा। बिभ्यत्। धनं। इच्छमान:। अन्येषां। अस्तं।
उप। नक्तं। एति॥ १० ॥ ॥स्त्रियं। दृष्ट्वाय। कितवं। तताप। अन्येषां। जायां। सु ऽ कृ
तं। च। योनिं। पूर्वाह्णे। अश्वान्। युयुजे। हि। बभ्रून्। स:। अग्ने:। अंते। वृषल:।
पपाद। य:। व:। सेना ऽ नी:। महत:। गणस्य। राजा। व्रातस्य। प्रथम:। बभूव। त

प॰ स॰ ८
॥ ८१ ॥

स्मै। कृणोमि। न। धना। रुणध्मि। दश। अहं। प्राचीः। तत्। ऋतं। वदामि। अक्षैः।
मा। दीव्यः। कृषिं। इत्। कृषस्व। वित्ते। रमस्व। बहु। मन्यमानः। तत्र। गावः। कि
तव। तत्र। जाया। तत्। मे। वि। चष्टे। सविता। अयं। अर्यः। मित्रं। कृणुध्वं। खलु।
मृळत। नः। मा। नः। घोरेण। चरत। अभि। धृष्णु। नि। वः। नु। मन्युः। विशतां। अ
रातिः। अन्यः। बभ्रूणां। प्रऽसितौ। नु। अस्तु ॥ ५ ॥ ॥ अबुध्रं। ऊं इति। त्ये। इंद्रऽ
वंतः। अग्नयः। ज्योतिः। भरंतः। उषसः। विऽअष्टिषु। मही इति। द्यावापृथिवी इति
। चेततां। अपः। अद्य। देवानां। अवः। आ। वृणीमहे। दिवः। पृथिव्योः। अवः। आ। वृ
णीमहे। मातॄन्। सिंधून्। पर्वतान्। शर्यणाऽवतः। अनागाःऽत्वं। सूर्यं। उषसं। ई
महे। भद्रं। सोमः। सुवानः। अद्य। कृणोतु। नः। द्यावा। नः। अद्य। पृथिवी इति। अ
नागसः। मही इति। त्रायेतां। सुविताय। मातरा। उषाः। उछंती। अप। बाधतां।

राम
॥ ८१

अद्यं। स्वस्ति। अग्निं। सं॒ऽइ॒धानं। ई॒महे। इ॒यं। नः॒। उस्रा। प्रथमा। सुऽदि॒व्यं। रेवत्।
सनिऽभ्यः। रेवती। वि। उ॒च्छतु। आरे। मन्युं। दुः॒ऽविदत्रस्य। धीमहि। ०। प्र। याः। सि
स्रते। सूर्यस्य। र॒श्मिऽभिः। ज्योतिः। भरंतीः। उषसः। वि॒ऽउ॒ष्टिषु। भद्राः। नः। अद्य।
श्रवसे। वि। उ॒च्छत। ०॥ ६ ॥ ॥ अनमीवाः। उषसः। आ। चरंतु। नः। उत्। अग्नयः।
जिहतां। ज्योतिषा। बृहत्। अयुक्षात। अश्विना। तूतुजिं। रथं। ०। श्रेष्ठं। नः। अ
द्य। सवितः। वरेण्यं। भागं। आ। सुव। सः। हि। रत्नऽधाः। असि। रायः। जनित्री।
धिषणां। उप। ब्रुवे। ०। पिपर्तु। मा। तत्। ऋतस्य। प्रऽवाचनं। देवानां। यत्। मनु
ष्याः। अमन्महि। विश्वाः। इत्। उस्राः। स्पट्। उत्। एति। सूर्यः। ०। अद्वेषः। अ
द्य। बर्हिषः। स्तरीमणि। ग्राव्णां। योगे। मन्मनः। साधे। ईमहे। आदित्यानां। श
र्मणि। स्थाः। भुरण्यसि। ०। आ। नः। बर्हिः। सधऽमादे। बृहत्। दिवि। देवान्।

प॰स॰८
॥८२॥

ईळे।सादय।सप्त।होतॄन्।०।सातये।भर्ग।०॥७॥ ॥०।वृधे।नः।यज्ञं।अवत।सऽजोषसः।बृहस्पतिं।पूषणं।अश्विना।भर्ग।०।तत्।नः।देवाः।यछत।सुऽप्रवाचनं।छर्दिः।आदित्याः।सुऽभरं।नृऽपाय्यं।पश्वे।तोकाय।तनयाय।जीवसे।०।विश्वे।अद्य।मरुतः।विश्वे।ऊती।विश्वे।भवंतु।अग्नयः।संऽइद्धाः।विश्वे।नः।देवाः।अवसा।आ।गमंतु।विश्वं।अस्तु।द्रविणं।वाजः।अस्मे इति।यं।देवासः।अवथ।वाजऽसातौ।यं।त्रायध्वे।यं।पिपृथ।अति।अंहः।यः।वः।गोऽपीथे।न।भयस्य।वेद।ते।स्याम।देवऽवीतये।तुरासः॥८॥ ॥उषसानक्ता।बृहती इति।सुऽपेशसा।द्यावाक्षामा।वरुणः।मित्रः।अर्यमा।इंद्रं।हुवे।मरुतः।पर्वतान्।अपः।आदित्यान्।द्यावापृथिवी इति।अपः।स्वः।रिति स्वः।द्यौः।च।नः।पृथिवी।च।प्रऽचेतसा।ऋतवरी इत्यृतऽवरी।रक्षतां।अंहसः।रिषः।मा।दुःऽविदत्रा।निःऽऋतिः।नः।ईशत।

राम
॥८२॥

तत्। देवानां। अवः। अद्य। वृणीमहे। विश्वऽस्मात्। नः। अदितिः। पातु। अंहसः। मा

ता। मित्रस्य। वरुणस्य। रेवतः। स्वः॑ऽवत्। ज्योतिः। अवृकं। नशीमहि। ०। ग्रावा। वद

न्। अप। रक्षांसि। सेधतु। दुःऽस्वप्न्यं। निःऽऋतिं। विश्वं। अत्रिणं। आदित्यं। शर्म। म

रुतां। अशीमहि। ०। आ। इंद्रः। बर्हिः। सीदतु। पिन्वतां। इळा। बृहस्पतिः। सामऽभिः

। ऋक्वः। अर्चतु। सुऽप्रकेतं। जीवसे। मन्म। धीमहि। ०॥ ८ ॥ ॥ दिविऽस्पृशं। यज्ञं।

अस्माकं। अश्विना। जीरऽअध्वरं। कृणुतं। सुम्नं। इष्टये। प्राचीनऽरश्मिं। आऽहुतं

। घृतेन। ०। उप। ह्वये। सुऽहवं। मारुतं। गणं। पावकं। ऋष्वं। सख्याय। शंऽभुवं। रायः

। पोषं। सौश्रवसाय। धीमहि। ०। अपां। पेरुं। जीवऽधन्यं। भरामहे। देवऽअव्यं। सुऽ

हवं। अध्वरऽश्रियं। सुऽरश्मिं। सोमं। इंद्रियं। यमीमहि। ०। सनेम। तत्। सुऽसनिता

। सनित्वऽभिः। वयं। जीवाः। जीवऽपुत्राः। अनागसः। ब्रह्मऽद्विषः। विष्वक्। एनः।

प॰ स॰ ८
॥ ८३ ॥

भरत । ० । ये । स्थ । मनोः । यज्ञियाः । ते । शृणोतन । यत् । वः । देवाः । ईमहे । तत् । ददा
तन । जैत्रं । क्रतुं । रयिऽमत् । वीरऽवत् । यशः । ० ॥ १० ॥ ॥ महत् । अद्य । महतां । आ ।
वृणीमहे । अवः । देवानां । बृहतां । अनर्वणां । यथा । वसु । वीरऽजातं । नशामहे । ० ।
महः । अग्नेः । संऽइधानस्य । शर्मणि । अनागाः । मित्रे । वरुणे । स्वस्तये । श्रेष्ठे । स्याम ।
सवितुः । सवीमनि । ० । ये । सवितुः । सत्यऽसवस्य । विश्वे । मित्रस्य । व्रते । वरुणस्य । दे
वाः । ते । सौभगं । वीरऽवत् । गोऽमत् । अप्नः । दधातन । द्रविणं । चित्रं । अस्मे इति । स
विता । पश्चातात् । सविता । पुरस्तात् । सविता । उत्तरात्तात् । सविता । अधरात्तात् ।
सविता । नः । सुवतु । सर्वऽतातिं । सविता । नः । रासतां । दीर्घं । आयुः ॥ ११ ॥ ॥ नमः ।
मित्रस्य । वरुणस्य । चक्षसे । महः । देवाय । तत् । ऋतं । सपर्यत । दूरेऽदृशे । देवऽजा
ताय । केतवे । दिवः । पुत्राय । सूर्याय । शंसत । सा । मा । सत्यऽउक्तिः । परि । पातु । विश्व

राम
॥ ८३ ॥

तः। द्यावा। च। यत्र। ततनन्। अहानि। च। विश्वं। अन्यत्। नि। विशते। यत्। एज
ति। विश्वाहा। आपः। विश्वाहा। उत्। एति। सूर्यः। न। ते। अदेवः। प्रऽदिवः। नि। वास
ते। यत्। एतशेभिः। पतरैः। रथर्यसि। प्राचीनं। अन्यत्। अनु। वर्त्तते। रजः। उत्। अ
न्येन। ज्योतिषा। यासि। सूर्य। येन। सूर्य। ज्योतिषा। बाधसे। तमः। जगत्। च। वि
श्वं। उत्ऽइयर्षि। भानुना। तेन। अस्मत्। विश्वां। अनिरां। अनाहुतिं। अप। अमी
वां। अप। दुःऽस्वप्न्यं। सुव। विश्वस्य। हि। प्रऽइषितः। रक्षसि। व्रतं। अहेळयन्।
उत्ऽचरसि। स्वधाः। अनु। पत। अद्य। त्वा। सूर्य। उप। ब्रवामहै। तं। नः। देवाः।
अनु। मंसीरत। क्रतुं। तं। नः। द्यावापृथिवीइति। तत्। नः। आपः। इंद्रः। शृण्वंतु।
मरुतः। हूर्व। वत्वः। मा। शूने। भूम। सूर्यस्य। संऽदृशि। भद्रं। जीवंतः। जरणां। अ
शीमहि॥ १२॥ ॥ विश्वाहा। त्वा। सुऽमनसः। सुऽचक्षसः। प्रजाऽवंतः। अनमी

प॰स॰८
॥८४॥

वा: । अनागस: । उत ऽ यं तं । त्वा । मित्र ऽ महः । दिवे ऽ दिवे । ज्योक् । जीवा: । प्रति । पश्येम । सूर्य । मह्रि । ज्योति: । बिभ्रतं । त्वा । वि ऽ चक्षण । भास्वंतं । चक्षुषे ऽ चक्षुषे । मय: । आ ऽ रोहंतं । बृहत: । पाजस: । परि । वयं । जीवा: । प्रति । पश्येम । सूर्य । यस्य । ते । विश्वा । भुवनानि । केतुना । प्र । च । ईरते । नि । च । विशंते । अक्तु ऽ भि: । अनागा: ऽ त्वेन । हरि ऽ केश । सूर्य । अह्ना ऽ अह्ना । न: । वस्यसा ऽ वस्यसा । उत् । इहि । शं । न: । भव । चक्षसा । शं । न: । अह्ना । शं । भानुना । शं । हिमा । शं । घृणेन । यथा । शं । अध्वन् । शं । असत् । दुरोणे । तत् । सूर्य । द्रविणं । धेहि । चित्रं । अस्मा कं । देवा: । उभयाय । जन्मने । शर्म । यच्छत । द्वि ऽ पदे । चतु: ऽ पदे । अदत् । पिबत् । ऊर्जयमानं । आशितं । तत् । अस्मे इति । शं । यो: । अरप: । दधातन । यत् । व: । देवा: । चकृम । जिह्वया । गुरु । मनस: । वा । प्र ऽ युती । देव ऽ हेळनं । अरावा ।

राम
॥८४॥

यः। नः। अभि। दुच्छुनऽयते। तस्मिन्। तत्। एनः। वसवः। नि। धेतन ॥ १३ ॥ ॥
अस्मिन्। नः। इंद्र। पृत्सुतौ। यशस्वति। शिमीऽवति। क्रंदसि। प्र। अव। सातये।
यत्र। गोऽसाता। धृषितेषु। खादिषु। विष्वक्। पतंति। दिद्यवः। नृऽसह्ये। सः।
नः। क्षुऽमंतं। सदने। वि। ऊर्णुहि। गोऽअर्णसं। रयिं। इंद्र। श्रवाय्यं। स्याम। ते। ज
यतः। शक्र। मेदिनः। यथा। वयं। उश्मसि। तत्। वसो इति। कृधि। यः। नः। दासः।
आर्यः। वा। पुरुऽस्तुत। अदेवः। इंद्र। युधये। चिकेतति। अस्माभिः। ते। सुऽसहाः।
संतु। शत्रवः। त्वया। वयं। तान्। वनुयाम। संऽगमे। यः। दभ्रेभिः। हव्यः। यः। च।
भूरिऽभिः। यः। अभीके। वरिवःऽवित्। नृऽसह्ये। तं। विऽखादे। सस्निं। अद्य।
श्रुतं। नरं। अर्वांचं। इंद्रं। अवसे। करामहे। स्वऽवृजं। हि। त्वां। अहं। इंद्र। शुश्र
व। अननुऽदं। वृषभ। रध्रऽचोदनं। प्र। मुंचस्व। परि। कुत्सात्। इह। आ। गहि।

प॰स॰८
॥८५॥

किं। ऊँ इति। त्वाऽवान्। मुष्कयोः। बद्धः। आसते॥१४॥ ॥यः। वां। परिऽज्मा। सुऽ
वृत्। अश्विना। रथः। दोषां। उषसः। हव्यः। हविष्मता। शश्वत्ऽतमासः। तं। ऊँ इ
ति। वां। इदं। वयं। पितुः। न। नाम। सुऽहवं। हवामहे। चोदयतं। सूनृताः। पिन्वतं। धि
यः। उत्। पुरंऽधीः। ईरयतं। तत्। उश्मसि। यशसं। भगं। कृणुतं। नः। अश्विना। सोमं।
न। चारुं। मघवत्ऽसु। नः। कृतं। अमाऽजुरः। चित्। भवथः। युवं। भगः। अनाशोः। चि
त्। अवितारा। अपमस्य। चित्। अंधस्य। चित्। नासत्या। कृशस्य। चित्। युवां। इत्।
आहुः। भिषजा। रुतस्य। चित्। युवं। च्यवानं। सनयं। यथा। रथं। पुनः। युवानं। च
रथाय। तक्षथुः। निः। तौग्र्यं। ऊहथुः। अत्ऽभ्यः। परि। विश्वा। इत्। ता। वां। सव
नेषु। प्रऽवाच्या। पुराणा। वां। वीर्या। प्र। ब्रव। जने। अथो इति। ह। आसथुः। भि
षजा। मयःऽभुवा। ता। वां। नु। नव्यौ। अवसे। करामहे। अयं। नासत्या। श्रत्। अरिः।

राम
॥८५॥

यथा । दधत् ॥१५॥ ॥ इयं । वां । अह्वे । शृणुतं । मे । अश्विना । पुत्राय ऽइव । पितरा ।
मह्यं । शिक्षतं । अनापिः । अज्ञाः । असजात्या । अमतिः । पुरा । तस्याः । अभिऽशस्तेः
। अव । स्पृतं । युवं । रथेन । विऽमदाय । शुंध्युवं । नि । ऊहथुः । पुरुऽमित्रस्य । योषणां
। युवं । हवं । वध्रिऽमत्याः । अगच्छतं । युवं । सुऽसुतिं । चक्रथुः । पुरंऽधये । युवं । विप्र
स्य । जरणां । उपऽईयुषः । पुनरिति । कलेः । अकृणुतं । युवत् । वयः । युवं । वंदनं ।
ऋश्यऽदात् । उत् । ऊपथुः । युवं । सद्यः । विश्पलां । एतवे । कृथः । युवं । ह । रेभं । वृष
णा । गुहा । हितं । उत् । ऐरयतं । ममृऽवांसं । अश्विना । युवं । ऋबीसं । उत । तप्तं ।
अत्रये । ओमन्ऽवंतं । चक्रथुः । सप्तऽवध्रये । युवं । श्वेतं । पेदवे । अश्विना । अश्वं ।
नवऽभिः । वाजैः । नवती । च । वाजिनं । चर्कृत्यं । ददथुः । द्रवयत्ऽसखं । भगं । न । नृऽ
भ्यः । हव्यं । मयःऽभुवं ॥१६॥ ॥ न । तं । राजानौ । अदिते । कुतः । चन । न । अंहः । अ

प॰स॰८ ॥८६

श्रोति। दुः ऽ इतं। नाकिः। भयं। यं। अश्विना। सुऽहवा। रुद्रवर्त्तनी इति रुद्रऽवर्त्तनी। पुरःऽरथं। कृणुथः। पत्न्या। सह। आ। तेन। यातं। मनसः। जवीयसा। रथं। यं। वां। ऋभवः। चक्रुः। अश्विना। यस्य। योगे। दुहिता। जायते। दिवः। उभे इति। अहनी इति। सुदिने इति सुऽदिने। विवस्वतः। ता। वर्त्तिः। यातं। जयुषा। वि। पर्वतं। अपिन्वतं। शयवे। धेनुं। अश्विना। वृकस्य। चित्। वर्त्तिकां। अंतः। आस्यात्। युवं। शचीभिः। ग्रसितां। अमुंचतं। एतं। वां। स्तोमं। अश्विनौ। अकर्म। अतक्षाम। भृगवः। न। रथं। नि। अमृक्षाम। योषणां। न। मर्ये। नित्यं। न। सूनुं। तनयं। दधानाः॥१७॥ ॥ रथं। यातं। कुह। कः। ह। वां। नरा। प्रति। द्युऽमंतं। सुविताय। भूषति। प्रातःऽयावानं। विऽभ्वं। विशेऽविशे। वस्तोःऽवस्तोः। वहमानं। धिया। शमि। कुह। स्वित्। दोषा। कुह। वस्तोः। अश्विना। कुह। अभिऽपित्वं। करतः। कुह। ऊषतुः। कः। वां। शयुऽ

राम ॥८६

त्रा । विधवाऽइव । देवरं । मर्यं । न । योषा । कृणुते । सधऽस्थे । आ । प्रातः । जरेथेऽइति
। जरणाऽइव । कापया । वस्तोःऽवस्तोः । यजता । गच्छथः । गृहं । कस्य । ध्वस्रा । भव
थः । कस्य । वा । नरा । राजपुत्राऽइव । सवना । अव । गच्छथः । युवां । मृगाऽइव । वारणा
। मृगण्यवः । दोषा । वस्तोः । हविषा । नि । ह्वयामहे । युवं । होत्रां । ऋतुऽथा । जुह्वते ।
नरा । इषं । जनाय । वहथः । शुभः । पतीऽइति । युवां । ह । घोषा । परि । अश्विना । यती
। राज्ञः । ऊचे । दुहिता । पृच्छे । वां । नरा । भूतं । मे । अह्ने । उत । भूतं । अक्तवे । अश्वऽव
ते । रथिने । शक्तं । अर्वते ॥ १८ ॥ ॥ युवं । कवीऽइति । स्थः । परि । अश्विना । रथं । वि
शः । न । कुत्सः । जरितुः । नशायथः । युवोः । ह । मक्षा । परि । अश्विना । मधु । आसा
। भरत । निःऽकृतं । न । योषणा । युवं । ह । भुज्युं । युवं । अश्विना । वशं । युवं । शिंजा
रं । उशनां । उप । आरथुः । युवोः । ररावा । परि । सख्यं । आसते । युवोः । अहं । अव

प.स.८
॥८७॥

सा।सुम्नं।आ।चक्रे।युवं।ह।रूशं।युवं।अश्विना।शयुं।युवं।विधंतं।विधवां
।उरूष्यथः।युवं।सनिऽभ्यः।स्तनयंतं।अश्विना।अप।व्रजं।ऊर्णुथः।सप्तऽ
आस्यं।जनिष्ट।योषा।पतयत्।कनीनकः।वि।च।अरुहन्।वीरुधः।दंसनाः।
अनु।आ।अस्मै।रीयंते।निवनाऽइव।सिंधवः।अस्मै।अह्ने।भवति।तत्।पतिऽ
त्वनं।जीवं।रुदंति।वि।मयंते।अध्वरे।दीर्घां।अनु।प्रऽसितिं।दीधियुः।नरः
।वामं।पितृऽभ्यः।ये।इदं।संऽएरिरे।मयः।पतिऽभ्यः।जनयः।परिऽस्वजे॥
॥१९॥ ॥न।तस्य।विद्म।तत्।ऊं इति।सु।प्र।वोचत।युवा।ह।यत्।युवत्याः
।क्षेति।योनिषु।प्रियऽउस्त्रियस्य।वृषभस्य।रेतिनः।गृहं।गमेम।अश्विना
।तत्।उश्मसि।आ।वां।अगन्।सुऽमतिः।वाजिनीवसूइतिवाजिनीऽवसू।नि
।अश्विना।हृत्ऽसु।कामाः।अयंसत।अभूतं।गोपा।मिथुना।शुभः।पतीइति।

राम
॥८७॥

प्रियाः। अर्यम्णः। दुर्यान्। अशीमहि। ०। धत्तं। रयिं। सहऽवीरं। वचस्यवे। कृतं। तीर्थं। सुऽप्रपानं। शुभः। पती इति। स्थाणुं। पथेऽस्थां। अप। दुःऽमतिं। हतं। क्व। स्वित्। अद्य। कतमासु। आश्विना। विक्षु। दस्रा। मादयेते इति। शुभः। पती इति। कः। ईं। नि। येमे। कतमस्य। जग्मतुः। विप्रस्य। वा। यजमानस्य। वा। गृहं॥ २०॥ ॥सनानं। ऊं इति। त्यं। पुरुऽहूतं। उकथ्यं। रथं। त्रिऽचक्रं। सवना। गनिग्मतं। परिऽज्मानं। विदथ्यं। सुवृक्तिऽभिः। वयं। विऽउष्टौ। उषसः। हवामहे। प्रातःऽयुजं। नासत्या। अधि। तिष्ठथः। प्रातःऽयावानं। मधुऽवाहनं। रथं। विशः। येन। गच्छथः। यज्वरीः। नरा। कीरेः। चित्। यज्ञं। होतृऽमंतं। आश्विना। अध्वर्युं। वा। मधुऽपाणिं। सुऽहस्त्यं। आग्निधं। वा। धृतऽदक्षं। दमूनसं। विप्रस्य। वा। यत्। सवनानि। गच्छथः। ०। मधुऽपेयं। आश्विना॥ २१॥ ॥अस्ताऽइव। सुऽप्रऽतरं। लायं। अस्यन्

प.स.८ भूषन्ऽइव। प्र। भर। स्तोमं। अस्मै। वाचा। विप्राः। तरत। वाचं। अर्यः। नि। रमय।

॥८८॥ जरितरिति। सोमे। इंद्रं। दोहेन। गां। उप। शिक्ष। सखायं। प्र। बोधय। जरितः। जा

रं। इंद्रं। कोशं। न। पूर्णं। वसुना। निऽऋष्टं। आ। च्यवय। मघऽदेयाय। शूरं। किं। अं

ग। त्वा। मघऽवन्। भोजं। आहुः। शिशीहि। मा। शिशयं। त्वा। शृणोमि। अप्नस्व

ती। मम। धीः। अस्तु। शक्र। वसुऽविदं। भगं। इंद्र। आ। भर। नः। त्वां। जनाः। ममऽस

त्येषु। इंद्र। संऽतस्थानाः। वि। ह्वयंते। संऽईके। अत्र। युजं। कृणुते। यः। हविष्मान्।

न। असुन्वता। सख्यं। वष्टि। शूरः। धनं। न। स्पंद्रं। बहुलं। यः। अस्मै। तीव्रान्। सो

न् माँ। आऽसुनोति। प्रयस्वान्। तस्मै। शत्रून्। सुऽतुकान्। प्रातः। अह्नः। नि। सुऽअष्ट्रा राम

न्। युवति। हंति। वृत्रं। २२ ॥ ॥ यस्मिन्। वयं। दधिम। शंसं। इंद्रे। यः। शिश्राय। ॥८८॥

मघऽवा। कामं। अस्मेइति। आरात्। चित्। सन्। भयतां। अस्य। शत्रुः। नि। अस्मै।

द्युम्ना। जन्या। नमंतां। आरात्। शत्रुं। अप। बाधस्व। दूरं। उग्रः। यः। शंबः। पुरुऽहू
त। तेन। अस्मे इति। धेहि। यवऽमत्। गोऽमत्। इंद्र। कृधि। धियं। जरित्रे। वाजऽरत्नां।
प्र। यं। अंतः। वृषऽसवासः। अग्मन्। तीव्राः। सोमाः। बहुलऽअंतासः। इंद्रं। न। अ
ह। दामानं। मघऽवा। नि। यंसत्। नि। सुन्वते। वहति। भूरि। वामं। उत। प्रऽहां। अतिऽ
दीव्य। जयाति। कृतं। यत्। श्वऽघ्नी। विऽचिनोति। काले। यः। देवऽकामः। न। धना
। रुणद्धि। सं। इत्। तं। राया। सृजति। स्वधाऽवान्। गोभिः। तरेम। अमतिं। दुःऽए
वां। यवेन। क्षुधं। पुरुऽहूत। विश्वां। वयं। राजऽभिः। प्रथमाः। धनानि। अस्माके
न। वृजनेन। जयेम। बृहस्पतिः। नः। परि। पातु। पश्चात्। उत। उत्ऽतरस्मात्। अ
धरात्। अघऽयोः। इंद्रः। पुरस्तात्। उत। मध्यतः। नः। सखा। सखिऽभ्यः। वरिवः।
कृणोतु॥ २२॥ ॥ अच्छ। मे। इंद्रं। मतयः। स्वःऽविदः। सध्रीचीः। विश्वाः। उशतीः। अ

१.स.८

॥८५॥

नूषत। परि। स्वजंते। जनयः। यथा। पतिं। मर्यं। न। शुंध्युं। मघऽवानं। ऊतये। न।
घ। त्वद्रिक्। अप। वेति। मे। मनः। त्वे इति। इत्। कामं। पुरुऽहूत। शिश्रय। राजाऽ
इव। दस्म। नि। सदः। अधि। बर्हिषि। अस्मिन्। सु। सोमे। अवऽपानं। अस्तु। ते। वि
षुऽवृत्। इंद्रः। अमतेः। उत। क्षुधः। सः। इत्। रायः। मघऽवा। वस्वः। ईशते। तस्य। इत्।
इमे। प्रवणे। सप्त। सिंधवः। वयः। वर्धंति। वृषभस्य। शुष्मिणः। वयः। न। वृक्षं। सुऽ
पलाशं। आ। असदन्। सोमासः। इंद्रं। मंदिनः। चमूऽसदः। प्र। एषां। अनीकं। शवसा।
दविद्युतत्। विदत्। स्वः। मनवे। ज्योतिः। आर्यं। कृतं। न। श्वऽघ्नी। वि। चिनोति। देवने।
संऽवर्गं। यत्। मघऽवा। सूर्यं। जयत्। न। तत्। ते। अन्यः। अनु। वीर्यं। शकत्। न। पुरा
णः। मघऽवन्। न। उत। नूतनः॥ २४॥ ॥विशंऽविशं। मघऽवा। परि। अशायत। ज
नानां। धेनाः। अवऽचाकशत्। वृषा। यस्य। अह। शक्रः। सवनेषु। रण्यति। सः। तीव्रैः।

राम

॥८५॥

सोमैः। सहते। एतन्यतः। आपः। न। सिंधुं। अभि। यत्। संऽअक्षरन्। सोमासः। इंद्रं। कु
ल्याःऽइव। ह्रदं। वर्धंति। विप्राः। मदः। अस्य। सदने। यवं। न। वृष्टिः। दिव्येन। दानुना
। वृषा। न। क्रुद्धः। पतयत्। रजःऽसु। आ। यः। अर्यऽपत्नीः। अकृणोत्। इमाः। अपः
। सः। सुन्वते। मघऽवा। जीरऽदानवे। अविंदत्। ज्योतिः। मनवे। हविष्मते। उत्। जा
यतां। परशुः। ज्योतिषा। सह। भूयाः। ऋतस्य। सुऽदुघा। पुराणऽवत्। वि। रोचतां।
अरुषः। भानुना। शुचिः। स्वः। न। शुक्रं। शुशुचीत। सत्ऽपतिः।०। २५ ॥ ॥० स्वऽ
पतिः। मदाय। यः। धर्मणा। तूतुजानः। तुविष्मान्। प्रऽत्वक्षाणः। अति। विश्वा। स
हांसि। अपारेण। महता। वृष्ण्येन। सुऽस्तामा। रथः। सुऽयमा। हरी इति। ते। मिम्य
क्ष। वज्रः। नृऽपते। गभस्तौ। शुभ्रं। राजन्। सुऽपथा। आ। याहि। अर्वाङ्। वर्धाम।
ते। पपुषः। वृष्ण्यानि। आ। इंद्रऽवाहः। नृऽपतिं। वज्रऽबाहुं। उग्रं। उग्रासः। तवि

प॰स॰८ ॥२०॥

षासः। एनं। प्रऽत्वक्षसं। वृषभं। सत्यऽशुष्मं। आ। ईं। अस्मऽत्रा। सधऽमादः। वहंतु
। एव। पतिं। द्रोणऽसाचं। सऽचेतसं। ऊर्जः। स्कंभं। धरुणे। आ। वृषऽयसे। ओजः।
कृष्व। सं। गृभाय। त्वे इति। अपि। असः। यथा। केऽनिपानां। इनः। वृधे। भव। अ
स्मे इति। वसूनि। आ। हि। शंसिषं। सुऽआशिषं। भरं। आ। याहि। सोमिनः। त्वं। ईशि
षे। सः। अस्मिन्। आ। सत्सि। बर्हिषि। अनाधृष्या। तव। पात्राणि। धर्मणा॥ २६॥ ॥
पृथक्। प्र। आयन्। प्रथमाः। देवऽहूतयः। अकृण्वत। श्रवस्यानि। दुस्तरा। न। ये। शे
कुः। यज्ञियां। नावं। आऽरुहं। ईर्मा। एव। ते। नि। अविशंत। केपयः। एव। एव। अपा
क्। अपरे। संतु। दुःऽध्यः। अश्वाः। येषां। दुःऽयुजः। आऽयुयुज्रे। इत्था। ये। प्राक्।
उपरे। संति। दावने। पुरूणि। यत्र। वयुनानि। भोजना। गिरीन्। अज्रान्। रेजमाना
न्। अधारयत्। द्यौः। क्रंदत्। अंतरिक्षाणि। कोपयत्। समीचीने इति सं‌ऽईचीने। धि

राम ॥२०॥

षणोद्दति। वि। स्कभायति। वृषभः। पीत्वा। मदे। उक्थानि। शंसति। इमं। बिभर्मि

।सुऽकृतं। ते। अंकुशं। येन। आऽरुजासि। मघऽवन्। शफऽआरुजः। अस्मिन्। सु

ते। सवने। अस्तु। ओक्यं। सुते। इष्टौ। मघऽवन्। बोधि। आऽभगः। ०॥ २८ ॥ ॥ दि

वः। परि। प्रथमं। जज्ञे। अग्निः। अस्मत्। द्वितीयं। परि। जातऽवेदाः। तृतीयं। अप्ऽ

सु। नृऽमनाः। अजस्रं। इंधानः। एनं। जरते। सुऽआधीः। विद्म। ते। अग्ने। त्रेधा। त्रया

णि। विद्म। ते। धाम। विऽभृता। पुरुऽत्रा। विद्म। ते। नाम। परमं। गुहा। यत्। विद्म। तं। उ

त्सं। यतः। आऽजगंथ। समुद्रे। त्वा। नृऽमनाः। अप्ऽसु। अंतः। नृऽचक्षाः। ईधे। दिवः।

अग्ने। ऊधन्। तृतीये। त्वा। रजसि। तस्थिऽवांसं। अपां। उपऽस्थे। महिषाः। अव

र्धन्। अक्रंदत्। अग्निः। स्तनयन्ऽइव। द्यौः। क्षाम। रेरिहत्। वीरुधः। संऽअंजन्।

सद्यः। जज्ञानः। वि। हि। ईं। इद्धः। अख्यत्। आ। रोदसीइति। भानुना। भाति। अंतरि

प॰स॰८
॥२१

ति।श्रीणां।उत्ऽआरः।धरूणः।रयीणां।मनीषाणां।प्रऽअर्पणः।सोमऽगोपाः
।वसुः।सूनुः।सहसः।अप्ऽसु।राजा।वि।भाति।अग्रे।उषसां।इधानः।विश्वस्य।
केतुः।भुवनस्य।गर्भः।०।वीळुं।चित्।अद्रिं।अभिनत्।पराऽयन्।जनाः।यत्।अ
ग्निं।अयजंत।पंच॥२८॥ ।उशिक्।पावकः।अरतिः।सुऽमेधाः।०।इयर्ति।धूमं
।अरुषं।भरिभ्रत्।उत्।शुक्रेण।शोचिषा।द्यां।इनक्षन्।दृशानः।रुक्मः।उर्विया।
वि।अद्यौत्।दुःऽमर्षं।आयुः।श्रिये।रुचानः।अग्निः।अमृतः।अभवत्।वयःऽभिः
।यत्।एनं।द्यौः।जनयत्।सुऽरेताः।यः।ते।अद्य।कृणवत्।भद्रऽशोचे।अपूपं।दे
व।घृतऽवंतं।अग्ने।प्र।तं।नय।प्रऽतरं।वस्यः।अच्छ।अभि।सुम्नं।देवऽभक्तं।यविष्ठ।
आ।तं।भज।सौश्रवसेषु।अग्ने।उक्थेऽउक्थे।आ।भज।शस्यमाने।०।उत्।जा
तेन।भिनदत्।उत्।जनिऽत्वैः।त्वां।अग्ने।यजमानाः।अनु।द्यून्।विश्वा।वसु।दधि

राम
॥२१॥

रे। वार्यीणि। त्वया। सह। द्रविणं। इच्छमानाः। १० अस्तावि। अग्निः। नरां। सुऽशेवः। वैश्वानरः। ऋषिऽभिः। सोमऽगोपाः। ०॥ २२ ॥ ॥ इति सप्तमाष्टके अष्टमोऽध्यायः॥ ॥ श्रीवेदपुरुषार्पणमस्तु॥ ॥ शुभं भवतु॥

॥ छ॥ ॥ छ॥ ॥ छ॥ ॥ छ॥ ॥ छ॥ ॥ छ॥

॥ सप्तमाष्टकः समाप्तः ॥

[OrderDescription]
,CREATED=25.02.20 11:47
,TRANSFERRED=2020/02/25 at 12:08:57
,PAGES=185
,TYPE=STD
,NAME=S0002878
,Book Name=M-2724-SAPTMASTAK
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF

FILE6=00000006.TIF
,FILE7=00000007.TIF
,FILE8=00000008.TIF
,FILE9=00000009.TIF
,FILE10=00000010.TIF
,FILE11=00000011.TIF
,FILE12=00000012.TIF
,FILE13=00000013.TIF
,FILE14=00000014.TIF
,FILE15=00000015.TIF
,FILE16=00000016.TIF
,FILE17=00000017.TIF
,FILE18=00000018.TIF
,FILE19=00000019.TIF

FILE20=00000020.TIF
,FILE21=00000021.TIF
,FILE22=00000022.TIF
,FILE23=00000023.TIF
,FILE24=00000024.TIF
,FILE25=00000025.TIF
,FILE26=00000026.TIF
,FILE27=00000027.TIF
,FILE28=00000028.TIF
,FILE29=00000029.TIF
,FILE30=00000030.TIF
,FILE31=00000031.TIF
,FILE32=00000032.TIF
,FILE33=00000033.TIF

FILE34=00000034.TIF
,FILE35=00000035.TIF
,FILE36=00000036.TIF
,FILE37=00000037.TIF
,FILE38=00000038.TIF
,FILE39=00000039.TIF
,FILE40=00000040.TIF
,FILE41=00000041.TIF
,FILE42=00000042.TIF
,FILE43=00000043.TIF
,FILE44=00000044.TIF
,FILE45=00000045.TIF
,FILE46=00000046.TIF
,FILE47=00000047.TIF

FILE48=00000048.TIF
,FILE49=00000049.TIF
,FILE50=00000050.TIF
,FILE51=00000051.TIF
,FILE52=00000052.TIF
,FILE53=00000053.TIF
,FILE54=00000054.TIF
,FILE55=00000055.TIF
,FILE56=00000056.TIF
,FILE57=00000057.TIF
,FILE58=00000058.TIF
,FILE59=00000059.TIF
,FILE60=00000060.TIF
,FILE61=00000061.TIF

FILE62=00000062.TIF
,FILE63=00000063.TIF
,FILE64=00000064.TIF
,FILE65=00000065.TIF
,FILE66=00000066.TIF
,FILE67=00000067.TIF
,FILE68=00000068.TIF
,FILE69=00000069.TIF
,FILE70=00000070.TIF
,FILE71=00000071.TIF
,FILE72=00000072.TIF
,FILE73=00000073.TIF
,FILE74=00000074.TIF
,FILE75=00000075.TIF

FILE76=00000076.TIF
,FILE77=00000077.TIF
,FILE78=00000078.TIF
,FILE79=00000079.TIF
,FILE80=00000080.TIF
,FILE81=00000081.TIF
,FILE82=00000082.TIF
,FILE83=00000083.TIF
,FILE84=00000084.TIF
,FILE85=00000085.TIF
,FILE86=00000086.TIF
,FILE87=00000087.TIF
,FILE88=00000088.TIF
,FILE89=00000089.TIF

FILE90=00000090.TIF
,FILE91=00000091.TIF
,FILE92=00000092.TIF
,FILE93=00000093.TIF
,FILE94=00000094.TIF
,FILE95=00000095.TIF
,FILE96=00000096.TIF
,FILE97=00000097.TIF
,FILE98=00000098.TIF
,FILE99=00000099.TIF
,FILE100=00000100.TIF
,FILE101=00000101.TIF
,FILE102=00000102.TIF
,FILE103=00000103.TIF

FILE104=00000104.TIF
,FILE105=00000105.TIF
,FILE106=00000106.TIF
,FILE107=00000107.TIF
,FILE108=00000108.TIF
,FILE109=00000109.TIF
,FILE110=00000110.TIF
,FILE111=00000111.TIF
,FILE112=00000112.TIF
,FILE113=00000113.TIF
,FILE114=00000114.TIF
,FILE115=00000115.TIF
,FILE116=00000116.TIF
,FILE117=00000117.TIF

FILE118=00000118.TIF
,FILE119=00000119.TIF
,FILE120=00000120.TIF
,FILE121=00000121.TIF
,FILE122=00000122.TIF
,FILE123=00000123.TIF
,FILE124=00000124.TIF
,FILE125=00000125.TIF
,FILE126=00000126.TIF
,FILE127=00000127.TIF
,FILE128=00000128.TIF
,FILE129=00000129.TIF
,FILE130=00000130.TIF
,FILE131=00000131.TIF

FILE132=00000132.TIF
,FILE133=00000133.TIF
,FILE134=00000134.TIF
,FILE135=00000135.TIF
,FILE136=00000136.TIF
,FILE137=00000137.TIF
,FILE138=00000138.TIF
,FILE139=00000139.TIF
,FILE140=00000140.TIF
,FILE141=00000141.TIF
,FILE142=00000142.TIF
,FILE143=00000143.TIF
,FILE144=00000144.TIF
,FILE145=00000145.TIF

FILE146=00000146.TIF
,FILE147=00000147.TIF
,FILE148=00000148.TIF
,FILE149=00000149.TIF
,FILE150=00000150.TIF
,FILE151=00000151.TIF
,FILE152=00000152.TIF
,FILE153=00000153.TIF
,FILE154=00000154.TIF
,FILE155=00000155.TIF
,FILE156=00000156.TIF
,FILE157=00000157.TIF
,FILE158=00000158.TIF
,FILE159=00000159.TIF

FILE160=00000160.TIF
,FILE161=00000161.TIF
,FILE162=00000162.TIF
,FILE163=00000163.TIF
,FILE164=00000164.TIF
,FILE165=00000165.TIF
,FILE166=00000166.TIF
,FILE167=00000167.TIF
,FILE168=00000168.TIF
,FILE169=00000169.TIF
,FILE170=00000170.TIF
,FILE171=00000171.TIF
,FILE172=00000172.TIF
,FILE173=00000173.TIF

FILE174=00000174.TIF
,FILE175=00000175.TIF
,FILE176=00000176.TIF
,FILE177=00000177.TIF
,FILE178=00000178.TIF
,FILE179=00000179.TIF
,FILE180=00000180.TIF
,FILE181=00000181.TIF
,FILE182=00000182.TIF
,FILE183=00000183.TIF
,FILE184=00000184.TIF
,FILE185=00000185.TIF
,